अब हर
रोज दर्पण
3

जबलपुर गुरुवार 13 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण शुक्ल पक्ष प्रथमा
वर्ष 32 अंक 47 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 30.3°C
न्यूनतम तापमान 24.4°C
सूर्योदय - 5.46 | सूर्यास्त - 6.44

युग अग्रवाल का गौरवपूर्ण चयन ... 5

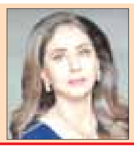
उर्मिला मातोंडकर के एक्स पति ने किया दूसरी ... 7

प्रभारी मंत्री राजपूत ने की मुख्यमंत्री जन ... 8

नेवी के हर युद्धपोत पर होगी ब्रह्मोस मिसाइलों की तैनाती

नई दिल्ली

भारतीय नौसेना अपने फ्रंटलाइन युद्धपोतों पर ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल लगाने की प्रक्रिया को तेज कर रही है। लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में बेड़े के बड़े हिस्से में इस मिसाइल को एकीकृत किया जाए। सूत्रों के अनुसार नौसेना 2030 तक प्रमुख युद्धपोतों पर ब्रह्मोस की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। पिछले एक साल में छह से ज्यादा ब्रह्मोस सक्षम युद्धपोत बेड़े में शामिल हुए हैं जिससे कुल संख्या लगभग 20 पहुंच गई है। सभी नए कमीशन होने वाली जहाजें ब्रह्मोस सिस्टम से लैस होती हैं। मौजूदा जहाजों पर भी काम चल रहा है। यह मिसाइल समुद्री हमले की क्षमता को मजबूत बनाने वाला प्रमुख हथियार बन चुका है। ब्रह्मोस की प्रासंगिकता ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और बढ़ गई जब यह भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुख स्ट्राइक सिस्टम में शामिल रहा। इस अभियान में मिसाइल ने अपनी सटीकता और प्रभावी रही। इसके बाद नौसेना ने इसे व्यापक स्तर पर अपनाने पर जोर दिया है। ब्रह्मोस अब केवल परीक्षण या अभ्यास तक सीमित नहीं रह गया बल्कि वास्तविक संचालन में अपनी उपयोगिता दिखा चुका है। इसकी सुपरसोनिक गति और लंबी दूरी की मारक क्षमता दुश्मन के जहाजों या तटीय लक्ष्यों पर तेजी से हमला करने में मदद करती है। नवीनतम पीढ़ी के भारतीय युद्धपोत ब्रह्मोस क्षमता को ध्यान में रखकर डिजाइन किए जा रहे हैं। नीलगिरी क्लास स्टील्थ

फ्रिगेट्स जैसे आईएनएस उदयगिरी, आईएनएस हिमगिरी और आईएनएस महेंद्रगिरि में आठ वर्टिकली लॉन्च ब्रह्मोस मिसाइलें लगाई गई हैं। ये जहाजें स्वदेशी डिजाइन और निर्माण का हिस्सा हैं जिनमें उच्च स्तर की स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है। विध्वंसक जहाजों में कुछ नए मॉडल 16 वर्टिकल लॉन्चर तक ले जा सकते हैं जबकि पुराने मॉडल में आठ की व्यवस्था है। इस तरह नौसेना अपने बेड़े की मारक क्षमता को लगातार बढ़ा रही है।

मजबूत होगी समुद्री स्ट्राइक क्षमता

ब्रह्मोस कार्यक्रम रेंज और प्लेटफॉर्म अनुकूलता के मामले में काफी विकसित हो चुका है। एक्सटेंडेड रेंज वेरिएंट ज्यादा स्टैंड-ऑफ क्षमता देते हैं। मिसाइल पहले से ही भूमि, समुद्र और हवा से लॉन्च होने वाले वर्जन हैं। नौसेना का लंबा उद्देश्य पुराने जहाज पर एंटी-सरफेस मिसाइल सिस्टम को ब्रह्मोस से बदलना है। अगले चार वर्षों में ज्यादातर युद्धपोतों पर ब्रह्मोस एकीकरण का काम आगे बढ़ाया जा रहा है। 2030 तक प्रमुख सतह कॉम्बैटेंट्स पर ब्रह्मोस उपलब्ध होने की उम्मीद है जिससे भारत की लंबी दूरी की समुद्री स्ट्राइक क्षमता काफी मजबूत होगी। नौसेना एक साथ नए युद्धपोत जोड़ रही है। मौजूदा प्लेटफॉर्म को रेट्रोफिट कर रही है। इससे दशक के अंत तक ब्रह्मोस की पहुंच तेजी से बढ़ेगी।

सितंबर में उज्जैन आएंगे राहुल गांधी

भोपाल (स्वतंत्र मत)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सितंबर में उज्जैन आएंगे। प्रस्तावित दौरे के दौरान वे उज्जैन संभाग के उन कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे, जिनकी नियुक्ति संगठन सृजन के माध्यम से हुई है। कार्यक्रम में उज्जैन के साथ रतलाम, शाजापुर, देवास, आगर मालवा, मंदसौर और नीमच जिले के कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। राहुल गांधी के प्रस्तावित उज्जैन दौरे की खबर के बाद कांग्रेस संगठन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

भारतीय टेबल टेनिस फेडरेशन की मान्यता निलंबित

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस के प्रशासन को लेकर खेल मंत्रालय ने बुधवार को बड़ा कदम उठाया। मंत्रालय ने टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया की मान्यता निलंबित कर दी है। इस फैसले के पीछे फेडरेशन में गवर्नेंस से जुड़ी कमियों को मुख्य वजह बताया गया है। मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, टीटीएफआई की ओर से समय पर चुनाव नहीं कराना भी मान्यता निलंबित करने के कारणों में शामिल है। इससे पहले मंत्रालय ने फेडरेशन को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, लेकिन उसके जवाब को असंतोषजनक पाया गया।

बिना निर्माण कहां गए 8 करोड़ : सुको

नई दिल्ली। नोएडा के बहुचर्चित सुपरटेक सुपरनोवा प्रोजेक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान होमबायर्स के वकील यू.के. उनियाल ने गंभीर सवाल उठाते हुए बताया कि एम्पावर्ड कमेटी के गठन के पिछले 8 महीनों में प्रोजेक्ट की स्थिति जस की तस बनी हुई है। कमेटी के सदस्यों के वेतन, प्रशासनिक खर्चों और कंसल्टेंट्स की फीस के नाम पर लगभग 8 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने के लिए एक ईंट भी नहीं लगाई गई है।

समय तय करें...मैं जवाब दूंगा

अमित शाह ने लोकसभा स्पीकर को लिखा पत्र

नई दिल्ली

विपक्ष लगातार नीट पेपर लीक और जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब की मांग कर रहा था। अब अमित शाह ने कहा है कि सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। अमित शाह ने कहा, सरकार हर चीज पर चर्चा के लिए तैयार है। विपक्ष संसद को चलने दे। उन्होंने विपक्ष से कहा कि वह दोपहर 2 बजे तक स्पीकर को चर्चा के लिए पत्र दे। इसके बाद सरकार आज दोपहर 3 बजे से रात तक और कल दोपहर 3 बजे तक भी चर्चा के लिए तैयार है। अमित शाह ने कहा कि वह खुद इस चर्चा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष संसद को चलने नहीं दे रहा है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि जब से संसद का सत्र शुरू हुआ है, वह लगातार संसद में आ रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है और वह नीट पेपर लीक को लेकर हुए छात्र आंदोलन से जुड़े हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस सवाल

का भी जवाब देंगे कि विपक्ष ने संसद को क्यों नहीं चलने दिया। अमित शाह ने विपक्ष से कहा कि अब फैसला उसे करना है कि उसे चर्चा करनी है या चर्चा से बचना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार हमेशा हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार रहती है। उन्होंने विपक्ष से संसद चलने देने की अपील की। गृह मंत्री ने कहा कि संसद में चर्चा के लिए नियम और प्रक्रिया तय है। इतने गंभीर मुद्दे पर सिर्फ एक बयान देकर चर्चा नहीं हो सकती। संसद में किसी भी मुद्दे पर विस्तार से चर्चा होती है और सरकार हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है। अमित शाह ने कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रश्न काल को भी स्थगित करने के लिए सरकार तैयार है, बशर्ते स्पीकर इसकी अनुमति दें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिख छात्र आंदोलन पर चर्चा कराने आग्रह किया है।

भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं : राहुल गांधी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस चैलेंज पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फौरन पलटवार किया। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री पर वार करते हुए कहा कि उन्हें लेक्चर नहीं सुनना है। उन्होंने कहा, अगर बच्चों पर पैलेट गन चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था तो वे इस्तीफा दें। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी अमित शाह की कोई कल्पना या भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं रखती। राहुल गांधी ने सीधा सवाल पूछा कि छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया। उन्होंने पूछा कि किसके आदेश पर एक छात्र को अंधा कर दिया गया और दूसरे छात्र को गोली मारी गई। साथ ही उन्होंने यह भी पूछा कि कीलों वाली लाठियों से छात्रों को पीटने का आदेश किसने दिया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने साफ कहा कि उन्हें और युवा पीढ़ी को अमित शाह की सफाई या तर्क नहीं चाहिए। उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक सवाल का जवाब चाहिए कि छात्रों पर बल प्रयोग का आदेश आखिर किसने दिया था। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर सरकार को सीधे तौर पर घेरा और जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक इस सवाल का सही जवाब नहीं मिलता तब तक कोई भी लेक्चर या चर्चा स्वीकार नहीं की जाएगी।

शाह ने स्पीकर को पत्र में क्या लिखा

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखा। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के दौरान सरकार की ओर से नीट परीक्षा को लेकर छात्रों के प्रदर्शन पर संसद में चर्चा कराने पर सहमति जताई है। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि विपक्ष की मांग से पहले ही संसद के मौजूदा सत्र में एंटी पेपर लीक बिल पेश किया गया। उस समय विपक्ष के किसी भी सदस्य ने सदन में नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात नहीं रखी थी। इसके बावजूद सरकार इस मुद्दे पर दोबारा चर्चा के लिए तैयार है। मेरा अनुरोध है कि आप विपक्ष से चर्चा करें और आपसी सहमति के आधार पर आज से इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जितना समय, दिन या घंटे उचित समझें, निर्धारित करें।

जेपीसी को भेजा एफसीआरए संशोधन बिल

लोकसभा ने हंगामे के बीच एफसीआरए संशोधन बिल, 2026 को दोनों सदनों की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने इसका विरोध किया। इसपर संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि कुछ बिलों को जेपीसी के पास भेजा जाता है और सरकार भी यही कर रही है। बिल में कुछ आपत्तिजनक है तो विपक्ष जेपीसी के सामने अपनी बात रख सकता है। खुश होने के चक्कर में इसका विरोध करना अफसोस की बात है। वहीं, अखिलेश यादव ने एफसीआरए बिल का विरोध करते हुए कहा कि पूरा विपक्ष इसके खिलाफ है। रिजिजू के इस दावे पर कि बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है, अखिलेश ने सवाल किया- आप बताइए कि कौन सा बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है?

जस्टिस यशवंत वर्मा पर लगे आरोप सही

जांच समिति ने संसद में पेश की रिपोर्ट

नई दिल्ली। संसद की जांच समिति ने जस्टिस यशवंत वर्मा के ऊपर लगे तीनों आरोपों को सही पाया है। यह मामला 2025 में जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास के स्टोररूम से नकदी मिलने से जुड़ा है। पैनल की रिपोर्ट बुधवार, 12 अगस्त को लोकसभा और राज्यसभा में पेश की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोररूम में 500 रुपए के नोटों की काफी मात्रा मिली थी। लेकिन जस्टिस वर्मा नकदी के स्रोत, मालिकाना हक या वहां मौजूद होने की संतोषजनक वजह नहीं बता सके। जस्टिस वर्मा इस साल अप्रैल में हाईकोर्ट के जज पद से इस्तीफा दे चुके हैं। जांच समिति ने पाया कि जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास के स्टोर रूम में 500 रुपए के नोटों के बंडल और अधजले नोट मिले थे। फायर सर्विस और पुलिस के कर्मचारियों ने जांच के दौरान बताया कि नोट सिर्फ एक जगह नहीं थे, बल्कि स्टोर रूम के बड़े हिस्से में फैले हुए थे। दिल्ली फायर सर्विस के कर्मचारी अंकित सहगल ने बताया कि उसने 500 रुपए के नोटों के बंडल देखे थे, जो स्टोर रूम में 7-8 फीट तक फैले हुए थे। पुलिस अधिकारी रूपचंद से जब पूछा गया कि क्या नकदी की मात्रा 5 लाख रुपए से ज्यादा थी, तो उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा बहुत छोटा है। हालांकि, नोटों को जब्त नहीं किया गया, उनकी गिनती नहीं हुई और न ही नोटों के नमूने सुरक्षित किए गए। इसी वजह से समिति यह निर्धारित नहीं कर सकी कि वहां वास्तव में कितनी नकदी थी।

सबूतों से छेड़छाड़ हुई

आग बुझने के बाद स्टोर रूम को तुरंत सील नहीं किया गया। सुरक्षा अधिकारी ने जस्टिस वर्मा के स्टाफ को वहां रात करीब 3 बजे सफाई करते देखा। सुबह तक जला हुआ सामान बाहर निकाल दिया गया और कमरा साफ कर दिया गया। वहां मिले नोट भी सुरक्षित नहीं किए गए और बाद में मिले भी नहीं। कमेटी ने माना कि इस तरह महत्वपूर्ण सबूत सुरक्षित नहीं रखे गए और उनसे छेड़छाड़ हुई।

जल्द आएगा जंतर-मंतर सीजन-2 : दीपके

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने बुधवार को छात्र आंदोलन की तर्ज पर एक और प्रदर्शन जल्द शुरू करने का ऐलान किया। उन्होंने इसे 'जंतर-मंतर सीजन 2' बताया। एक पब्लिक मीटिंग में दीपके ने कहा, इंस्टाग्राम पर कई लोग पूछ रहे थे कि 'जंतर-मंतर सीजन 2' कब शुरू होगा। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि 'जंतर-मंतर सीजन 2' बहुत जल्द शुरू होने वाला है। इसका मकसद देश भर के गांवों के स्कूलों को ठीक करना है जिन्हें इतने सालों से नजरअंदाज किया गया है। दीपके ने आरोप लगाया कि हमने आज दिल्ली में अपने वॉलेंटियर्स की बैठक रखी थी। हम एक हॉल की तलाश कर रहे थे, लेकिन कोई भी हमें हॉल किराए पर देने को तैयार नहीं था। सभी लोग कहते रहे कि ऊपर से दबाव है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी ने आखिरकार एक हॉल का इंतजाम कर लिया था। हालांकि, उनका आरोप है कि बैठक वाली सुबह हॉल मालिकों को धमकियां दी गईं कि अगर यहां सीजेपी की बैठक होने दी, तो उन्हें उल्टा लटका दिया जाएगा।

मुंबई के घाटकोपर में लैंडस्लाइड, 7 की मौत

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर के चिराग नगर इलाके में बुधवार सुबह लैंडस्लाइड हुआ। सुबह करीब 3.48 बजे गौसिया चाल में पहाड़ी से मिट्टी और मलबा खिसककर कई घरों पर जा गिरा। हादसे के समय लोग सो रहे थे। अब 7 लोगों की मौत हुई। 7 लोग घायल हुए हैं। बारिश को हादसे की वजह बताया जा रहा है। डीसीपी गणेश शिंदे के मुताबिक, 3-4 लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। हालांकि सटीक संख्या की अभी पुष्टि नहीं हुई है। मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े ने

घटनास्थल का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने मृतकों के परिवार को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया। वहीं, हादसे में घायल प्रत्येक व्यक्ति के इलाज के लिए 50 हजार रुपए देने की घोषणा की गई है। बीएमसी के अधिकारियों के मुताबिक, मलबे में दबे लोगों का पता लगाने के लिए रेस्क्यू टीम स्पेशल विक्टिम-डिटेक्शन कैमरों की मदद ले रही है। घटनास्थल तक पहुंचने का रास्ता 3 से 3.5 फीट चौड़ा है। संकरी गलियों के कारण भारी मशीनरी घटनास्थल तक नहीं पहुंच पा रही हैं। मलबा को पहले ब्रेकर की मदद से निकाला जा रहा है।

तेल से बनने वाले पनीर पर लगेगा प्रतिबंध

हर महीने हो रही है 900 टन की खपत

भोपाल (स्वतंत्र मत)

महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ की तर्ज पर अब मध्य प्रदेश में भी एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात रवाना होने से पहले बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर अधिकारियों की बैठक में एनालॉग पनीर पर रोक लगाने के स्पष्ट निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अन्य प्रदेशों की तरह मध्य प्रदेश में भी एनालॉग पनीर पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएगी। राज्य में प्राकृतिक रूप से दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा और प्राकृतिक तरीके से ही पनीर का निर्माण किया जाएगा। एनालॉग पनीर दिखने और इस्तेमाल में सामान्य पनीर जैसा होता है, लेकिन इसे पूरी तरह दूध से तैयार नहीं किया जाता। इसमें दूध की जगह या उसके साथ वनस्पति वसा/तेल और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी लागत सामान्य दूध से बने पनीर की तुलना में कम पड़ती है, इसलिए होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग कारोबार में इसके इस्तेमाल को लेकर चिंता जताई जा रही है। सबसे बड़ी

समस्या तब होती है जब इसे एनालॉग या नॉन-डेयरी उत्पाद के रूप में स्पष्ट जानकारी दिए बिना असली पनीर बताकर बेचा जाए। इससे उपभोक्ता को पता ही नहीं चलता कि वह दूध से बना पनीर खरीद रहा है या दूसरे पदार्थों से तैयार उत्पाद। एक अनुमान के मुताबिक मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर की रोजाना आवक और बिक्री लगभग 300 से 400 क्विंटल के आसपास है। इस हिसाब से प्रदेश में हर महीने लगभग 9,000 से 12,000 क्विंटल यानी 900 से 1,200 टन एनालॉग पनीर खप रहा है। बाजार में इतनी बड़ी मात्रा में इसकी बिक्री को देखते हुए सरकार ने अब इस पर सख्ती बरतने का निर्णय लिया है।

गुजरात से संबंधों को और प्रगाढ़ करेगा निवेश

मध्यप्रदेश के 5000 लोगों को गारमेंट सेक्टर में मिलेगा रोजगार

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुजरात के साथ मध्यप्रदेश के संबंधों को और प्रगाढ़ करते हुए अरविंद समूह द्वारा मध्यप्रदेश में भी अपनी इकाई स्थापित की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप पीएम मित्र पार्क में अगले वर्ष तक उत्पादन प्रारंभ करने का लक्ष्य है। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अरविंद समूह द्वारा 3 स्थानों पर अपनी इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। इनमें देवास के निकट बरलाई, धार स्थित पीएम मित्र पार्क और इंदौर का बेटमा शामिल हैं। कंपनी इन स्थानों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी कार्य कर रही है। इन औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से प्रदेश में युवाओं के लिये रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात बुधवार को गुजरात के अहमदाबाद में अरविंद लिमिटेड के वाइस चेयरमैन कुलीन लालभाई से चर्चा के बाद कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात और मध्यप्रदेश के बीच सहयोग से दोनों राज्यों के संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे। औद्योगिक निवेश से एक ओर जहां प्रदेश के युवाओं को

रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उद्योगों से प्राप्त होने वाले कर राजस्व से राज्य के विकास के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे। इससे प्रदेश के विकास को और गति मिलेगी। उन्होंने इस पहल के लिए अरविंद लिमिटेड को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मध्यप्रदेश में कंपनी के प्रस्तावित निवेश, पीएम मित्र पार्क में उद्योग की स्थापना, रोजगार सृजन, वस्त्र एवं परिधान (टेक्सटाइल) क्षेत्र में निवेश, औद्योगिक क्षेत्रों में जल के पुनः उपयोग तथा सिंहस्थ-2028 के लिए आधुनिक संचार व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

1200 करोड़ का निवेश प्रस्तावित

अरविंद लिमिटेड द्वारा पीएम मित्र पार्क में लगभग 1200 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। इसके लिए कंपनी को 105 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इंदौर में संचालित पेपकोन प्रायवेट लिमिटेड के साथ कंपनी के अनुबंध के तहत प्रतिवर्ष लगभग 70 लाख परिधानों का निर्माण किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीएम मित्र पार्क में उद्योग की स्थापना और निवेश प्रक्रिया को गति देने पर चर्चा की।

सिंहस्थ में आधुनिक संचार व्यवस्था

सिंहस्थ-2028 में मिशन-क्रिटिकल कम्युनिकेशन नेटवर्क के उपयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। अरविंद लिमिटेड एवं जेएम बक्सी समूह के संयुक्त उद्यम आर्य ऑम्निटॉक सॉल्यूशंस द्वारा मिशन-क्रिटिकल वायरलेस कम्युनिकेशन, वॉकी-टॉकी नेटवर्क, पीएमआरटी तथा सार्वजनिक सुरक्षा संचार समाधान उपलब्ध कराए जाते हैं। सिंहस्थ-2028 में पुलिस, सुरक्षा बल, आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं एवं आयोजन प्रबंधन के लिए इस प्रकार के मिशन-क्रिटिकल कम्युनिकेशन नेटवर्क के उपयोग की संभावनाओं पर विचार किया गया।

जेल में बंद हैं तो कल्याणकारी योजनाओं से नहीं किया जा सकता वंचित

कैदियों के जरूरी दस्तावेज बनवाने जेलों में लगेंगे विशेष कैंप, कलेक्टरों को हर माह देनी होगी रिपोर्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों और दोषसिद्ध बंदियों के लिए अहम निर्देश जारी करते हुए कहा है कि किसी व्यक्ति के विचाराधीन बंदी या दोषी होने मात्र से उसे अथवा उसके परिवार को नागरिक कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने प्रदेश के सभी जिलों में जेलों और संबंधित संस्थानों में विशेष कैंप लगाकर बंदियों के केव्हायसी अपडेट, आधार कार्ड, राशन कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि प्रत्येक जिले में कलेक्टर के माध्यम से ऐसे कैंप आयोजित कराए जाएं। इन कैंपों में बंदियों के जरूरी दस्तावेज और बायोमेट्रिक संबंधी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। कोर्ट ने व्यवस्था की निगरानी के लिए कलेक्टरों को प्रगति की मासिक रिपोर्ट मुख्य सचिव के माध्यम से प्रस्तुत करने को भी कहा है।

क्या है मामला

मामला सिंगरौली निवासी प्रहलाद प्रसाद विश्वकर्मा की अपील से सामने आया। प्रहलाद ने पॉक्सो एक्ट के मामले में 2 मई 2025 को सुनाई गई उम्रकैद की सजा को चुनौती देते हुए सजा निलंबित करने की मांग की थी। याचिका में उसने अपने बेटे के एम्स भोपाल में ब्लड कैंसर के उपचार और बैंक खाता संचालित करने के लिए अपने बायोमेट्रिक केवाईसी विवरण अपडेट कराने की आवश्यकता का हवाला दिया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट के सामने यह महत्वपूर्ण तथ्य आया कि जेलों में बंद कई आरोपियों और दोषसिद्ध व्यक्तियों के बायोमेट्रिक विवरण उपलब्ध या अपडेट नहीं होने के कारण उनके बैंक खाते संचालित नहीं हो पा रहे हैं। इसका सीधा असर उनके परिवारों पर पड़ रहा है। कई मामलों में परिवार बैंकिंग सुविधाओं का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी दिक्कत आ रही है। कोर्ट ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति का जेल में होना अपने आप में उसके नागरिक अधिकारों और उसके परिवार के कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े अधिकारों को खत्म नहीं करता। इसी समस्या के व्यापक समाधान के लिए अदालत ने पूरे प्रदेश में विशेष कैंप लगाने का निर्देश दिया।

परिवार पर न पड़े सजा का अतिरिक्त बोझ

अदालत के निर्देश के बाद अब जिला स्तर पर कलेक्टरों की जिम्मेदारी होगी कि जेलों और संबंधित संस्थानों में कैंप आयोजित कराकर बंदियों के आवश्यक दस्तावेज तैयार और अपडेट कराए जाएं। इन कैंपों की प्रगति की नियमित निगरानी भी की जाएगी। इस मामले का व्यापक पहलू यह है कि किसी व्यक्ति के जेल जाने का असर केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। बैंक खाता, आधार, राशन कार्ड और अन्य दस्तावेजों से जुड़ी प्रक्रिया अटकने पर उसके आश्रित परिवार को आर्थिक और प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कोर्ट के निर्देश का उद्देश्य इसी व्यावहारिक समस्या को दूर करना है, ताकि जेल में बंद व्यक्ति की स्थिति के कारण उसके परिवार को बुनियादी नागरिक सुविधाओं और सरकारी योजनाओं से अनावश्यक रूप से वंचित न होना पड़े। मामले में अपीलकर्ता की ओर से अधिवक्ता अनिवेश दुबे और राज्य सरकार की ओर से शासकीय अधिवक्ता अरविन्द सिंह ने पक्ष रखा।

जबलपुर होकर चलेगी नई अमृत भारत ट्रेन

सतना, कटनी, नरसिंहपुर, इटारसी समेत कई स्टेशनों पर ठहराव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पश्चिम मध्य रेलवे के यात्रियों के लिए बड़ी सुविधा सामने आई है। धनबाद से कोयंबटूर के बीच एक नई अमृत भारत एक्सप्रेस चलाने को रेलवे बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। यह ट्रेन सतना, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया और इटारसी होते हुए दक्षिण भारत तक जाएगी। ट्रेन के संचालन की अंतिम तारीख रेलवे जल्द घोषित करेगा। रेलवे बोर्ड के निदेशक कोचिंग संजय आर. नीलम ने 10 अगस्त को ट्रेन संचालन संबंधी आदेश जारी किया है। ट्रेन का प्राथमिक मेंटेनेंस धनबाद में किया जाएगा। 22363 धनबाद-कोयंबटूर अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार को धनबाद से शाम 4:10 बजे रवाना होगी और सोमवार शाम 6:30 बजे कोयंबटूर पहुंचेगी। वापसी में 22364 कोयंबटूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक मंगलवार को सुबह 7:50 बजे कोयंबटूर से चलेगी और गुरुवार दोपहर 1 बजे धनबाद पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर ठहराव- ट्रेन का ठहराव गोमो, पारसनाथ, हजारीबाग, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी आन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, डीडीयू, मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी, सतना, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, इटारसी, बैतूल, नागपुर, चंद्रपुर, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, मंचेरियाल, पेद्दापल्ली, वारंगल, महबूबाबाद, खम्मम, विजयवाड़ा, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर, रेणिगुंटा, तिरुत्तनी, काटपाडी, जोलारपेट्टई, सलेम, इरोड और तिरुप्पुर में होगा। नई ट्रेन के शुरू होने से मध्यप्रदेश के प्रमुख शहरों को झारखंड और दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं व्यापारिक क्षेत्रों से सीधी रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। खासतौर पर जबलपुर और आसपास के यात्रियों को दक्षिण भारत की ओर जाने के लिए एक और विकल्प उपलब्ध होगा।

सीपीसीटी की अनिवार्यता खत्म होने से सैकड़ों बिजली कर्मियों को मिलेगा लाभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अनुकंपा आश्रितों की नियमित नियुक्ति में सीपीसीटी की अनिवार्यता समाप्त करने के निर्णय का मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन ने स्वागत किया है। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि इस फैसले से बिजली कंपनियों में कार्यरत सैकड़ों संविदा अनुकंपा आश्रितों को नियमित नियुक्ति का रास्ता साफ होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि ऊर्जा विभाग की नई अनुकंपा नियुक्ति नीति में अभी कई विसंगतियां हैं, जिन्हें दूर किया जाना जरूरी है। फेडरेशन के राकेश पाठक, यूके पाठक, लक्ष्मण सिंह राजपूत, एनके यादव, दिनेश दुबे, उमाशंकर मेहता, अनूप वर्मा, मदन वर्मा, आदि ने ऊर्जा मंत्री, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा, ऊर्जा सचिव और सभी बिजली कंपनियों के सीएमडी से नीति में आवश्यक संशोधन करने का आग्रह किया है।

उद्योगों की कई समस्याएं शासन स्तर पर विचाराधीन, शीघ्र निर्णय की संभावना: फेडरेशन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गत दिवस भोपाल में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के प्रबंध निदेशक चंद्रमौली शुक्ला से फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के अध्यक्ष हिमांशु खरे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की तथा प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्रों एवं उद्यमियों से जुड़े अनेकों मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक विशाल चौहान भी उपस्थित रहे तथा प्रतिनिधिमंडल के साथ औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। फेडरेशन के अध्यक्ष हिमांशु खरे ने कहा कि प्रदेश का उद्योग एवं व्यापार जगत शासन से सरल, स्पष्ट और व्यावहारिक नियम एवं प्रक्रियाएं चाहता है। नियमों का सरलीकरण होने से उद्यमी अपना अधिक समय उत्पादन, निवेश, रोजगार सृजन, नवाचार एवं बाजार विस्तार में लगा सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज प्रतिस्पर्धा का दौर है। प्रदेश के उद्योगों को देश

के अन्य राज्यों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी प्रतिस्पर्धा करना है। इसके लिए कम से कम प्रक्रियात्मक बाधाएं, त्वरित अनुमतियां और बेहतर कारोबारी वातावरण अत्यंत आवश्यक हैं। फेडरेशन इसी उद्देश्य से शासन और उद्योग जगत के बीच निरंतर संवाद का माध्यम बनकर कार्य कर रहा है। फेडरेशन केप्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष जयदेव ताम्रकार, सी. बी. मालपानी, अशोक आनंद, राजीव जैन, सचिव प्रवीण आचार्य, सहसचिव डॉ. सुरेंद्र सिंह एवं राजेश हिरवे उपस्थित थे।

पता पूछकर युवक पर किया चाकू से जानलेवा हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कुंडम थाना क्षेत्रातंर्गत सुनावल पेट्रोल पंप के आगे केमा बाबा के सामने बीती रात कुछ बदमाशों ने एक युवक से पता पूछा और उसके बाद उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। जिससे युवक के दाहिने पैर की जांघ और पीठ में गंभीर चोट आई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर हमलावरों की पतासाजी शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि बघराजी निवासी 26 वर्षीय मोहित पटेल शराब दुकान में काम करता है। बीती रात करीब साढ़े नौ बजे सुनावल पेट्रोल पंप के पास उस पर चाकू से हमला कर दिया।

765 छात्राओं ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के तहत आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

शहपुरा (स्वतंत्र मत)। 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के अंतर्गत मंगलवार को शासकीय कन्या शाला शहपुरा में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की 765 छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और नशे से दूर रहने की सामूहिक प्रतिज्ञा ली। कार्यक्रम में उषा दीदी जी ने छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नुकसान नहीं

पहुंचाता, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से हमेशा दूर रहें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी को नशे जैसी सामाजिक बुराई से बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। विद्यार्थी जागरूक होंगे तो परिवार जागरूक होगा और परिवारों के जागरूक होने से समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है। इस अवसर पर छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने हाथ उठाकर नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर में सामूहिक प्रतिज्ञा के दौरान नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश गूंजा। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को यह संदेश दिया गया कि नशे से दूरी ही स्वस्थ और बेहतर भविष्य की पहली सीढ़ी है। साथ ही छात्राओं को अपने आसपास के लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

हितकारिणी हा. से. स्कूल में छात्र परिषद गठन की चुनाव प्रक्रिया का संपादन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल गोविंदगंज में सत्र 2026-27 के लिए छात्र परिषद गठन की चुनाव प्रक्रिया का संपादन किया गया। विभिन्न पदों पर प्रतिभागियों के चयन हेतु मतदान प्रक्रिया का आयोजन शाला में किया गया। जिसमें प्रतिभागी उम्मीदवार द्वारा अपने सहपाठियों के मध्य कैंपेनिंग कर अपने पक्ष में मतदान करने के लिए निवेदन किया गया। उम्मीदवारों द्वारा विद्यालय में अनुशासन, स्वच्छता और सकारात्मक वातावरण बनाए रखने एवं आगामी सांस्कृतिक, खेलकूद व शैक्षणिक आयोजनों के सफल संचालन में सहयोग करने का आश्वासन कैंपेनिंग में दिया गया। मतदान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में शाला की प्राचार्य श्रीमती ज्योत्सना दीक्षित, उपप्राचार्य सारिका मिश्रा, शिक्षिका रतन मिश्रा, पूनम पटेल, कंचन

बिलैया, प्रज्ञा शर्मा, प्रिया शुक्ला, सुरभी सिंह फौजदार, माही पांडे, मोहित अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों के नाम

हेड बाय के लिए उम्मीदवार- शिवम मौर्य, अर्थव शुक्ला, आदित्य अहिरवार, आयुष पटेल।

हेड गर्ल के लिए उम्मीदवार- अनीता पटेल, अंबिका रैकवार, खुशबू चौधरी, माही कश्यप।

अनुशासन समिति के लिए उम्मीदवार - सानिध्य साहू, वरुण लोधी, वेदांश विश्वकर्मा, स्नेहा और सोनम विश्वकर्मा।

खेल प्रभारी के लिए उम्मीदवार-आदर्श सिंह, अनुज साहू, कुणाल विश्वकर्मा, अंश साहू और दर्शिता।

सांस्कृतिक प्रभारी के लिए उम्मीदवार- अनुज सोनकर, राजीव कबीर, खुशबू चौधरी, माही।

साढ़े पांच लाख के गांजे के साथ युवक-युवती पकड़ाए

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। क्राईम ब्रांच की टीम ने बरगी बायपास नेचर ढाबा के सामने से एक युवक व युवती को गांजे की खेप के साथ पकड़ा है। पुलिस ने आरोपी युगल जोड़े के पास से 11 किलो 184 ग्राम गांजा कीमती पाच लाख 60 हजार रुपये का बरामद किया है। पुलिस आरोपियों से गांजे के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर क्राईम ब्रांच की टीम ने बरगी पुलिस के साथ मिलकर बायपास नेचर ढाबा के समीप दबिश दी। जहां एक युवक व युवती पिट्ठू बैग लिये खड़े हुए थे। जिन्हें पुलिस ने घेराबंदी कर हिरासत में लिया। पूछताछ में युवती ने अपना नाम संध्या सरोते उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम बिक्रमपुर रैयत थाना शाहपुर जिला डिण्डोरी वर्तमान पता गणेश मंदिर के पास गोरखपुर एवं हिमांशु बाविरया उम्र 22 वर्ष निवासी जायसवाल मोहल्ला गोरखपुर वर्तमान पता सैनिक सोसायटी शक्तिनगर गढ़ा बताया। पुलिस ने आरोपी हिमांशु व संध्या के पास मिले बैग से तीन तीन पैकेट गांजे के बरामद किये। जो कि तौल करने पर कुल 11 किलो 184 ग्राम गांजा कीमती लगभग 5 लाख 59 हजार 200 रूपये का होना पाया गया। इसके साथ ही पुलिस ने बैग में रखे 2 कम्बल तथा 1 मोबाइल भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए गांजे के संबंध में पूछताछ शुरु कर दी है।

युवा शक्ति को सनातन संस्कारों से जोड़ने का संकल्प बनी संकीर्तन यात्रा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी जबलपुर में श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल जाबालीपुरम के तत्वावधान में श्रावणमास अनुष्ठान श्रृंखला के तेरहवें दिवस संकीर्तनाचार्य पं.मनमोहन दुबे के सानिध्य में श्रीमती रेखा-पवन पांडे, अध्यक्ष समरसता सेवा संगठन के सुजीपुरा स्थित निवास पर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ भव्य हरिनाम संकीर्तन संपन्न हुआ। संकीर्तन में झूल रहे रे पलना, यशोदा के प्यारे ललना जैसे भजनों पर श्रद्धालुगण भाव-विभोर होकर झूम उठे और प्रभु का गुणगान किया। संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया कि विगत 10 वर्षों से यह आध्यात्मिक यात्रा पूरे श्रावणमास संस्कारधानी में निरंतर चल रही है। इसका उद्देश्य युवाओं को सनातन संस्कृति, भारतीय परंपराओं एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ना तथा उनके जीवन में संस्कार, सेवा, सदाचार और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी हमारी संस्कृति की धरोहर ही नहीं, बल्कि उसके उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। हरिनाम संकीर्तन युवाओं

को अपनी जड़ों से जोड़कर जीवन में आध्यात्मिक ऊर्जा और संस्कार प्रदान करता है। अगले क्रम में दिनांक 13 अगस्त 2026 को पं. शैलेंद्र तिवारी के सौजन्य से मां बालाजी दुर्गा मंदिर में प्रात: 8:30 बजे हरिनाम संकीर्तन आयोजित होगा। इस अवसर पर पं.देवेंद्र त्रिपाठी, रेखा-प्रवीण, पूजा, यशी पाण्डे, अजय गुप्ता, मोहनी चौबे, मीरा सोनी, पिंकी गुप्ता, मीना पटेल, प्रभाकर चतुर्वेदी, सत्यप्रकाश नामदेव, सुरेन्द्र गिरी, पप्पू चौबे, अमित विश्नोई, रज्जू सोनी, शंकर नामदेव, मोनी विश्वकर्मा, अनिल सुहाने, विशाल पंड्या, अतुल पटेल, सत्यप्रकाश सराफ, देवेंद्र नेमा सहित अनेक भगवद् भक्तवृन्द उपस्थित रहे।

एजेंसी डिबार व उनके प्रबंध निदेशक के विरुद्ध दर्ज हुई एफआईआर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा है कि क्षतिग्रस्त शहपुरा रेलवे ओवर ब्रिज के एप्रोच का स्थायी पुनर्निर्माण पूरी तकनीकी गंभीरता और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाए। पुनर्निर्माण में संरचनात्मक सुरक्षा, निर्माण की गुणवत्ता और दीर्घकालीन स्थायित्व सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्य के प्रत्येक चरण में निर्धारित मापदंडों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए और पुनर्निर्माण कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। मंत्री श्री सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पुनर्निर्माण कार्य पूर्ण होने तक नागरिकों एवं यातायात के सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित आवागमन के लिए निर्धारित किए गए तीनों वैकल्पिक मार्ग पूरी तरह आवागमन योग्य बने रहें। इन मार्गों सतत रख-रखाव एवं आवश्यक मरम्मत, संकेतक, बैरिकेडिंग और अन्य आवश्यक यातायात सुरक्षा उपायों के प्रबंधों में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। मंत्री श्री सिंह ने भोपाल स्थित निवास कार्यालय पर शहपुरा (जबलपुर) रेलवे ओवर ब्रिज के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में रेलवे ओवर ब्रिज के क्षतिग्रस्त एप्रोच के पुनर्निर्माण की प्रगति, अब तक किए गए सुरक्षा उपायों, वैकल्पिक यातायात व्यवस्था, तकनीकी परीक्षणों और प्रस्तावित स्थायी समाधान की विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से मंत्री श्री सिंह

को वर्तमान स्थिति और विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई से अवगत कराया। मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए कि तकनीकी परीक्षणों और विशेषज्ञ सुझावों के आधार पर स्थायी समाधान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जाए। पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में सुरक्षा और गुणवत्ता संबंधी प्रत्येक पहलू का विशेष ध्यान रखा जाए तथा कार्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। शहपुरा रेलवे ओवर ब्रिज के एप्रोच के क्षतिग्रस्त होने के कारण आसपास के मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ा है। इसे देखते हुए नागरिकों और भारी वाहनों के आवागमन के लिए तीन वैकल्पिक शहपुरा-कृषि उपज मंडी-रेलवे लेवल क्रॉसिंग मार्ग, जबलपुर-पाटन-शहपुरा और सहजपुर-किसरोद-टिपराह-नोनी-घुनसौर मार्ग निर्धारित किए गए हैं। मंत्री श्री सिंह ने इन मार्गों पर आवश्यक सुधार एवं सुरक्षा संबंधी कार्य प्राथमिकता से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की 250 मेगावाट इकाई ने लगातार 100 दिन संचालन का बनाया रिकॉर्ड

99.91 प्रतिशत पीएएफ और 89.31 प्रतिशत पीएलएफ के साथ हासिल की उल्लेखनीय परिचालन दक्षता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी की 250 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट नंबर-11 ने 2 मई 2026 से लगातार 100 दिनों तक निर्बाध संचालन का महत्वपूर्ण कीर्तिमान स्थापित किया है। यह यूनिट पिछले पांच वर्षों से लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। इस यूनिट ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 202 दिन, वर्ष 2024-25 में 235 व वर्ष 2025-26 में 138 दिनों तक लगातार विद्युत उत्पादन करने का रिकार्ड बनाया है। यूनिट के इस उल्लेखनीय प्रदर्शन पर पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने सतपुड़ा ताप विद्युत गृह के मुख्य अभियंता एस.के. लिल्होरे और उनकी पूरी टीम को प्रशंसा पत्र जारी कर बधाई दी गई है। 99.91 प्रतिशत प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर- सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर-11 का लगातार 100 दिनों तक संचालन संयंत्र की उत्कृष्ट परिचालन विश्वसनीयता और दक्षता को प्रदर्शित करता है। इस अवधि में इकाई ने 99.91 प्रतिशत प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर तथा 89.31 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर दर्ज किया। साथ ही इकाई का ऑक्जिलरी पावर कंजम्पशन 8.25 प्रतिशत रहा।

परिचालन उत्कृष्टता के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता

यह प्रदर्शन मानक सतपुड़ा ताप विद्युत गृह में कार्यरत परिचालन, अनुरक्षण एवं सहयोगी टीमों के समर्पित प्रयास, तकनीकी दक्षता और प्रभावी समन्वय का प्रमाण हैं। लगातार 100 दिनों का यह संचालन स्टेशन की परिचालन उत्कृष्टता के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है और मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के लिए गौरव का विषय है। प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने पूरी टीम को उनके सतत् समर्पण और व्यावसायिक दक्षता के लिए हार्दिक बधाई देते हुए भविष्य में भी विश्वसनीयता, दक्षता और बेहतर प्रदर्शन के उच्च मानकों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रदेश में विद्युत क्षेत्र के व्यापक हित में महत्वपूर्ण योगदान देता है। ताप विद्युत उत्पादन की विश्वसनीयता-सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की इकाई क्रमांक-11 का यह प्रदर्शन प्रदेश की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में ताप विद्युत उत्पादन की विश्वसनीयता को मजबूत करने के साथ-साथ पावर जनरेटिंग कंपनी की परिचालन क्षमता और तकनीकी दक्षता को भी रेखांकित करता है।

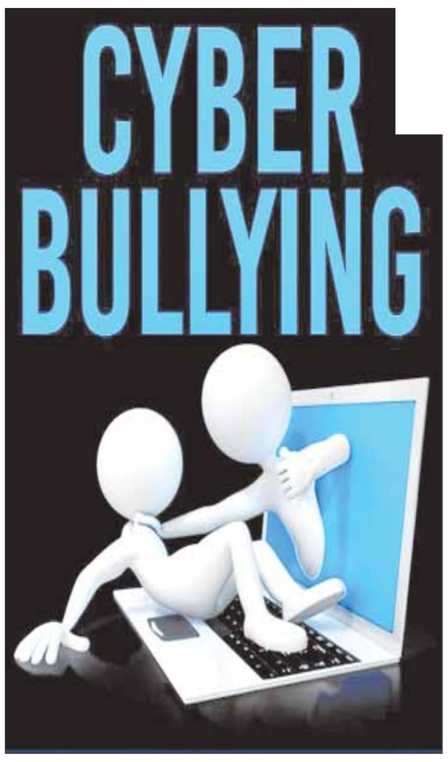

साइबर बुलिंग और युवा

आज का युग डिजिटल तकनीक का युग है। इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया ने जीवन को आसान और सुविधाजनक बनाया है। युवा वर्ग इन माध्यमों का सबसे अधिक उपयोग करता है। हालांकि तकनीक के अनेक लाभ हैं, लेकिन इसके गलत इस्तेमाल से साइबर बुलिंग जैसी गंभीर समस्या भी सामने आई है। बच्चों और युवाओं पर इसका प्रभाव विशेष रूप से चिंता का विषय है।

क्या है साइबर बुलिंग?

इंटरनेट, सोशल मीडिया, ई-मेल, मैसेज या अन्य डिजिटल माध्यमों से किसी व्यक्ति को डराना, अपमानित करना, धमकाना या मानसिक रूप से परेशान करना साइबर बुलिंग कहलाता है। झूठी अफवाह फैलाना, आपत्तिजनक टिप्पणी करना, निजी तस्वीरें या जानकारी बिना अनुमति साझा करना और फर्जी अकाउंट बनाकर किसी को बदनाम करना इसके प्रमुख रूप हैं।

युवाओं पर पड़ता है मानसिक प्रभाव

साइबर बुलिंग का सबसे अधिक प्रभाव बच्चों और युवाओं पर पड़ सकता है। लगातार ऑनलाइन परेशान किए जाने से आत्मविश्वास कम हो सकता है, तनाव बढ़ सकता है और पढ़ाई तथा सामाजिक जीवन प्रभावित हो सकता है। कई बार पीड़ित व्यक्ति अकेलापन, भय और मानसिक परेशानी भी महसूस करता है। इसलिए साइबर बुलिंग को मजाक समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अपनी डिजिटल सुरक्षा मजबूत करें

युवाओं को पासवर्ड, निजी तस्वीरों और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखना चाहिए। संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें और सोशल मीडिया की प्राइवेसी सेटिंग्स का सही उपयोग करें। ऑनलाइन परेशान करने वाले व्यक्ति को ब्लॉक करके संदेशों और अन्य साक्ष्यों को सुरक्षित रखना चाहिए। जरूरत पड़ने पर संबंधित प्लेटफॉर्म या पुलिस में शिकायत की जा सकती है।

स्कूल और अभिभावकों की भी भूमिका

विद्यालयों को विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा और डिजिटल नैतिकता के प्रति जागरूक करना चाहिए। अभिभावकों को बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर सकारात्मक नजर रखते हुए उनसे खुलकर संवाद करना चाहिए। डराने या रोकने के बजाय बच्चों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के बारे में समझाना अधिक प्रभावी है।

जागरूक युवा, सुरक्षित डिजिटल समाज

साइबर बुलिंग रोकने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं। युवाओं को जिम्मेदार और संवेदनशील डिजिटल नागरिक बनना होगा। न हम साइबर बुलिंग करेंगे और न किसी को इसका शिकार बनने देंगे यही संकल्प सुरक्षित और सकारात्मक डिजिटल समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

सुरभि सिंह फौजदार

शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, दमोह नाका, जबलपुर।

नैनो टेक्नोलॉजी
छोटी दुनिया, बड़े बदलाव

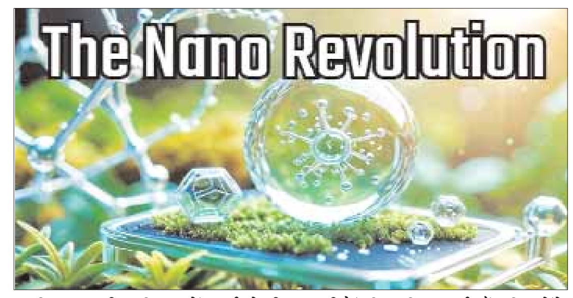

विज्ञान की दुनिया में कई ऐसी तकनीकें विकसित हुई हैं, जिन्होंने हमारी जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया है। इन्हीं में से एक है नैनो टेक्नोलॉजी। 'नैनो' शब्द ग्रीक भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ है बहुत छोटा। एक नैनोमीटर एक मीटर का एक अरबवां हिस्सा होता है। इतनी सूक्ष्म दुनिया में पदार्थों के गुण सामान्य आकार से अलग हो सकते हैं। वैज्ञानिक इन्हीं विशेष गुणों का उपयोग नई तकनीकों और उत्पादों को विकसित करने में कर रहे हैं।

नैनोमीटर कितना छोटा होता है?

एक नैनोमीटर इतना छोटा होता है कि सामान्य आंखों से इसे देखना संभव नहीं है। तुलना करें तो एक मानव बाल की मोटाई लगभग 50 हजार से 1 लाख नैनोमीटर तक हो सकती है। वैज्ञानिक जब पदार्थों को नैनो स्तर पर नियंत्रित करते हैं, तो उनकी मजबूती, विद्युत चालकता, प्रकाश के साथ व्यवहार और रासायनिक सक्रियता जैसे गुणों में बदलाव आ सकता है।

चिकित्सा में नई उम्मीद

नैनो टेक्नोलॉजी का सबसे महत्वपूर्ण उपयोग चिकित्सा क्षेत्र में देखा जा रहा है। वैज्ञानिक ऐसी नैनो दवाओं पर काम कर रहे हैं, जो दवा को शरीर के किसी खास हिस्से तक पहुंचाने में मदद कर सकती हैं। इससे भविष्य में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार में दवाओं को अधिक लक्षित तरीके से पहुंचाने की संभावना बढ़ सकती है। नैनो तकनीक का उपयोग मेडिकल इमेजिंग, जांच और संक्रमण की पहचान में भी किया जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स को बना रही है छोटा और तेज

मोबाइल फोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में लगातार छोटे और अधिक शक्तिशाली घटकों की जरूरत होती है। नैनो स्तर की तकनीक ने छोटे आकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और उन्नत सेंसरों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भविष्य में इससे और अधिक शक्तिशाली, कम ऊर्जा खपत वाले तथा छोटे उपकरण विकसित किए जा सकते हैं।

पर्यावरण और कृषि के लिए उपयोगी

नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल पानी को शुद्ध करने, प्रदूषकों को हटाने और पर्यावरणीय निगरानी में भी किया जा रहा है। नैनो पदार्थ पानी में मौजूद हानिकारक तत्वों को हटाने में मदद कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र भी नैनो उर्वरक, नैनो आधारित कृषि उत्पादों के जरिए पोषक तत्वों को पौधों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर शोध किया जा रहा है। इससे कम मात्रा में संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने की संभावना है।

मुश्किलों में भी डटे रहें, हिम्मत कभी न हारें

जीवन में कठिनाइयों का आना स्वाभाविक है। हर व्यक्ति को कभी आर्थिक संकट, कभी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी तो कभी पढ़ाई या नौकरी की चुनौती का सामना करना पड़ता है। ऐसे समय में जो व्यक्ति अपना साहस और आत्मविश्वास बनाए रखता है, वही अंततः सफलता की ओर बढ़ता है। इसलिए कहा जाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

साहस देता है आगे बढ़ने की शक्ति

जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है। इसमें सुख-दुख, सफलता-असफलता और हंसी-आंसू साथ-साथ चलते हैं। मुश्किल समय व्यक्ति की वास्तविक परीक्षा लेता है। कुछ लोग परिस्थितियों से घबराकर हार मान लेते हैं, जबकि साहसी लोग धैर्य और आत्मविश्वास के साथ उनका सामना करते हैं। यही साहस उन्हें आगे चलकर सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाता है।

महान व्यक्तियों से सीख

इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं छोड़ी। महात्मा गांधी ने अनेक विरोधों के बावजूद सत्य और अहिंसा का मार्ग नहीं छोड़ा। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कठिन परिस्थितियों के बीच अपने सपनों को साकार किया और देश के महान वैज्ञानिक तथा राष्ट्रपति बने। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिनाइयां सफलता की राह की परीक्षा हैं, हार मानने का कारण नहीं।

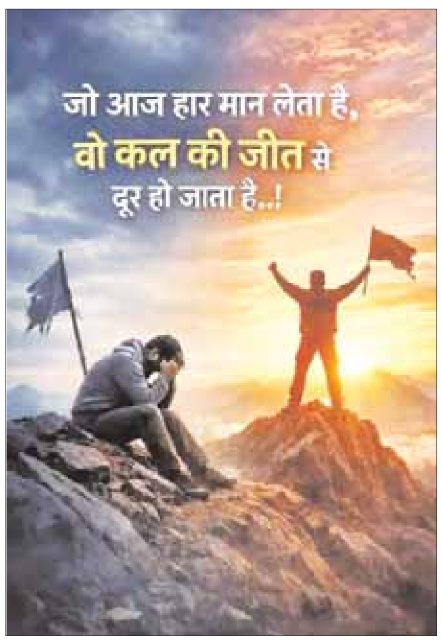

विद्यार्थियों के लिए जरूरी है धैर्य

विद्यार्थी जीवन में कम अंक आना, परीक्षा में असफल होना या किसी विषय को कठिन पाना सामान्य है। ऐसी स्थिति में पढ़ाई छोड़ने के बजाय अपनी गलतियों से सीखना और मेहनत बढ़ाना चाहिए। असफलता हमें अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन्हें सुधारने का अवसर देती है।

मुश्किलें बनाती हैं मजबूत

कठिन समय हमें धैर्य, आत्मविश्वास और समस्याओं से लड़ने की क्षमता सिखाता है। जो व्यक्ति हर चुनौती का सामना सकारात्मक सोच के साथ करता है, वह मानसिक रूप से मजबूत बनता है।

संकल्प ही सफलता की कुंजी

मुश्किलें स्थायी नहीं होतीं। समय के साथ परिस्थितियां बदलती हैं। इसलिए हमें निराश होकर हार नहीं माननी चाहिए। दृढ़ संकल्प, निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने वाला व्यक्ति एक दिन अवश्य सफल होता है। सच ही कहा गया है, हिम्मत करने वालों की कभी हार नहीं होती।

शिवानी ठाकुर

शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकडमी, देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

पेंसिल की लिखावट रबर से कैसे मिटती है?

पेंसिल से लिखना हम सभी के लिए सामान्य बात है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि रबर पेंसिल की लिखावट को कैसे मिटा देता है? इसके पीछे घर्षण और पदार्थों के गुणों का विज्ञान काम करता है।

पेंसिल की नोक में मुख्य रूप से ग्रेफाइट और मिट्टी का मिश्रण होता है। जब पेंसिल को कागज पर चलाया जाता है, तो घर्षण के कारण ग्रेफाइट के बहुत छोटे कण कागज की सतह और उसके सूक्ष्म रेशों पर चिपक जाते हैं। यही कण हमें लिखावट के रूप में दिखाई देते हैं। जब रबर को लिखावट पर रगड़ा जाता है, तो रबर और कागज के बीच घर्षण पैदा होता है। रबर के छोटे-छोटे कण ग्रेफाइट को अपनी सतह पर पकड़ लेते हैं और उसे कागज से अलग कर देते हैं। इसी प्रक्रिया में रबर भी थोड़ा घिसता है। इसलिए रबर पर काले निशान दिखाई देने लगते हैं।

डिजिटल दुनिया का मायाजाल

आज हर सुबह आंख खुलते ही स्मार्टफोन पर नोटिफिकेशन देखना हमारी आदत बन चुकी है। बैंकिंग, पढ़ाई, खरीदारी और निजी यादों तक हमारा जीवन इंटरनेट से जुड़ गया है। डिजिटल सुविधाओं ने जीवन आसान बनाया है, लेकिन इनके साथ साइबर अपराध का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में सवाल यह नहीं कि साइबर फ्रॉड हो सकता है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हम उससे बचने के लिए तैयार हैं?

अपराधियों के नए हथकंडे

साइबर अपराधी कभी लॉटरी जीतने का लालच देते हैं तो कभी बिजली कनेक्शन कटने या बैंक खाता बंद होने का डर दिखाते हैं। फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर वीडियो कॉल करना, डीपफेक वीडियो और डिजिटल अरेस्ट जैसे तरीके भी सामने आ रहे हैं। जल्दबाजी और डर का फायदा उठाकर लोगों से पैसे या निजी जानकारी हासिल की जाती है।

डिजिटल सुरक्षा के पांच नियम

1. हर खाते के लिए अलग और मजबूत पासवर्ड रखें तथा टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन सक्रिय करें।
2. अनजान व्यक्ति के कहने पर पैसे ट्रांसफर न करें और किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।
3. फोन, कंप्यूटर और ऐप्स को समय पर अपडेट करें, क्योंकि इनमें सुरक्षा सुधार शामिल होते हैं।
4. जन्मतिथि, पता, फोन नंबर और अन्य संवेदनशील जानकारी सोशल मीडिया पर सार्वजनिक न करें।
5. ऐप हमेशा विश्वसनीय और आधिकारिक स्टोर से ही डाउनलोड करें।

बच्चों और बुजुर्गों पर विशेष ध्यान

बच्चों को साइबर बुलिंग, गेमिंग फ्रॉड और अनजान लोगों से ऑनलाइन संपर्क के खतरों के बारे में समझाना जरूरी है। अभिभावक स्क्रीन टाइम और सुरक्षा सेटिंग्स पर नजर रखें।

बुजुर्गों को विशेष रूप से ओटीपी, एटीएम पिन और पासवर्ड साझा न करने की जानकारी दें।

मोहित सक्सेना

शिक्षक
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

शब्द पहेली - 8948

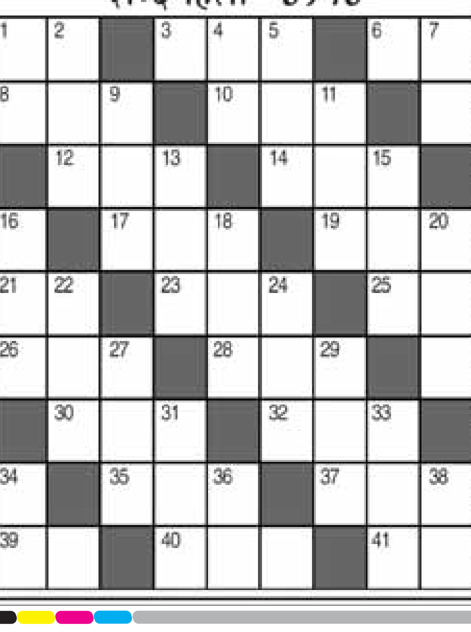

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,भगवान-2
3.सुंदर,खूबसूरत-3
6.सलाह,मत-2
8.स्नान करना-3
10.वध करना-3
12.निर्माण-3
14.रूई का पौधा-3
17.आरोग्य-3
19.अंजाम देना-3
21.कत्ल,हत्या-2
23.नौकरानी-3
25.गाने का ढंग, शैली-2
26.मुलायम-3
28.एक गहरा व बड़ा बर्तन-3
30.तृतीय, दूसरे के बाद-3
32.सेनापति, अगुवा-3
35.भीरु,डरपोक-3
37.कथा,गाथा-3
39.वध,मर्डर-2
40.राहु का एक पुत्र-3
41.एक विदेशी शराब

ऊपर से नीचे

1.क्रिकेट में बनते हैं-2
2.बसंत का समय-3
4.हद,सरहद-2
5.स्वर्ग का विलोम-3
7.यमराज,मृत्यु देवता-2
9.नृत्य करना-3
11.अपवित्र-3
13.असफल-3
15.सहज, आसान-3
16.श्रावण, आषाढ़ के बाद का महीना-3
18.आराम, मदद, चैन-3
20.मुखिया, सरदार-3
22.भूमि, वसुंधरा-3
24.क्रुद्ध, खफा होना-3
27.मक्खन-3
29.योग्य, काबिल, गुणवान-3
31.दही का एक भोज्य पदार्थ-3
33.एक जाती जो प्रायः डोली ढोने, पानी भरने आदि के काम करती है-3
34.रास्ता, मार्ग-2
36.एक अंग्रेजी शराब-2
38.एक औषधीयुक्त पेड़-2

शब्द पहेली -8947 का हल

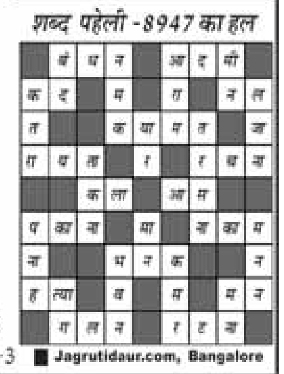

Jagrutidaur.com, Bangalore

डेढ़ माह में 10 मासूमों की मौत, 2100 की स्क्रीनिंग में 170 मलेरिया पॉजिटिव

बैगा आदिवासी गांव में मलेरिया, टायफाइड, डायरिया और त्वचा संबंधी बिमारियों का प्रकोप

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के दूरस्थ बैगा आदिवासी अंचल में मानसून की बारिश के साथ मौसमी और संक्रामक बीमारियों ने चिंता बढ़ा दी है। जून के अंतिम सप्ताह से शुरू हुआ बीमारी का प्रकोप अब कई गांवों तक फैल चुका है। मछुरदा, अडोरी, गठिया, बोंदारी, कोरका, कोहनीमोर और कुंडेकसा समेत बैगा बाहुल्य क्षेत्रों में मलेरिया, टायफाइड, डायरिया और त्वचा संबंधी बीमारियों के मरीज लगातार सामने आ रहे हैं। सबसे गंभीर स्थिति बच्चों को लेकर बनी हुई है। क्षेत्र में बीते करीब डेढ़ महीने के दौरान बीमारी से 10 मासूम बच्चों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। लगातार हो रही मौतों के बाद स्वास्थ्य विभाग में भी हड़कंप की स्थिति है और विभागीय अमला प्रभावित गांवों में पहुंचकर जांच एवं उपचार में जुटा हुआ है। मानसून के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में जलभराव और मच्छरों की संख्या बढ़ने के साथ मलेरिया के मामलों में भी वृद्धि हुई है। बैगा आदिवासी अंचल के कई गांवों में बुखार, उल्टी-दस्त और कमजोरी की शिकायत लेकर ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंच रहे हैं। मछुरदा, अडोरी, गठिया, बोंदारी, कोरका, कोहनीमोर और कुंडेकसा में बीमारी के मामले अधिक सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। इन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा चिंता बच्चों की बिगड़ती सेहत को लेकर है। कई बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बैहर और बालाघाट के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब तक 96 बच्चों को गंभीर स्थिति में सिविल अस्पताल बैहर एवं जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद 51 बच्चों की हालत में सुधार होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है, जबकि 45 बच्चों का इलाज अभी भी जारी है।

2100 मरीजों की जांच, 170 मलेरिया पॉजिटिव

स्वास्थ्य विभाग द्वारा 17 जुलाई से लगातार प्रभावित क्षेत्रों में स्क्रीनिंग अभियान चलाया जा रहा है। अब तक करीब 2100 मरीजों की जांच की जा चुकी है। जांच के दौरान लगभग 170 मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हुई है। इसके अलावा टायफाइड, डायरिया और त्वचा संबंधी बीमारियों के मरीज भी सामने आ रहे हैं। मलेरिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य अमला गांव-गांव जाकर लोगों की जांच कर रहा है।

कुंडेकसा में स्कूल बना अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र

प्रभावित गांवों में कुंडेकसा की स्थिति को विशेष रूप से चिंताजनक माना जा रहा है। यहां मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए गांव के सरकारी स्कूल में ही अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र शुरू किया गया है। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम यहां लगातार मरीजों की स्क्रीनिंग, जांच और उपचार कर रही है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग का दावा हालात नियंत्रण में

लगातार बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और फिलहाल हालात नियंत्रण में हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में लगातार भ्रमण कर रही हैं। स्वास्थ्य अमले द्वारा ग्रामीणों को मच्छरों से बचाव, स्वच्छ पानी के उपयोग और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने की सलाह दी जा रही है। हालांकि, 10 बच्चों की मौत और 170 मलेरिया पॉजिटिव मरीजों के आंकड़े ने बैगा अंचल में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और बीमारी की रोकथाम को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब निगाहें इस बात पर हैं कि स्वास्थ्य विभाग की लगातार चल रही जांच और उपचार व्यवस्था से प्रभावित गांवों में बीमारी के प्रकोप पर कितनी जल्दी नियंत्रण पाया जा सकेगा।

कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य विभाग की बैठक गांव-गांव डोर-टू-डोर मॉनिटरिंग के निर्देश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

कलेक्टर कुमार सत्यम ने 12 अगस्त बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की बैठक लेकर बिरसा एवं बैहर क्षेत्र में हाल ही में बीमार हुए बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में कुंडेकसा सहित बोंदारी और कोरका गांवों में बीमार बच्चों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि बिरसा क्षेत्र की 20 गांवों की 5 ग्राम पंचायतों तथा बैहर क्षेत्र की 20 गांवों की 4 ग्राम पंचायतों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कड़ी निगरानी रखी जाए। प्रत्येक गांव में बीमार बच्चों की पहचान, स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी गांव का एक भी बच्चा स्वास्थ्य निगरानी से नहीं छूटना चाहिए। कलेक्टर कुमार सत्यम ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि बिरसा और बैहर के चिन्हित 40 गांवों में स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी अमले की ड्यूटी लगाई जाए। प्रत्येक गांव में सेक्टर सुपरवाइजर, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, सहायिका और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। वहीं प्रत्येक दो गांवों के लिए एक मेडिकल ऑफिसर की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए। इसके तहत कुल 40 एएनएम, 40 आशा कार्यकर्ता, 40 सहायिका तथा 20 मेडिकल ऑफिसर की ड्यूटी सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही एक-एक ईएमयू और एम्बुलेंस की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक गांव में घर-घर जाकर बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली जाए। बच्चों में बीमारी के लक्षण पाए जाने पर तत्काल स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के साथ महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पंचायत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी गांवों में उपस्थित रहकर निगरानी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सत्यम ने आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बीसापुर में वार्डवासियों ने खुद की सड़क और नाली की सफाई

कटंगी(स्वतंत्र मत)। जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायत बीसापुर के वार्ड क्रमांक 13 और 14 में गंदगी से परेशान होकर वार्डवासियों ने मोर्चा संभाल लिया। कई बार शिकायत के बाद भी पंचायत द्वारा सफाई न होने पर स्थानीय रहवासियों ने स्वयं सड़क और नालियों की सफाई की। वार्ड में पिछले कई दिनों से नालियां कचरे से जाम थीं और सड़कों पर गंदगी के ढेर लगे थे। इससे पूरे क्षेत्र में बदबू के साथ मच्छर और कीड़े बढ़ गए थे। संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा बढ़ गया था। इस समस्या को देखते हुए चिरंजीव बिसेन, शैलेन्द्र अनकर, हिरेन्द्र अनकर सहित वार्ड के अन्य युवाओं और नागरिकों ने एकजुट होकर श्रमदान किया। उन्होंने नालियों से कचरा निकाला, सड़कों की झाड़ू लगाई और गंदगी को हटाकर क्षेत्र को साफ किया। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने कई बार पंचायत से लिखित और मौखिक शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मजबूरन उन्हें खुद सफाई करनी पड़ी। वार्डवासियों ने प्रशासन और पंचायत से मांग की है कि नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की परेशानी न हो और बीमारियों से बचाव हो सके।

6 माह से अधूरी कोसुंबा से बांडारेव सड़क

ग्रामीणों की तकलीफ से अंजान अफसर, निर्माण एंजेसी पर मेहरबान

कटंगी(स्वतंत्र मत)

ग्रामीणों के लिए वर्षों से सुविधा का सपना बनी कोसुंबा से बांडारेव तक की सड़क आज भी अधूरी पड़ी है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इस कच्ची सड़क को डामर की पक्की सड़क में बदलने का काम स्वीकृत तो कर दिया गया, लेकिन काम आधा-अधूरा छोड़कर एजेंसी ने मानो इसे भगवान भरोसे छोड़ दिया है। सब बेस का काम हुए 6 महीने से अधिक बीत चुके हैं, लेकिन उसके बाद से सड़क पर न कोई मजदूर दिख रहा है, न मशीन। नतीजा यह है कि रोजाना सैकड़ों ग्रामीण और राहगीर जान जोखिम में डालकर इस खतरनाक सड़क से गुजरने को मजबूर हैं। कोसुंबा से बांडारेव के बीच लगभग 5 किमी लंबी सड़क को मजबूत करने का कार्य लोक निर्माण विभाग के अधीन स्वीकृत है। विभागीय जानकारी के अनुसार अक्टूबर 2025 में इस सड़क सहित कटंगी क्षेत्र की कुल 8 सड़कों के लिए वर्क ऑर्डर जारी किया गया था। इन सभी सड़कों की कुल लंबाई लगभग 27.05 किमी है और ठेकेदार कंपनी जे.पी. इंफ्रास्ट्रक्चर को इसका जिम्मा सौंपा गया है। नियम के अनुसार वर्क ऑर्डर जारी होने के बाद निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा करना होता है। लेकिन हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। कोसुंबा-बांडारेव सड़क में सब बेस यानी गिट्टी-मुरम की परत बिछाने का काम करीब 6 महीने पहले पूरा कर दिया गया था। उसके बाद से काम पूरी तरह ठप है।

बारिश शुरू होने के बाद स्थिति और बदतर हो गई है। सब बेस में डाली गई नुकीली गिट्टी अब बारिश के पानी से धुलकर और उभर कर सामने आ गई है। दोपहिया वाहन चालकों के गिरने की घटनाएं आम हो गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय तो इस सड़क से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं है। इस देरी को लेकर जब 3 महीने पहले लोक निर्माण विभाग के उपयंत्री कमलेश राणा से सवाल किया गया था, तो उन्होंने ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष का हवाला देते हुए कहा था कि अंतरराष्ट्रीय कारणों से डामर की सप्लाई बाधित है,

इसलिए काम रोका गया है। लेकिन अब युद्ध विराम हुए भी काफी समय बीत चुका है। बाजार में डामर की उपलब्धता भी सामान्य हो गई है, फिर भी सड़क निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है। कोसुंबा के ग्रामीणों ने कहा, कि पहले युद्ध का बहाना था, अब क्या बहाना हैड़ 6 महीने से हमारी सड़क ऐसे ही पड़ी है। बच्चे स्कूल जाते हैं तो गिरते हैं, बीमार को अस्पताल ले जाना हो तो एम्बुलेंस भी मना कर देती है।

कोसुंबा-बांडारेव की स्थिति अकेली नहीं है। जेपी इंफ्रास्ट्रक्चर को कटंगी क्षेत्र में कुल 8 सड़कों का काम मिला है। इनमें नंदोरा, कटेदरा-चौखंडी, खांदीटोला-बोलडोंगरी, लखनवाड़ा-सिरपुर चौकी, लखनवाड़ा-वरूड़-भजियापार, महकेपार-कोडबी और सुकली-जामुनटोला सड़कें शामिल हैं। विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार अक्टूबर 2025 में वर्क ऑर्डर जारी हुए 11 महीने बीत चुके हैं। लेकिन इस अवधि में कंपनी सिर्फ 8.45 किमी' सड़क की ही प्रगति दे पाई है। यानी 27 किमी से अधिक के टारगेट के मुकाबले एक-तिहाई काम भी नहीं हुआ है। इस आंकड़े से साफ जाहिर है कि निर्माण एजेंसी कितनी धीमी गति से काम कर रही है। सवाल यह भी उठता है कि जब दूसरी सड़कों की यही स्थिति है, तो समय पर सभी सड़कें कैसे पूरी होंगीड़ ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी केवल कागजों में प्रगति दिखा रहे हैं। मौके पर न तो नियमित निरीक्षण हो रहा है, न ही ठेकेदार पर समय-सीमा में काम पूरा कराने का दबाव बनाया जा रहा है। अब देखना यह है कि लोक निर्माण विभाग और जेपी इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रामीणों की इस पीड़ा को कब समझते हैं। बरसात के बाद यदि काम शुरू नहीं हुआ तो यह मुद्दा और तूल पकड़ सकता है। फिलहाल ग्रामीणों को उम्मीद है कि उनके जनप्रतिनिधि और प्रशासन इस ओर ध्यान देकर जल्द से जल्द इस अधूरी सड़क को पूरा कराएंगे, ताकि उन्हें इस नरकीय यात्रा से मुक्ति मिल सके।

ग्राम पंचायत कछरवार में सामुदायिक भवन निर्माण में अनियमितता का आरोप

उमरिया (स्वतंत्रमत)

ग्राम पंचायत कछरवार में फूलमती मंदिर के समीप निर्माणाधीन सामुदायिक भवन को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। मामले को लेकर शिकायतकर्ता द्वारा मुख्यमंत्री तथा जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत कर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत में बताया गया है कि ग्राम पंचायत कछरवार में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए मुख्यमंत्री अधोसंरचना विशेष निधि के अंतर्गत करीब 24.97 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित गुणवत्ता और मापदंडों का पालन नहीं किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने ग्राम पंचायत के सरपंच, सरपंच पति एवं सचिव पर स्वीकृत राशि के कथित दुरुपयोग और निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने के आरोप लगाए हैं। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि सामुदायिक भवन के निर्माण में नाले से मिट्टी युक्त रेत

तथा निर्धारित मानकों के विपरीत लोहे की सरिया का उपयोग किया जा रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं होने के कारण भविष्य में भवन की मजबूती और सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो सकते हैं। साथ ही, निर्माण कार्य को कथित तौर पर ठेके पर कराए जाने को भी शिकायत में नियम विरुद्ध बताया गया है।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री में बची सामग्री का कथित रूप से निजी मकान के निर्माण में उपयोग किया जा रहा है। यदि शिकायत में लगाए गए आरोप जांच में सही पाए जाते हैं तो इससे शासन की राशि को आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ शासकीय निर्माण कार्य में गंभीर वित्तीय एवं प्रक्रियागत अनियमितता का मामला सामने आ सकता है।

निष्पक्ष जांच की मांग- शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री एवं जनसुनवाई में आवेदन देकर पूरे निर्माण कार्य की तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की जांच, स्वीकृत राशि और वास्तविक खर्च का मिलान तथा निर्माण कार्य से संबंधित दस्तावेजों एवं माप पुस्तिका की जांच कराने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की जाए तथा शासन की राशि के कथित दुरुपयोग से हुई क्षति की वसूली भी की जाए।

स्वतंत्रता दिवस पर मानपुर में विधायक सुश्री मीना सिंह करेंगी ध्वजा रोहण

मानपुर (स्वतंत्रमत)

पिछले वर्षों के अनुसार इस वर्ष भी मानपुर में स्वतंत्रता दिवस तो धूमधाम से मनाने के लिये तैयारियां शुरू हो गई है, जिसके लिये दिनांक 07 अगस्त को कार्यालय नगर परिषद मानपुर में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मानपुर तहसीलदार पंकज नयन तिवारी, नगर अध्यक्ष श्रीमती भारती सोनी, सीएमओ श्रीमती रचयिता अवस्थी, क्षेत्रीय प्राचार्य, शिक्षक, पुलिश, कृषि, विद्युत, राजस्व, नगर पारसद विभागीय टीम, हरीश विस्वकर्मा, रषिक खण्डेलवाल, सतीश सोनी, पत्रकार महेन्द्र मिश्रा एवं वरिष्ट नागरिक उपस्थित रहे। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती भारती सोनी ने बताया कि मानपुर नगर क्षेत्र के सभी वार्ड, शासकीय, अशासकीय स्कूल, कार्यालय और कॉलेज के बच्चे, प्रशासनिक टीम, जनप्रतिनिधि एवं नागरिक लोग एकत्र होकर पिछले कई वर्षों से मानपुर स्टेडियम में भी रंगारंग कार्यक्रम के सांथ राष्टीय पर्व मनाया जाता है, मानपुर स्टेडियम में मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह जी द्वारा 15 अगस्त को सुबह 9 बजे ध्वजा रोहण किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा मुख्यमंत्री संदेस का वाचन भी किया जायेगा। जिस महां पर्व के कार्यक्रम में उक्त समय पर पधारने के लिये नगर अध्यक्ष ने क्षेत्र के सभी बच्चे, वरिष्ट. यूवा, पत्रकार, अधिकारी, कर्मचारी, किसान, ब्यापारीं, मातृशक्ति और नागरिकों से अपील किया गया है।

बाँधवगढ़ में विश्व हाथी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बाँधवगढ़ टाईगर रिजर्व में विश्व हाथी दिवस के अवसर पर लगातार तीन दिनों से चल रहे कार्यक्रमों के आयोजन में तृतीय दिवस विश्व हाथी दिवस 12 अगस्त को विभिन्न कार्यक्रम तथा चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय के नेतृत्व में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के इको सेंटर, ताला में हाथी संरक्षण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र छात्राओं तथा समस्त पक्षों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए हाथियों के संरक्षण, उनके प्राकृतिक आवास की सुरक्षा तथा मानव-हाथी सह-अस्तित्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। आंगुतको को इको सेंटर में उपस्थित कैंप हाथियों (सूर्या एवं रामा) को महावतों की देखरेख में अतिथियों एवं विद्यार्थियों द्वारा फल एवं गन्ना खिलाया गया तथा उनसे मित्रता की गई। स्वागत उद्बोधन में

विश्व हाथी दिवस के महत्व, हाथियों के पारिस्थितिक महत्व एवं उनके संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए हाथी संरक्षण विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा हाथी संरक्षण पर आधारित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के सभी 9 परिक्षेत्रों में आयोजित पेंटिंग, निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

विधायक की अगुवाई में चंदिया, करकेली और पिपरिया मंडल में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बुधवार 12 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी मंडल चंदिया के तत्वावधान में चंदिया नगर में देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, छात्र-छात्राओं एवं नगरवासियों ने यात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूरे नगर में भारत माता की जय, वंदे मातरम् एवं राष्ट्रभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा। इसके अलावा मंडल करकेली और मंडल पिपरिया में भी भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में समस्त शासकीय एवं निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों के हाथों में लहराते तिरंगे और नगरवासियों की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने तिरंगा यात्रा को और अधिक भव्य एवं आकर्षक बना दिया। नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए यात्रा का जगह-जगह

उत्साह के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने कहा कि तिरंगा केवल देश का ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य आमजन में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करना तथा नई पीढ़ी को देश के प्रति अपने कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना है। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता से पूरा चंदिया नगर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने तिरंगा यात्रा में शामिल सभी जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सरकारी गेंहू बना आटा, अब गायब करने की चल रही तैयारी
साहब कुछ तो शर्म करो, इतनी अंधेरगर्दी भी ठीक नहीं

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिले में अधिकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करने आते या सरकारी धन की होली खेलने कुछ भी समझ नही आता है वहीं ऐसे अधिकारियों को जब खुला संरक्षण मिलता है तो यह तय हो जाता है वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि इन्हे कहीं न कहीं संरक्षण देकर मिलजुल कर बंदरवाट कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सरकारी गेंहू का सामने आया है। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित मंडला के अधीन खैरी विपणन गोदाम में रखे लाखों रूपए गेंहू का एक साल के अंदर खराब हो जाना और जिस पर ठोस कार्यवाही न होना जिला प्रशासन की नीति और नियत को स्पष्ट करता है। जबकि इस संबंध में मंडल कार्यालय मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित जबलपुर ने जिला विपणन अधिकारी मंडला को पत्र भी लिखा है पत्र क्रमांक/भण्डारण/68/2026 जबलपुर दिनांक 02.07.2026 में उल्लेख विषय भण्डारण केन्द्र मण्डला में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में उपार्जित/भण्डारित गेहूं के परिदान/निराकरण के सम्बंध में। संदर्भ- इस कार्यालय का पत्र क./ भण्डारण/44/2026 जबलपुर दिनांक 01.06.2026 मुख्यालय का पत्र क्र./ भण्डारण/1736/2026 भोपाल दिनांक 15.06.2026 में लेख है कि आपको निर्देशित किया गया था कि भण्डारण केन्द्र मण्डला खैरी के गोदाम क्रमांक 05 में सिविल सप्लाईज कार्यों. के भण्डारित गेहूं में अत्याधिक कीटप्रकोप व आटा फार्मेशन की स्थिति के संबंध में एवं सुरक्षित भण्डारण तथा परिदान व निरीक्षण के सम्बंध में की गई कार्यवाही से अवगत कराते हुये तत्सम्बंध में अपना स्पष्टीकरण प्रमाण को सहित प्रस्तुत करे। तत्सम्बंध में सचिव महोदय मुख्यालय भोपाल के द्वारा भी द्वितीय संदर्भित पत्र के माध्यम से आपको तत्सम्बंध में कार्यवाही की जाने हेतु स्पष्ट निर्देश दिया गया था लेकिन आपके द्वारा त्वेच्छाचारिता एवं अनुशासनहीनता के साथ-साथ निर्देशों की अवहेलना करते हुये आज दिनांक हावा तत्सम्बंध में कोई भी जानकारी एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया। आपका उक्त कृत्य अनुशासनहीनता स्वेच्छाचारिता तथा निर्देशों की अवहेलना किया जाना प्रमाणित करता है। अतः तत्सम्बंध में आपको पुनः निर्देशित किया जाता है कि उक्त केन्द्र का आपके द्वारा कब-कब निरीक्षण किया गया एवं उक्त गेहूँ के सुरक्षित भण्डारण हेतु तथा परिधान निराकरण हेतु क्या क्या प्रयास/कार्यवाही की गई एवं उक्त गेहूं स्कंध की उक्त स्थिति क्यों निर्मित हुई के सम्बंध में आप अपना स्पष्टीकरण प्रमाण को सहित सात दिवस के अंदर प्रस्तुत करे अन्यथा कि स्थिति में आपके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवादी हेतु प्रबंध संचालक महोदय को प्रस्तावित किया जावेगा। उक्त पत्र हिरेन्द्र सिंह रघवंशी मंडल प्रबंधक जबलपुर द्वारा 2 जुलाई को जारी किया। पत्र जारी हुए एक माह से अधिक का समय बीतने के बाद भी न तो कोई कार्यवाही हुई और न ही गेंहू के सुधार को लेकर कोई प्रयास किए गए कुल मिलाकर सरकारी धन की बर्वादी या मनमर्जी का आलम विपणन कार्यालय में दिखाई देता है सूत्रों का यह भी कहना है कि असली गेंहू गायब कर घटिया गेंहू रख दिया गया है। मसला क्या है यह तो ठोस जांच से ही पता चलेगा लेकिन अब तक इस गंभीर मामले में जिला प्रशासन के द्वारा कोई ठोस कार्यवाही या जांच टीम नही बनाई गई है। बता दें कि किसानों से खरीदा गया अनाज सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए सरकारी गोदामों में यदि गेहूं ही सड़ने और आटा बनने लगे तो सवाल सिर्फ अनाज के खराब होने का नहीं बल्कि उस पूरी सरकारी व्यवस्था पर उठता है जिसके भरोसे करोड़ों रुपये की उपज सुरक्षित रखी जाती है। यह गेहूं रबी विपणन वर्ष 2025-26 में नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा उपार्जित किया गया था। उपार्जन के बाद इसे सुरक्षित भंडारण के लिए विपणन के खैरी गोदाम में रखा गया। गोदाम क्रमांक-5 में बड़ी मात्रा में गेहूं का भंडारण किया गया था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक यहां 35 हजार 787 बोरी यानी करीब 17 हजार 859 क्विंटल गेहूं भंडारित किया गया था। इसी गेहूं में से तीन स्टैक में कीट प्रकोप इतना बढ़ गया कि अब गेहूं आटा फॉर्मेशन की स्थिति में पहुंच चुका है। गोदाम में रखे गेहूं की हालत देखकर भंडारण व्यवस्था की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। तीन स्टैक में गेहूं की बोरियों में कीट प्रकोप दिखाई दे रहा है। कई बोरियों में दाने के बीच कीट लगे हुए हैं वहीं कुछ बोरियों से गेहूं की जगह आटा जैसा पदार्थ निकल रहा है। इससे साफ है कि गेहूं की गुणवत्ता अचानक खराब नहीं हुई बल्कि लंबे समय तक निगरानी और रखरखाव की कमी के कारण धीरे-धीरे यह स्थिति बनी। बताया जा रहा है कि करीब 3 हजार क्विंटल गेहूं खराब हो चुका है। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में इस गेहूं का उपार्जन करीब 2425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किया गया था। इस हिसाब से केवल खराब बताए जा रहे करीब तीन हजार क्विंटल गेहूं की कीमत लगभग 72 लाख 75 हजार रुपए बैठती है। यदि खराबी का दायरा जांच में इससे अधिक निकलता है तो सरकारी नुकसान का आंकड़ा भी बढ़ सकता है। यह कोई सामान्य निजी भंडार नहीं है। यह वही गेहूं है जिसे किसानों ने अपनी मेहनत लागत और पसीने से पैदा किया और सरकार ने समर्थन मूल्य की व्यवस्था के तहत खरीदा। किसानों से खरीदे गए अनाज को सुरक्षित रखना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है। लेकिन जब सरकारी गोदाम में ही अनाज की बोरियां कीटों की चपेट में आ जाएं और उनमें आटा फॉर्मेशन होने लगे तो जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर गोदाम में रखे हजारों क्विंटल गेहूं की नियमित निगरानी कौन कर रहा था बोरियों की स्थिति समय-समय पर जांची गई या नहीं कीट नियंत्रण के लिए समय पर दवा का छिड़काव क्यों नहीं हुआ यदि निरीक्षण हुआ था तो अधिकारियों को कीट प्रकोप की जानकारी कब मिली और यदि जानकारी पहले ही मिल गई थी तो गेहूं को बचाने के लिए प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई गेहूं के भंडारण, परिवहन और निरीक्षण के दौरान की गई कथित लापरवाही अब सवालों के घेरे में है। विभागीय स्तर पर निरीक्षण की प्रक्रिया होती है गोदामों में रखे अनाज की स्थिति देखी जाती है गेहूं में कीट प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए दवा डालने की बात भी कही जा रही है।

राज्यपाल ने किया शीजल को सम्मानित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले से मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा परीक्षा 2023 में पुलिस उपाधीक्षक पद पर चयनित प्रशिक्षु डीएसपी शीजल विजयपाल को राजधानी में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। शीजल विजयपाल ने प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सफलता हासिल की है। उनके सफलता के सफर की शुरुआत वर्ष 2019 में सहकारी निरीक्षक के पद पर चयन से हुई। इसके बाद वर्ष 2020 में एनटी वर्ष 2021 में एटीओ और वर्ष 2022 में सीटीआई के पद पर उनका चयन हुआ। वहीं मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा परीक्षा 2023 में पुलिस उपाधीक्षक पद पर चयन उनकी महत्वपूर्ण उपलब्धि रही लगातार कई वर्षों तक विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर शीजल विजयपाल ने अपनी मेहनत लगन और प्रतिभा का परिचय दिया है।

खिला ब्रम्ह कमल दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर में वीती रात सेवा निवृत्त प्रधान अध्यापिका श्रीमति शोभा प्रभात कौशल एंव विधुत विभाग से सेवानिवृत एन के शिव के निवास में ब्रह्म कमल पुष्प खिलने की इस दुर्लभ घटना से समूचे परिवार में एक आस्था का भाव जागृत हुआ साथ ही श्री मति शोभा कोशल एंव एन के शिव के घर पहुंचकर अनेक लोगो ने दुर्लभ प्रजाति का पुष्प ब्रह्म कमल के दर्शन करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भारतीय लोक-परंपरा में इसे भगवान ब्रह्मा से जोड़ा जाता है और इसके खिलने को बहुत शुभ माना जाता है। हालांकि, यह धार्मिक लोक-मान्यता है इसका कोई वैज्ञानिक तथ्य नहीं है। यह पुष्प केवल एक रात के लिए कुछ पहर में खिलता है और सुबह होते होते मुरझा जाता है।

अधिकारियों को मिले दायित्व

मण्डला(स्वतंत्रमत)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य समारोह स्थल पुलिस लाइन ग्राउंड में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को गरिमापूर्ण सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए कलेक्टर कार्यालय द्वारा विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। इस संबंध में कलेक्टर द्वारा आदेश जारी कर समारोह की व्यवस्थाओं अतिथि सत्कार बैठक व्यवस्था सुरक्षा एवं समन्वय संबंधी कार्यों के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं।

4 लाख की मिली सहायता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नर्मदा नदी में डूबने से बीजापुर निवासी क्षितिज कुमार की मृत्यु के प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने निकटतम वारसान को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। क्षितिज कुमार की 25 जून को रपटा घाट एनीकट में नर्मदा नदी में डूबने से मृत्यु हुई थी। राजस्व प्रावधानों के तहत यह सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

आदर्श महाविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2026द्27 में शासकीय आदर्श महाविद्यालय, उमरिया में बी.ए., बी.कॉम. एवं बी.एससी. में प्रवेश की अंतिम तिथि 14 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है।

भोपाल में सम्मानित मंडला के छात्र

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विगत दिवस सिंधी मेला समिति एवं भारतीय सिंधु सभा के तत्वाधान में रवींद्र भवन सभागार भोपाल में प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह- आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधायक भगवानदास सबनानी ने की इस अवसर पर भारतीय सिंधु सभा के राष्ट्रीय कार्य वाहक अध्यक्ष राजेश वाधवानी उपस्थित रहे समारोह में प्रदेश से शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सामाजिक प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंडला सिंधी समाज से तमन्ना क्षत्री अभिभावक जगदीश वर्षा क्षत्री बारहवीं में 96.2 प्रतिशत, टिशा नागदेव अभिभावक स्व.नरेश नागदेव 12 वीं में 87.8 प्रतिशत, आयुषी सचदेव अभि भावक जगदीश नीलम सचदेव दसवीं में 96 प्रतिशत, प्रिंस नेभवानी अभिभावक गुलाबचंद पूनम नेभवानी दसवीं में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया।

युग अग्रवाल का गौरवपूर्ण चयन

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। मोहगांव निवासी भरत अग्रवाल के सुपुत्र युग अग्रवाल ने अपनी मेहनत अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर देश के प्रतिष्ठित केंद्रीय विश्वविद्यालय जामिया मिल्लिया इस्लामिया नई दिल्ली के स्नातक कार्यक्रम में चयन प्राप्त कर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। युग का लक्ष्य आगे सिविल सेवाओं में अपना करियर बनाकर देश की सेवा करना है। वे प्रशासनिक क्षेत्र में जाकर समाज के विकास में योगदान देने और आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण किया उन्होंने कार्यालयीन व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए विभिन्न शाखाओं के कार्यों की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कलेक्टर ने कार्यालय में सूचना बोर्ड को व्यवस्थित एवं अद्यतन रखने तथा आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए उन्होंने कार्यालय में कॉन्फ्रेंसिंग रूम स्थापित करने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए।

पंच के आतंक से भयभीत महिला ने लगाई मदद की गुहार

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

तहसील मुख्यालय घुघरी में इन दिनों अतिक्रमण अवैध कारोबार के साथ जनप्रतिनिधियों का छोटे छोटे मामलो में दखल अंदाजी तो कहीं हस्ताक्षेप दिखाई देता है गरीब कमजोर और परेशान लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर उन्हें प्रताड़ित भी किया जा रहा है। ऐसा ही एक प्रकरण घुघरी निवासी प्रीति धुर्वे का सामने आया है। प्रीति ने कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है। कलेक्टर को शिकायत कर तहसील कार्यालय में कार्यरत प्राईवेट कम्प्यूटर ऑपरेटर परेशान करने प्रताड़ित करने के साथ अवैध कब्जा किए जाने के आरोप लगाए हैं। शिकायत में कहा गया कि तहसील घुघरी में कार्यरत प्राइवेट कंप्यूटर ऑपरेटर के द्वारा जबरन प्रताड़ित किया जा रहा है एवं हमारी आबादी में बनी झोपड़ी जमीन से बेदखल करने की कोशिश की जा रही है। मां मुन्नी बाई की काबिज भूमि खसरा नंबर 129 पर लंबे समय से काबिज हैं जहां हमारा कच्चा मकान झोपड़ी बना हुआ है। यह आबादी जमीन है। तहसील मुख्यालय में प्राइवेट कंप्यूटर ऑपरेटर मनोहर नंदा जो ग्राम पंचायत घुघरी में वार्ड पंच भी है साथ ही घुघरी में टेंट का व्यवसाय करता है तहसील में बहुत दिनों से काम कर रहा है मनोहर नंदा द्वारा धमकी भी देता है कि तुमको जहां शिकायत करनी है कर दो ऐसा धमकाता है जमीन से हटाने और प्रताड़ित करता हैं। हमारा कच्चा मकान है जहां हम लोग 5 परिवार रहते हैं उस कच्चे मकान के पीछे इनका मकान है वहां भी मनोहर नंदा एवं इनका परिवार हमारे दिवार के किनारे पेड़-पौधे लगाए हैं एवं हमारा मकान कच्चा है उसे भी गिरा दिये है और उसमें भी कब्जा कर रहे हैं तहसील में बहुत दिनों से कार्य कर रहा है एवं धमकी भी देता है कि तुमको जहां जाना है चले जाओ मेरा कुछ नही कर पाएगा ऐसा बोलता है और कहता है कि जेसीबी मशीन से तुम्हारा मकान भी गिरवा दूंगा।

जानकारी यह भी मिली है कि जिस आबादी जमीन में हमारा झोपड़ी है उसमें मनोहर नंदा का भू-आवासीय अधिकार पत्र पट्टा भी दिया गया है जो अवैध और नियमों के विरुद्ध है। स्वामित्व योजना के अंतर्गत आबादी भूमि का पट्टा दिया जा रहा है उस योजना के अंतर्गत हमें भी पट्टा मिल रहा था परंतु मनोहर नंदा तहसील में होने के कारण पटवारियों को रोक लगाकर पट्टा नई देने दिया। आवेदिका ने कार्यवाही की मांग की है।

अब तक 692.3 मिमी दर्ज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में मानसून अवधि के दौरान अब तक कुल 692.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। 12 अगस्त को जिले में 5.1 मिमी वर्षा रिकॉर्ड हुई। जिले की सामान्य वार्षिक औसत वर्षा 1326.2 मिमी है। इस प्रकार अब तक जिले में सामान्य वार्षिक औसत वर्षा का लगभग 52.20 प्रतिशत वर्षा दर्ज हो चुकी है भूमि अभिलेख कार्यालय से जारी वर्षा संबंधी रिपोर्ट के अनुसार 1 जून 2026 से 12 अगस्त 2026 तक जिले की विभिन्न तहसीलों में वर्षा की स्थिति में अंतर दर्ज किया गया है। घुघरी तहसील में सर्वाधिक 798.3 मिमी वर्षा दर्ज हुई है, जबकि नारायणगंज में 532.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई। मंडला तहसील में 734.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

रोशन और मुबारिक उमराह यात्रा में

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। मुस्लिम समाज में पवित्र मक्का-मदीना की उमराह यात्रा का विशेष धार्मिक महत्व है। इसी क्रम में नारायणगंज निवासी रोशन अंसारी एवं मुबारिक अंसारी उमराह यात्रा के लिए रवाना हुए। उनके रवाना होने पर परिजनों सामाजिकजनों ने विदाई दी और उनके सफल एवं सुखद सफर के लिए दुआ की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने फूल-मालाओं से उमराह यात्रियों का सम्मान किया। उमराह यात्रा पर रवाना हुए रोशन अंसारी एवं मुबारिक अंसारी ने भी सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और समाज यात्रा को लेकर परिजनों एवं शुभचिंतकों में खुशी का माहौल रहा।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ललिता नेताम पिता निरपत सिंह मरावी निवासी ग्राम मोहगांव थाना व तहसील निवास जिला मण्डला की मूल निवासी हूं। मेरा जन्म ग्राम मोहगांव में हुआ है और मेरी जन्मतिथि 01.07.1997 है जो कि सही व सत्य है यह है कि मेरे माता पिता के द्वारा भूलवश जन्म का पंजीयन नही कराया गया है। जिसके कारण मेरा जन्मप्रमाण पत्र नही बन पाया है लेकिन अब मुझे जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। जिसके लिए मैं शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूं मेरा नाम ललिता नेताम है मेरे पिता का नाम निरपत सिंह मरावी है और मेरी मां का नाम पान बाई है जो सही व सत्य है। इसी नाम से मुझे व मेरे परिवार को जाना व पहचाना जाता है इस बात की मैं शपथ करती हूं।

शपथकर्ता
ललिता नेताम
पिता :- निरपत सिंह मरावी
निवासी ग्राम मोहगांव
तहसील निवास जिला मंडला

उपभोक्ता से कनेक्शन के नाम राशि लेने पर आउटसोर्स कर्मचारी को किया पृथक

आउटसोर्स कर्मचारी को भरी पड़ा रूपये लेना

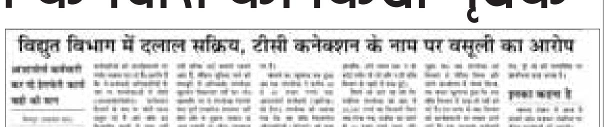
विद्युत विभाग में दलाल सक्रिय, टीसी कनेक्शन के नाम पर वसूली का आरोप

खबर का असर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। गत 8 अगस्त को विद्युत विभाग में दलाल सक्रिय टीसी कनेक्शन के नाम पर वसूली का आरोप समाचार प्रकाशित किया गया था। जिस पर संज्ञान लेते हुए कार्यपालन अभियंता (संचा. / संधा.) म. प्र.पू. क्षे. वि. वि.कं. लि. मंडल के द्वारा आउटसोर्स कर्मचारी रूपकरण झारिया अर्द्धकुशल (सहायक लाईनमेन) कर्मचारी संख्या डीजीएन 00048533 को उपभोक्ताओ से कनेक्शन प्रदान किये जाने के लिये नगद राशि प्राप्त करना एवं राशि जमा ना किए जाने की शिकायत प्राप्त होने पर 11 अगस्त को तत्काल कार्य से पृथक कर दिया गया है।

आईटीआई में प्रवेश 16 अगस्त तक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में ओपन राउंड के तहत प्रवेश के लिए मध्यप्रदेश सहित राज्य के बाहर के आवेदकों हेतु नवीन रजिस्ट्रेशन त्रुटि सुधार एवं वाइस फिलिंग की प्रक्रिया 16 अगस्त तक विभागीय डीएसडी पोर्टल पर की जा सकती है आईटीआई में उपलब्ध व्यवसायों में रिक्त सीटों की जानकारी शासकीय आईटीआई मंडला एवं विभागीय पोर्टल पर देखी जा सकती है। प्रवेश के लिए चयन सूची 20 अगस्त को जारी की जाएगी। महिलाओं के लिए सभी व्यवसायों में 35 प्रतिशत स्थान आरक्षित किए गए हैं। आईटीआई में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है जहां पंजीयन संबंधी सहायता उपलब्ध रहेगी आवेदक प्रवेश से संबंधित जानकारी विभाग के डीएसडी पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं अथवा निकटतम शासकीय आईटीआई में स्थापित हेल्प डेस्क पर स्वयं उपस्थित होकर जानकारी एवं पंजीयन फॉर्म भर सकते हैं।

कार्यालय नगर परिषद निवास जिला मण्डला मप्र

Email.Id.Us At: cmoniwas@mpurban.gov.in, Office Ledline. No. 07641-231300
क्र./न.परि./2026/415 निवास दिनांक 12/08/2026

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम निवास को सूचित किया जाता है कि निवास पटवारी हल्का नंबर 36 स्थित खसरा नंबर 352/1 रकवा 11.92 हेक्ट. में से 0.11 चौपाटी निर्माण हेतु वार्ड क्रमांक 05 सिविल लाईन नगर परिषद निवास को उपरोक्त भूमि आवंटन प्रयोजनार्थ हस्तांतरण।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद निवास

कार्यालय नगर परिषद निवास जिला मण्डला मप्र

Email.Id.Us At: cmoniwas@mpurban.gov.in, Office Ledline. No. 07641-231300
क्र./न.परि./2026/415 निवास दिनांक 12/08/2026

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम निवास को सूचित किया जाता है कि निवास पटवारी हल्का नंबर 36 स्थित भूमि खसरा नंबर 296 रकवा 0.1300 हे. भूमि 0.20 में से नगर परिषद निवास को दुकान निर्माण कार्य हेतु उपरोक्त भूमि बंटन प्रयोजनार्थ हस्तांतरण।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद निवास

कार्यालय नगर परिषद निवास जिला मण्डला मप्र

Email.Id.Us At: cmoniwas@mpurban.gov.in, Office Ledline. No. 07641-231300
क्र./न.परि./2026/415 निवास दिनांक 12/08/2026

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम निवास को सूचित किया जाता है कि निवास पटवारी हल्का नंबर 36 स्थित भूमि खसरा नंबर 351/1 रकवा 11.92 हे.में से भूमि 1.20 नगर परिषद निवास को वार्ड क्रमांक 05 सिविल लाईन वार्ड में सब्जी मार्केट निर्माण कार्य हेतु उपरोक्त भूमि बंटन प्रयोजनार्थ हस्तांतरण।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद निवास

कार्यालय नगर परिषद निवास जिला मण्डला मप्र

Email.Id.Us At: cmoniwas@mpurban.gov.in, Office Ledline. No. 07641-231300
क्र./न.परि./2026/415 निवास दिनांक 12/08/2026

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम निवास को सूचित किया जाता है कि निवास पटवारी हल्का नंबर 36 स्थित भूमि खसरा नंबर 294 रकवा 0.15 हे.में से भूमि 0.20 में नगर परिषद निवास को वार्ड क्रमांक 13 आईटीआई वार्ड में सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य हेतु उपरोक्त भूमि बंटन प्रयोजनार्थ हस्तांतरण।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद निवास

कार्यालय नगर परिषद निवास जिला मण्डला मप्र

Email.Id.Us At: cmoniwas@mpurban.gov.in, Office Ledline. No. 07641-231300
क्र./न.परि./2026/415 निवास दिनांक 12/08/2026

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम निवास को सूचित किया जाता है कि निवास पटवारी हल्का नंबर 36 स्थित भूमि खसरा नंबर 100 रकवा 0.01000 हे.में रानी अवंती बाई प्रतिमा स्थापना नगर परिषद निवास को प्रयोजनार्थ हस्तांतरण।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद निवास

कार्यालय नगर परिषद निवास जिला मण्डला मप्र

Email.Id.Us At: cmoniwas@mpurban.gov.in, Office Ledline. No. 07641-231300
क्र./न.परि./2026/415 निवास दिनांक 12/08/2026

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम निवास को सूचित किया जाता है कि निवास पटवारी हल्का नंबर 36 स्थित भूमि खसरा नंबर 295 रकवा 0.24 हे.में से भूमि 0.20 में नगर परिषद निवास को वार्ड क्रमांक 13 आईटीआई वार्ड में पुराने जनपद के पास दुकान निर्माण कार्य हेतु उपरोक्त भूमि बंटन प्रयोजनार्थ हस्तांतरण।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद निवास

स्वतंत्र मत
जबलपुर
गुरूवार 13 अगस्त 2026

संपादकीय

अब तो दंभ छोड़ दे भाजपा

भारतीय जनता पार्टी अब यह दंभ पालना बंद कर दे कि उसके चुनाव चिन्ह पर कोई कुत्ता-बिल्ली भी चुनाव जीत सकते हैं। बेशक देश के करीब 78 फीसदी भू-भाग पर उनका शासन है, लेकिन चुनावों के जरिए जो मोहभंग और ध्रुवीकरण सामने आते रहे हैं, उनसे भाजपा को चौकन्ना हो जाना चाहिए। बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट और मप्र की दतिया सीट के जनादेश शायद भाजपा-विरोध को ही बयां कर रहे हैं। ये सिर्फ उपचुनावों के जनादेश हैं, सरकारें और मुख्यमंत्री यथावत हैं, राजनीतिक समीकरण भी पूर्ववत हैं, किसी राजनीतिक भूचाल के आसार नहीं हैं, लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व के लिए सबक और संदेश की चेतावनी है।

यदि भाजपा लोकसभा में मात्र 2 सीट से 240, 282 और 303 सीटों तक हिमालयी छलांग लगा सकती है, तो कोई भी दल 'शून्य' से सत्ता तक पहुंच सकता है। हालांकि उपचुनावों के करीब 78 फीसदी जनादेश सत्तारूढ़ दल या गठबंधन के पक्ष में ही जाते रहे हैं, लेकिन शेष 22 फीसदी असंतोष और अस्वीकृति के विस्तार के लिए पर्याप्त हैं। बांकीपुर पर 1995 से भाजपा 'अजेय' रही है। अब यह सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की थी, जहां से वह लगातार पांच बार विधायक चुने गए थे। पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद उन्हें अधिकतर दिल्ली में रहना है और उन्हें राज्यसभा भेजा गया, लिहाजा उन्होंने यह सीट खाली की और उपचुनाव हुआ। मौजूदा उपचुनाव में 'जनसुराज पार्टी' के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा उम्मीदवार नीरज सिन्हा को पराजित किया। मप्र की दतिया सीट पर कांग्रेस ने भाजपा को शिकस्त दी। बेशक भाजपा गुजरात में अपना गढ़ 'विजयी' बनाए रखने में सफल रही है। गुजरात प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृह-राज्य है। वहां की मांजलपुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी सतेन्द्रभाई पटेल ने कांग्रेस प्रतिद्वंद्वी को लगभग रौंद दिया और केजरीवाल की 'आप' को 'अप्रासंगिक' साबित कर दिया। बहरहाल इनमें बिहार की बांकीपुर सीट सबसे अधिक महत्वपूर्ण और राजनीतिक रूप से संवेदनशील है। इस सीट पर करीब 48 फीसदी आबादी सवर्ण है। उनमें ब्राह्मण, कायस्थ, वैश्य, राजपूत, भूमिहार आदि समुदाय शामिल हैं। नितिन कायस्थ समुदाय के हैं, लेकिन भाजपा ने इस समुदाय का प्रत्याशी नहीं चुना। ऐसी सीट पर भाजपा का समर्थन-आधार करीब 28 फीसदी कम होना वाकई खतरे की घंटी है, क्योंकि सवर्ण ही भाजपा के बुनियादी जनाधार रहे हैं। बिहार देश का सबसे युवा राज्य भी है। करीब 58 फीसदी आबादी की औसत उम्र 25 साल से कम है। जाहिर है कि युवा मतदाता भी भाजपा से नाराज, असंतुष्ट हैं। भाजपा अपने ही बूथों पर पराजित हुई है, यह भी हैरान करने वाला सवाल है। प्रशांत किशोर के पहले ही चुनाव में उन्हें 49 फीसदी से अधिक वोट मिले हैं और मतगणना के सभी 32 चरणों में वह विजयी रहे हैं। ये 'वैकल्पिक राजनीति' के स्पष्ट संकेत हैं। हालांकि नवंबर, 2025 में विधानसभा का जो आम चुनाव हुआ था, उसमें प्रशांत किशोर की नवजात पार्टी को मात्र 3.5 फीसदी वोट ही मिले थे। 'जनसुराज' के 238 उम्मीदवारों की जमानत ही जब्त हो गई थी। भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का दावा करती है। उसका संगठन, काडर, संसाधन, चुनावी रणनीति आदि भी असीमित हैं। उसके औसत चुनाव में 40 से अधिक स्टार प्रचारक मैदान में उतरते हैं, जिनमें प्रधानमंत्री और गृहमंत्री भी होते हैं। हालांकि उपचुनावों में वे प्रचार में सक्रिय नहीं दिखाई देते, लेकिन बिहार और मप्र के उपचुनावों में पार्टी अध्यक्ष समेत मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक, पूर्व सांसद-विधायक और पार्टी के राष्ट्रीय नेता आदि ने खूब प्रचार किया। इसके समानांतर प्रशांत ने 250 पेशेवर लोगों को मैदान में उतारा था, जो कैफे, कोचिंग हब्स, जिम, पार्कों, गली-मुहल्लों में प्रचार करते रहे और अब नतीजा सामने है।

विश्व अंगदान दिवस 13 अगस्त पर विशेष

अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है- धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएँ। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है। विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है-अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र परस्परोपग्रहो जीवानाम भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरुआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया।

इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971 को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा। आज चिकित्सा तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों के साथ कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण संभव है।

लेकिन विज्ञान की क्षमता जितनी बढ़ी है, हमारी सामाजिक चेतना उस गति से नहीं बढ़ पाई। यही सबसे बड़ी चुनौती है। भारत में आज भी प्रत्यारोपण की आवश्यकता और उपलब्ध अंगों के बीच बड़ा अंतर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश में अंग प्रत्यारोपण की गतिविधि व्यापक रही, लेकिन मृतक दाताओं की संख्या अभी भी आवश्यकता की तुलना में बहुत कम है। इसका अर्थ साफ है-हमारे अस्पतालों में तकनीक है, डॉक्टर हैं, सर्जरी की क्षमता है, लेकिन जीवन बचाने के लिए पर्याप्त अंग नहीं हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अंगदान को मृत्यु की चर्चा नहीं, जीवन की चर्चा बनाना होगा। परिवारों में इस विषय पर समय रहते बातचीत होनी चाहिए। स्कूलों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर ऐसी वातावरण-निर्मिति करनी होगी जिसमें अंगदान सुनते ही भय नहीं, बल्कि करुणा और जीवन बचाने का भाव पैदा हो।

आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते। इन भ्रमों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद, संवेदना और वैज्ञानिक जानकारी से होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझनी होगी कि अंगदान किसी पर थोपा जाने वाला धार्मिक या सामाजिक कर्तव्य नहीं है। यह एक स्वैच्छिक, नैतिक और मानवीय निर्णय है, जिसे व्यक्ति को विश्वसनीय चिकित्सा एवं कानूनी जानकारी के आधार पर लेना चाहिए। लेकिन यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से यह संकल्प करता है कि मृत्यु के बाद उसके उपयोगी अंग किसी जरूरतमंद को मिलें, तो वह अपने जीवन की अंतिम घड़ी को भी मानवता के उत्सव में बदल सकता है।

भारत में अंगदान की प्रेरक घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में नागपुर में 52 वर्षीय शिक्षक कोंडबा दत्तात्रेय मडावी मृतक अंगदान करने वाले 200वें दाता बने, उनके अंगों से तीन लोगों को नया जीवन मिला। ऐसी घटनाएँ हमें बताती हैं कि अंगदान कोई दूर की आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि हमारे आसपास घटने वाली वास्तविक जीवन-बचाने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली में 70 वर्षीय मृत महिला के गुर्दों का सफल उपयोग कर एक 56 वर्षीय महिला को जीवन की नई उम्मीद मिली-यह घटना यह भी बताती है कि केवल उम्र के आधार पर किसी संभावित दाता के अंगों को अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं है, अंतिम निर्णय चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है। भारत के कुछ राज्यों ने इस दिशा में उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। तेलंगाना में 2024 में मृतक अंगदान की दर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही और उसके 'जीवदान' कार्यक्रम के माध्यम से हजारों प्रत्यारोपण संभव हुए। तमिलनाडु में भी मृतक अंगदान की व्यवस्था ने अनेक परिवारों को प्रेरित किया हैय 2026 में एक परिवार ने भाषा की बाधा के बावजूद डिजिटल अनुवाद की मदद से अपने प्रियजन के अंगदान का निर्णय लिया और अनेक मरीजों को जीवन मिला। ये घटनाएँ बताती हैं कि जहाँ संवेदना, व्यवस्था और जागरूकता मिलती हैं, वहाँ मृत्यु भी कई जीवनों को बचाने का माध्यम बन सकती है।

अंगदान की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि यह रक्तदान से भी आगे की परोपकार-चेतना है। रक्तदान में हम अपने शरीर की ऐसी चीज देते हैं जिसे शरीर फिर बना लेता है, अंगदान में हम मृत्यु के बाद ऐसी अमूल्य संपदा देते हैं जिसका उपयोग किसी दूसरे शरीर को जीवन देने के लिए हो सकता है। इसलिए अंगदान को केवल चिकित्सा की भाषा में नहीं, मानवीय रिश्तों और करुणा की भाषा में समझना होगा। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि किसी एक दाता का निर्णय कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है। इसलिए अंगदान केवल एक व्यक्ति की मदद नहीं, बल्कि कई परिवारों में आशा का संचार है। किसी की आँखों में रोशनी, किसी की छाती में धड़कता हृदय, किसी की सांसों में फेफड़ों की शक्ति और किसी के शरीर में काम करता हुआ नया अंग-यह सब किसी अनजान व्यक्ति की उदारता का परिणाम हो सकता है।

इसलिए अंगदान को मृत्यु के बाद शरीर का अंत मानने वाली सोच से बाहर निकालकर मृत्यु के बाद भी जीवन देने की अवधारणा से जोड़ना होगा। मृत्यु अंधेरा है, लेकिन अंगदान उस अंधेरे में जलाया गया दीपक है। एक दीपक स्वयं जलता है, लेकिन उसका प्रकाश दूसरों को दिखाई देता है। इसी तरह दाता संसार से चला जाता है, लेकिन उसके अंग किसी और की सांस, धड़कन या दृष्टि बनकर जीवन को रोशन करते रहते हैं। हमारी सबसे बड़ी संपत्ति वह नहीं जो बैंक में जमा है, न वह जो तिजोरी में बंद है और न वह जो हमारे नाम पर दर्ज है। हमारी सबसे बड़ी संपत्ति वह है जिसका उपयोग हमारे बाद भी किसी जीवन को बचाने में हो सके।

इस विश्व अंगदान दिवस पर हमें केवल यह संकल्प नहीं लेना चाहिए कि अंगदान करेंगे, बल्कि इससे एक कदम आगे बढ़कर यह संकल्प लेना चाहिए कि अंगदान के बारे में अपने परिवार से बात करेंगे, भ्रम दूर करेंगे और समाज में जीवन बचाने वाली इस चेतना को फैलाएँगे। क्योंकि जीवन का अंतिम अध्याय मृत्यु नहीं होना चाहिए। वह किसी दूसरे के जीवन की नई शुरुआत भी बन सकता है। आइए अपने जीवन की अंतिम विरासत मानवता के नाम करें। अंगदान का दीप जलाएँ, ताकि किसी की बुझती जिंदगी में उजाला हो। अपनी मृत्यु को किसी दूसरे की जिंदगी का कारण बनाएँ- क्योंकि इससे सुंदर मृत्यु और इससे सार्थक जीवन शायद ही कोई हो।

निर्मल रानी

जंतर मंतर-रांची छात्र आंदोलन एक, रूप अनेक

देश इन दिनों लगभग राष्ट्रव्यापी छात्र आक्रोश व आंदोलन से रूबरू है। अभी कुछ दिन पहले ही हृश्वश्वञ्ज पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली के ख़िलाफ़ 6 जून से शुरू होकर 25 जुलाई 2026 तक चला आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े के बाद ख़त्म हुआ था। इसके बाद ही झारखंड में भी जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरुद्ध 29 जुलाई से रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्र आंदोलन की शुरुआत हुई। यहाँ भी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, धांधली और अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच आदि मांगों को लेकर धरना, प्रदर्शन और विधानसभा घेराव जैसे कार्यक्रम कर रहे हैं। परन्तु कुछ दिनों पूर्व हुये दिल्ली के जंतर-मंतर व वर्तमान समय रांची में चल रहे छात्र आंदोलन में जहां कुछ बातें समान हैं वहीं कई बातें विरोधाभासी भी हैं। उदाहरण के तौर पर दोनों ही आंदोलन पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली व अनियमितताओं के ख़िलाफ़ किये गए हैं। जंतर मंतर की ही तरह रांची में भी जहाँ आंदोलनस्थल पर अनेक स्वयंसेवी लंगर चला रहे हैं व आंदोलनकारी छात्रों के दूर दराज़ बैठे समर्थक फूड ऐप्स के जरिए सीधे आंदोलन स्थल पर भोजन ऑर्डर कर रहे हैं व छात्रों को मेडिकल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। यहाँ भी भोजन इतनी अधिक मात्रा में आ रहा है कि आंदोलनकारी छात्रों ने वीडियो जारी कर लोगों से कुछ दिन ऑर्डर रोकने की अपील की ताकि खाना बर्बाद न हो और बचे हुए भोजन को ज़रूरतमंदों में बांटा जा सके। इसके अलावा रांची के स्थानीय दुकानदारों और आम नागरिकों द्वारा आंदोलन स्थल पर भोजन,समोसे, बिरयानी, नाश्ता और पानी आदि पहुंचाया जा रहा है। अनशन पर बैठे छात्र नेताओं की सेहत की देखभाल के लिए रांची के सदर अस्पताल में मेडिकल टीम नियमित रूप से आंदोलन स्थल पर पहुंचकर स्वास्थ्य जांच (ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल) कर रही है। इसके अतिरिक्त झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफ़ान अंसारी ने निर्देश जारी किया है कि आंदोलन के दौरान बीमार या चोटिल होने वाले छात्रों के इलाज का पूरा ख़र्च राज्य सरकार उठाएगी, चाहे वे सरकारी अस्पताल में इलाज कराएं या निजी अस्पताल में। परन्तु इन दोनों अर्थात दिल्ली व रांची के आंदोलन में जो सबसे बड़ा विरोधाभास नज़र आ रहा है वह है जंतर मंतर के छात्र आंदोलन का विरोध करने वालों का रांची के आंदोलन में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना। बड़ी हैरत की बात है कि जो वर्ग,जो संगठन और जिस विचारधारा से जुड़े लोग जंतर मंतर के आंदोलनकारियों को देशद्रोही, बदतमीज़, गटर जनरेशन,गलियां बोलने व अपशब्द इस्तेमाल करने वालों का झुण्ड, विदेशी फ़ंडिंग से चलने वाला आंदोलन बता रहे थे, दिल्ली के आंदोलन में जो लोग हिन्दू-मुस्लिम का दृष्टिकोण ढूंढ रहे थे,जिन्हें दिल्ली के आंदोलन कारी आवारा व चरित्रहीन नज़र आ रहे थे वही लोग वही वर्ग और वही विचारधारा रांची के छात्र आंदोलन में कुछ इसतरह बढ़चढ़कर हिस्सा लेने को उतावली है गोया रांची का आंदोलन छात्र आंदोलन के बजाये देश का दूसरा स्वाधीनता संग्राम हो? जंतर मंतर आंदोलन के संदर्भ में ही एक हिंदुत्व विचारक और केरल भाजपा के बौद्धिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रमुख टीजी मोहनदास ने कहा था कि अगर स्थिति उनके नियंत्रण में होती, तो वे नई दिल्ली के आंदोलन स्थल के आसपास कर्फ्यू लगाकर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवा देते। इस व्यक्ति ने प्रदर्शन में शामिल धर्मनिरपेक्ष वामपंथी विचारधारा वाली छात्राओं व महिलाओं के साथ रेप करवाने जैसी बेहद अमर्यादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की थीं। साथ ही गोदी मीडिया के नाम से बदनाम सत्ता का पिछलग्गू मीडिया भी जो जंतर मंतर आंदोलन से या तो मुंह मोड़े हुआ था या इसी आंदोलन विरोधी वर्ग की तरह आंदोलन में केवल नकारात्मकता तलाश रहा था,जिसे संसद भवन के पास चल रहा इतना बड़ा छात्र आंदोलन नज़र नहीं आ रहा था वही मीडिया रांची में डेरा जमाये हुये है और अपने तरीक़े से छात्र आंदोलन का नरेटिव सेट करने में लगा है।

इस अवसरवादी विचारधारा का विरोध करने वालों का चेहरा रांची में उस समय भी बेनक़ाब हुआ जबकि जंतर मंतर के आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा और वहां अनशन पर बैठने वाली अखिल भारतीय छात्र संगठन की केंद्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा जब हज़ारों छात्रों के साथ विधानसभा के लिये मार्च निकाल रही थीं उस समय एक युवक ने नेहा पर स्याही फेंक कर छात्र आंदोलन को समर्थन देने की अपनी हक़ीक़त को उजागर कर दिया। घटना के तुरंत बाद मौक़े पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया और पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया। नेहा बोरा ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिनके पास तर्क या बहस की क्षमता नहीं होती, वे ऐसी हरकतों पर उतर आते हैं। उन्होंने इस हमले के पीछे भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों का हाथ होने का आरोप लगाया। रांची में छात्र आंदोलन का मुख्य चेहरा बनने की इच्छा पालने वाले लोग जंतर मंतर में न केवल लापता थे बल्कि उसके विरोध में भी खड़े थे। जंतर मंतर व रांची दोनों जगह छात्र आंदोलन व उनकी मांगें व समस्याएँ तो लगभग एक हैं परन्तु उनके अनेक रूप देखे जा रहे हैं।

जीवन धारा

जीवन को समझने का अर्थ है उसके साथ संवाद

तर्क ने मनुष्य को अंधविश्वासों से लड़ना सिखाया, प्रकृति के रहस्यों को समझने का साहस व विवेक दिया तथा विज्ञान, गणित एवं दर्शन की महान परंपराओं को जन्म दिया और विकसित किया। किंतु, जब मनुष्य यह मान बैठता है कि तर्क ही संपूर्ण सत्य है, तब वह जीवन के एक बड़े हिस्से की अनदेखी कर देता है। जीवन किसी गणितीय समीकरण की तरह नहीं है, जहां हर सवाल का एक निश्चित जवाब मौजूद हो। जीवन तो एक कविता की तरह है, जिसमें अर्थ शब्दों के बीच के मौन में भी छिपा होता है। यदि आप केवल तर्क से जीवन को पढ़ेंगे, तो आपको उसका व्याकरण तो मिल जाएगा, पर उसकी धड़कन नहीं मिल पाएगी। तर्क हमें बताता है कि फूल कैसे खिलता है, लेकिन वह यह नहीं बता सकता कि एक खिला हुआ फूल देखकर हृदय क्यों भर आता है। विज्ञान प्रकाश की तरंग-लंबाई के बारे में तो समझा सकता है, पर सूर्यास्त की सुंदरता का अनुभव नहीं दे सकता। मनुष्य का जीवन तर्क, भावना, कल्पना, स्मृति और मौन का मिलाजुला संगीत है। यदि इनमें से किसी एक को ही सत्य घोषित कर दिया जाए, तो संगीत टूट जाता है। भारत की यात्रा करते हुए मैंने देखा कि यहां लोग मौन को भी संवाद मानते हैं। एक साधु घंटों बिना कुछ बोले बैठ सकता है और फिर भी उसके आसपास मौजूद लोग अनुभव करते हैं कि उनसे कुछ कहा गया है। तर्क मनुष्य को दिशा देता है, किंतु अनुभव उसे गहराई देता है। दिशा बिना गहराई के मनुष्य को यांत्रिक बना देती है, गहराई बिना दिशा के उसे भटका सकती है। जीवन का सौंदर्य इन दोनों के संतुलन में ही है। हम नश्वर हैं, फिर भी अमरता का स्वप्न देखते हैं। हम अकेले जन्म लेते हैं, फिर भी संबंधों के बिना जी नहीं सकते। हम जानते हैं कि मृत्यु निश्चित है, फिर भी भविष्य की योजनाएं बनाते हैं। यदि तर्क ही सब कुछ होता, तो शायद यह सब निरर्थक लगता। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं कि हमें तर्क छोड़ देना चाहिए। तर्क हमारे भीतर का प्रकाश है, पर वह सूर्य नहीं है। वह भ्रम से बचाता है, पर विस्मय नहीं दे सकता। विस्मय तब जन्म लेता है, जब हम स्वीकारते हैं कि अस्तित्व हमारी समझ से बड़ा है।

दरअसल, जीवन को समझने का अर्थ उसे नियंत्रित करना नहीं, उसके साथ संवाद करना है। जो मनुष्य हर बात को प्रमाण से पहले स्वीकार नहीं करता, वह विवेकशील है, पर जो हर अनुभव को केवल इसलिए अस्वीकार कर देता है कि उसे पूरी तरह सिद्ध नहीं किया जा सकता, वह जीवन के अनेक द्वार स्वयं बंद कर लेता है। इसलिए, जीवन को तर्क से समझिए, पर केवल तर्क तक सीमित मत रहिए। प्रश्न पूछिए, पर उत्तर मिलने के बाद भी विस्मित होने की क्षमता बचाए रखिए। क्योंकि, मनुष्य केवल इसलिए महान नहीं है कि वह सोच सकता है, वह इसलिए भी महान है कि वह प्रेम कर सकता है, मौन रह सकता है, क्षमा कर सकता है, सौंदर्य का अनुभव कर सकता है और अनंत के सामने विनम्र होकर खड़ा हो सकता है।

नेपाल ने खो दिये सुगौली संधि के असली दस्तावेज! अब भारत के साथ कैसे सुलझायेगा सीमा विवाद?

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर विवाद फिर सुर्खियों में है। दरअसल, भारत और चीन के बीच लिपुलेख व्यापार मार्ग को फिर खोलने पर सहमति के बाद नेपाल ने इन क्षेत्रों पर अपना दावा दोहराया है।लो कर लो बात! सीमा विवाद को लेकर भारत पर लगातार सवाल उठाने वाला नेपाल खुद उस ऐतिहासिक दस्तावेज की मूल प्रति नहीं ढूंढ़ पा रहा है, जिसके आधार पर उसकी सीमाओं की बुनियाद तैयार हुई थी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने संसद में स्वीकार किया है कि सरकार को यह तक स्पष्ट जानकारी नहीं है कि 1816 की सुगौली संधि की आधिकारिक मूल प्रति उसके पास मौजूद है या नहीं। राष्ट्रीय अभिलेखागार में कुछ संबंधित दस्तावेज होने की जानकारी जरूर है, लेकिन वे वास्तविक आधिकारिक संधियां हैं या उनकी प्रतियां, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर विवाद फिर सुर्खियों में है। दरअसल, भारत और चीन के बीच लिपुलेख व्यापार मार्ग को फिर खोलने पर सहमति के बाद नेपाल ने इन क्षेत्रों पर अपना दावा दोहराया है। लेकिन अब सवाल यह है कि जिस ऐतिहासिक संधि को सीमा निर्धारण की बुनियादी कड़ी माना जाता है, उसकी मूल प्रति ही नेपाल के रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से उपलब्ध नहीं है, तो उसके सीमा संबंधी दावों की ऐतिहासिक और दस्तावेजी मजबूती को किस आधार पर परखा जाए?

क्या है सुगौली संधि

सुगौली संधि नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुई वह ऐतिहासिक संधि थी, जिसने 1814-16 के एंग्लो-नेपाल युद्ध का अंत किया और नेपाल की क्षेत्रीय सीमाओं तथा ब्रिटिश भारत के साथ उसके संबंधों को बड़े पैमाने पर निर्धारित किया। यह संधि 2 दिसंबर 1815 को हुई और 4 मार्च 1816 को इसकी औपचारिक पुष्टि हुई। युद्ध में पराजय के बाद नेपाल को बड़े भूभाग से अपने दावे छोड़ने पड़े और उसकी पश्चिमी सीमा के निर्धारण में महाकाली नदी की महत्वपूर्ण भूमिका बनी। इसी संधि को आगे चलकर नेपाल और ब्रिटिश भारत के बीच सीमा-व्यवस्था की आधारभूत कड़ी माना गया। यही कारण है कि सुगौली संधि की मूल प्रति का गायब होना महज किसी पुराने कागज का गुम होना नहीं है। यह एक ऐसा दस्तावेज है, जिसका सीधा संबंध सीमा, संप्रभुता और ऐतिहासिक भूगोल से जुड़ा है। खासकर तब, जब नेपाल आज उसी ऐतिहासिक सीमा-व्यवस्था के आधार पर लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी पर अपना दावा करता है।

मामला सिर्फ सुगौली संधि तक सीमित नहीं

सबसे गंभीर पहलू यह है कि नेपाल में ऐतिहासिक संधियों के मूल दस्तावेजों की उपलब्धता को लेकर सवाल पहली बार नहीं उठे हैं। 2016 में भारत-नेपाल संबंधों की समीक्षा के लिए गठित प्रबुद्ध व्यक्तियों के समूह की चर्चाओं के दौरान 1950 की भारत-नेपाल शांति एवं मैत्री संधि की मूल प्रति खोजने की कोशिश की गई, लेकिन वह भी नहीं मिली। बाद में संसदीय जांच में सुगौली संधि और 1950 की संधि, दोनों की मूल प्रतियां नेपाल में नहीं मिलने की बात सामने आई। 2019 में तत्कालीन विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी कहा था कि मंत्रालय के पास दोनों संधियों की प्रतियां हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए फोरेंसिक जांच जरूरी है कि वे मूल दस्तावेज हैं या नहीं। नेपाल ने भारत और ब्रिटेन में उपलब्ध ऐतिहासिक दस्तावेजों और नक्शों को भी तलाशने की बात कही थी। यानी सवाल केवल यह नहीं कि दस्तावेज कहां हैं, बल्कि यह भी है कि नेपाल के पास मौजूद प्रतियां कितनी प्रामाणिक हैं।

सीमा दावे की कमजोर कड़ी

वैसे इससे यह निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि नेपाल का हर सीमा दावा स्वत: गलत हो जाता है। सीमा विवादों का निर्धारण केवल किसी एक मूल दस्तावेज से नहीं होता; ऐतिहासिक नक्शे, नदी की वास्तविक धारा, प्रशासनिक नियंत्रण, पुराने सरकारी रिकॉर्ड और अन्य अंतरराष्ट्रीय दस्तावेज भी महत्वपूर्ण होते हैं। लेकिन नेपाल के लिए समस्या यह है कि जिस ऐतिहासिक संधि को वह अपनी सीमा-व्यवस्था के संदर्भ में महत्वपूर्ण मानता है, उसकी मूल प्रति के अस्तित्व पर ही उसकी सरकार स्पष्ट नहीं है। यही तथ्य उसके आक्रामक सीमा-रुख पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि नेपाल के पास मूल संधि उपलब्ध नहीं है और उसे अपनी प्रतियों की प्रामाणिकता तक फोरेंसिक तरीके से जांचनी पड़ रही है, तो सीमा विवाद पर निर्णायक और एकतरफा ऐतिहासिक दावे करना निश्चित रूप से कठिन हो जाता है। इस पूरे घटनाक्रम का सामरिक महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि लिपुलेख क्षेत्र भारत, नेपाल और चीन, तीनों के लिए संवेदनशील भौगोलिक क्षेत्र है।

दिलचस्प बात यह है कि इसी तनाव के बीच नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात कर दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने और साझा हितों में सहयोग बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। वहीं सुगौली संधि की मूल प्रति नहीं मिलने संबंधी नेपाली विदेश मंत्री के बयान पर भारत ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि दोनों देशों के लंबित मुद्दों को मौजूदा राजनयिक माध्यमों से सुलझाया जा सकता है।

बहरहाल, नेपाल यदि सीमा विवाद को वास्तव में ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर सुलझाना चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपने अभिलेखों की स्थिति साफ करनी होगी। सुगौली संधि की मूल प्रति कहां है, मौजूद है या नहीं, और उसके पास उपलब्ध प्रतियां कितनी प्रामाणिक हैं, इन सवालों का जवाब देना जरूरी होगा। क्योंकि सीमा का फैसला नारों और राजनीतिक दावों से नहीं, प्रमाणित दस्तावेजों और स्थापित तथ्यों से होता है और फिलहाल, सुगौली संधि की मूल प्रति को लेकर नेपाल की अपनी स्वीकारोक्ति उसके दावे की विश्वसनीयता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न जरूर खड़ा करती है।

पुतिन के तारनहार बनें पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ : सुलझाएंगे यूक्रेन संग विवाद, रूस ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

मॉस्को

रूस ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को निवेश संधि विवाद में अपना आर्बिट्रेटर नियुक्त किया है। यह विवाद यूक्रेन के सरकारी स्वामित्व वाले बैंक ओशचाडबैंक द्वारा दायर किया गया है। ग्लोबल आर्बिट्रेशन रिव्यू की रिपोर्ट में जानकारी सामने आई है। इस विवाद की सुनवाई 1998 की यूक्रेन-रूस द्विपक्षीय निवेश संधि के तहत तीन सदस्यीय आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल द्वारा की जा रही है। कोस्टा रिका की मध्यस्थ और पूर्व व्यापार मंत्री डियाला जिमेनेज को दोनों पक्षों द्वारा संयुक्त रूप से ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। वहीं, ग्रीक मध्यस्थ और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के प्रोफेसर स्टावरोस ब्रेकोलाकिस को ओशचाडबैंक द्वारा नियुक्त किया गया है, जबकि जस्टिस चंद्रचूड़ को रूस द्वारा नियुक्त किया गया है।

ओशचाडबैंक का दावा डोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया में मौजूद उसकी संपत्तियों और गतिविधियों से संबंधित है। यूक्रेनी सरकारी बैंक का कहना है कि यूक्रेन में 2022 में रूस के आक्रमण के बाद रूसी सैन्य कार्रवाइयों ने इन क्षेत्रों में अपनी संपत्तियां खो दी हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि यह दावा करोड़ों डॉलर का है। बार एंड बेंच के अनुसार, ओशचाडबैंक ने जुलाई 2025 में रूस को विवाद का नोटिस भेजा था, जिसका कथित तौर पर कोई जवाब नहीं मिलने के बाद बैंक ने मध्यस्थता प्रक्रिया की शुरुआत की। यह कार्यवाही रूसी संघ की सरकार और यूक्रेन के मंत्रिमंडल के बीच 1998 में हुए निवेश के प्रोत्साहन और पारस्परिक संरक्षण समझौते के तहत शुरू की गई है। यह विवाद ओशचाडबैंक की उस पिछली मध्यस्थता प्रक्रिया से अलग है जो 2014 में रूस द्वारा क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद उसकी गतिविधियों और संपत्तियों को लेकर शुरू हुई थी।

उस पुराने मामले में परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के तहत गठित ट्रिब्यूनल ने रूस को अवैध अधिग्रहण के लिए जिम्मेदार ठहराया था और ओशचाडबैंक को ब्याज और मध्यस्थता लागत के साथ लगभग 1.1 अरब डॉलर का मुआवजा दिया था।

हालांकि, रूस ने उस कार्यवाही में भाग लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन ट्रिब्यूनल ने लागू मध्यस्थता नियमों के तहत अपना काम जारी रखा था। जस्टिस चंद्रचूड़ ने इससे पहले जर्मन ऊर्जा कंपनी विंटरशॉल डी और यूक्रेनी सरकारी ऊर्जा कंपनी उक्रेनर्गो से जुड़े संधि विवादों में रूस की तरफ से मध्यस्थ बनने के प्रस्तावों को ठुकरा दिया था। उन्हें परमानेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन द्वारा विंटरशॉल की कार्यवाही में नियुक्ति प्राधिकारी भी नामित किया गया था। हालांकि, रूस की तरफ से किए गए संपर्क का खुलासा करने के बाद वे इस भूमिका से हट गए थे। ओशचाडबैंक मामले में रूस के मध्यस्थ के रूप में उनकी नियुक्ति उनके पहले के रुख में एक बड़ा बदलाव है।

क्या है पूरा मामला?

ओशचाडबैंक और रूस द्वारा संयुक्त रूप से चुनी गईं जिमेनेज ट्रिब्यूनल की अध्यक्षता करेंगी, जबकि ब्रेकोलाकिस ओशचाडबैंक का और जस्टिस चंद्रचूड़ रूस का प्रतिनिधित्व करेंगे। कानूनी दल की बात करें तो, ओशचाडबैंक का प्रतिनिधित्व क्विन एमानुएल उर्कुहार्ट एंड सुलिवन के पार्टनर एपामिनोंटास ट्रायंटफिलो और एलेक्स गेर्बी के साथ एस्टर्स के पार्टनर ओलेक्सी डिडकोव्स्की, एंड्री पोझिदायेव और ओक्साना लेगा कर रहे हैं। वहीं, रूस का प्रतिनिधित्व पिन्ना गोल्डबर्ग के पार्टनर एंड्रिया पिन्ना, वकील प्रत्यूष पंजवानी और सीनियर एसोसिएट दिमित्रियोस पापाजॉर्जियो कर रहे हैं। यह मामला यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाइयों और रूसी नियंत्रण वाले क्षेत्रों में यूक्रेनी व्यवसायों व संपत्तियों को हुए नुकसान से उत्पन्न निवेश विवादों की व्यापक पृष्ठभूमि के बीच सामने आया है।

हूतियों ने पाकिस्तान को भी नहीं छोड़ा समुंदर में आग...बिछाई लाश!

नई दिल्ली

लाल सागर और बाब अल मंदेब स्टेट से एक बेहद बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। यमन के ईरान समर्पित होती विद्रोहियों के एक ताजा हमले में एक मालवाहक पोत पर सवार तीन क्यू मेंबर्स की दर्दनाक मौत हो गई है। मारे गए लोगों में दो पाकिस्तानी नागरिक और एक इंडोनेशियाई नागरिक शामिल है। यह हमला तंजानिया के ध्वज वाले जहाज तिहामा पर तब हुआ जब वह ओमान के सलालाह से जिबूती की ओर जा रहा था। सऊदी अरब के खिलाफ लाल सागर में नौसैनिक नाकेबंदी के ऐलान के बाद यह पहला बड़ा और जानलेवा हमला है। यमन के तटीय गार्ड और सैन्य अधिकारियों के हवाले से आई खबर के मुताबिक लाल सागर को अदन की खारी से जोड़ने वाले रणनीतिक बाब अल मंदीब स्ट्रीट में हुतियों ने एक डे कॉर्गो शिप को निशाना बनाया। इस हमले में जहाज पर सवार तीन बेगुनाह क्री मेंबर्स की जान चली गई। जिनमें दो पाकिस्तानी नागरिक और एक इंडोनेशिया का नागरिक शामिल है।

हाल ही में ईरान पर हुए अमेरिकी इसराइली हमलों के बाद मध्य पूर्व में भर के नए तनाव के बीच हूतियों का यह पहला ऐसा हमला है जिसमें जान माल का इतना बड़ा नुकसान हुआ हो। दरअसल यह हमला उस घोषणा के ठीक 1 महीने के बाद हुआ है। जब अंसार उल्लाह ने सऊदी अरब पर यमन की घेराबंदी का आरोप लगाते हुए लाल सागर और बाबल मनदीप में सऊदी जहाजों के खिलाफ पूर्ण नाकेबंदी यानी नेवेल ब्लॉकेट का ऐलान किया था। हुती विद्रोही ना केवल समुद्री में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं बल्कि उन्होंने सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरेको की रिफाइनिंग पर भी ड्रोन और मिसाइल हमले तेज किए हैं। बाब अल मंदेब जिसे आंसुओं का दरवाजा भी कहते हैं उससे दुनिया का 12त्न व्यापार गुजरता है। लेकिन इस नाकेबंदी के कारण जहाजों की आवाजाही लगभग आधी हो चुकी है। लेकिन इस पूरी घटना का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि इस हमले में मारे जाने वाले नागरिक पाकिस्तान के थे। हाल ही में सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने मिलकर एक बड़े रक्षा और सुरक्षा गठबंधन का गठन किया था। इसका मकसद मुस्लिम देशों को सुरक्षा प्रदान करना और क्षेत्रीय खतरों से निपटना था।

जब सऊदी अरब की रैंपको रिफाइमियों पर हमले हो रहे हैं और लाल सागर में पाकिस्तानी नागरिकों की जान जा रही है। तब ये नया त्रिस्तरीय अलायंस कहीं भी एक्टिव नजर नहीं आ रहा। ना तो तुर्की की ओर से कोई कड़ा सैन्य कदम उठाया गया और ना ही पाकिस्तान अपने नागरिकों की मौत पर हूं के खिलाफ कोई सैन्य रुख अपना पा रहा है।

गौर करने वाली बात यह है कि जब सऊदी, तुर्की और पाकिस्तान के इस नए गठबंधन की घोषणा की गई थी तभी यमन के अंसार उल्लाह मानेती आंदोलन के शीर्ष कमांडरों ने साफ-साफ कह दिया था कि वे दुनिया के किसी भी सैन्य गठबंधन से डरने वाले नहीं। ने यह भी साबित कर दिया कि भले ही कागजों पर कितना भी बड़ा अलायंस खड़ा कर दिया जाए लाल सागर और बाबल मंदे की सामरिक्रपिक चाबी आज ही उन्हीं के हाथों में थी और है दो पाकिस्तानी नागरिकों की मौत और बाबल मदीप में ठप होती समुद्री व्यापार ने पूरे मुस्लिम जगत और पश्चिमी देशों के बीच एक नया हड़कंप मचाया है।

सपा आजम खान के साथ मजबूती नहीं, धोखे के साथ खड़ी : संजय निषाद

प्रयागराज, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा आजम खान के साथ मजबूती से नहीं बल्कि धोखे के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के कार्यकाल में मौलाना जौहर अली विश्वविद्यालय के लिए पार्टी ने कुछ नहीं किया। प्रयागराज आए डॉ. निषाद ने बुधवार को सपा नेता शिवपाल यादव की रामपुर जेल में आजम खान से मुलाकात और उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी अब डूबता हुआ जहाज है और इसी वजह से उसे अब आजम खान की याद आ रही है। श्री यादव द्वारा सपा की सरकार बनने पर आजम खान के खिलाफ दर्ज मुकदमों को वापस लेने संबंधी बयान पर डॉ. निषाद ने कहा कि मुकदमे वापस लेने की संवैधानिक व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि केवल राजनीतिक मुकदमे ही वापस लिए जा सकते हैं और बाद में अदालत भी यह देखती है कि कौन से मुकदमे वापस लिए जा सकते हैं और कौन से नहीं। उन्होंने शिवपाल यादव की आजम खान से मुलाकात पर कहा कि सपा के मुखिया अखिलेश यादव को आजम खान से मिलने जेल जाना चाहिए था।

होर्मुज पर अमेरिका का पूरा कब्जा : ट्रंप

मैरीलैंड, (वार्ता)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान पर भरोसा नहीं करते हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूरा नियंत्रण है।

श्री ट्रंप ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे ईरान पर भरोसा नहीं है। आप ऐसा क्यों कह रहे हैं कि मुझे ईरान पर भरोसा है? मुझे ईरान पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं है। ईरानी पक्ष ने हमेशा झूठ बोला है।

श्री ट्रंप ने होर्मुज पर नियंत्रण का दावा करते हुए कहा कि अगर ईरान स्थिति बदलने की कोशिश करता है तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। उन्होंने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य पर हमारा पूरा नियंत्रण है। उनका इसपर कोई नियंत्रण नहीं। हम उसे चला रहे हैं। अगर ईरान कभी कुछ करने की कोशिश करता है तो उसे %उड़ा दिया% जायेगा।

उन्होंने कहा कि अमेरिका इस समय मजबूत स्थिति में है और दावा किया कि ईरान ने क्षेत्र में अपना पिछला प्रभाव खो दिया है।

उन्होंने कहा, अभी हमारी स्थिति बहुत अच्छी है। हमारे सामने एक ऐसा देश है जो 50 वर्षों से मध्य पूर्व में दबंग बना हुआ था... अब वह पश्चिम एशिया का दबंग नहीं रहा।

गौरतलब है कि फरवरी के अंत में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद क्षेत्र में जारी तनाव के बीच उनकी इस तरह की टिप्पणियां आई हैं। अमेरिका और ईरान अब तक टकराव खत्म करने के लिए किसी अंतिम समझौते पर नहीं पहुंच सके हैं, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास जारी व्यवधानों से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा बना हुआ है।होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जहां से सामान्य परिस्थितियों में दुनिया के एक बड़े हिस्से की कच्चे तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति गुजरती है।

ईरान के सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी ने विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई के हवाले से कहा है कि 28 फरवरी, 2026 तक यह जलमार्ग खुला रहा था। उन्होंने पश्चिमी प्रतिबंधों की भी आलोचना की।

श्री बघाई ने कहा, यह नहीं भूलना चाहिए कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की स्थिति और उसके साथ जो कुछ हुआ, वह अमेरिका और इजरायली शासन की सैन्य आक्रामकता के कारण हुआ है, जो अब भी जारी है। जहां तक ईरान द्वारा शर्तें रखे जाने के दावों का सवाल है, उन्हें यह मामला अपनी ही सरकार के समक्ष उठाना चाहिए।

रणनीतिक जलमार्ग को लेकर तनाव अब भी संघर्ष का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इस बीच, तेहरान और ओमान के बीच इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही के लिए व्यवस्थाओं को लेकर बातचीत जारी है।

देश की जनता देख रही है कि संसद में चर्चा से कौन भाग रहा है : नवीन

नयी दिल्ली, (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष नितिन नबीन ने संसद के मानसून सत्र के दौरान कार्यवाही बाधित होने के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया है और कहा है कि देश की जनता देख रही है कि संसद में चर्चा से कौन भाग रहा है।

श्री नवीन ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर गृहमंत्री अमित शाह द्वारा पोस्ट किये गये वीडियो पर टिप्पणी करते हुए कहा कि संसद में विपक्ष द्वारा लगातार किया जा रहा व्यवधान उनकी अराजक मानसिकता को उजागर करता है। हर अहम मुद्दे पर चर्चा करने के लिए मोदी सरकार की बार-बार की कोशिशों के बावजूद, विपक्ष चर्चा से भागता है और संसद को कामकाज करने से रोकता है। उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है और जानती है कि असल में चर्चा से कौन भाग रहा है।

श्री शाह ने अपने वीडियो में कहा है कि मोदी सरकार संसद में हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष का मकसद चर्चा करना नहीं, बल्कि हंगामा करना है। उन्होंने कहा, विपक्ष को चर्चा के लिए लोकसभा अध्यक्ष को चिट्ठी लिखनी चाहिए। हम आज अपराह्न तीन बजे से कल अपराह्न तीन बजे तक चर्चा के लिए तैयार हैं।

छात्रों पर कार्रवाई का सच संसद में बताए सरकारः कुमारी सैलजा

चंडीगढ़(वार्ता)। हरियाणा के सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि संसद के मानसून सत्र में छात्रों के आंदोलन के दौरान दिल्ली में हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर उठ रहे सवालों का केंद्र सरकार को सदन में स्पष्ट और तथ्यात्मक जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार जवाबदेही से बचने के बजाय गृहमंत्री के माध्यम से पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट करे। कांग्रेस और विपक्ष लगातार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सदन में बयान देने की मांग कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है, इसलिए छात्रों के खिलाफ हुई कथित कार्रवाई से जुड़े तथ्यों को संसद के सामने रखना सरकार की जिम्मेदारी है। गृहमंत्री स्पष्ट करें कि प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ किस प्रकार के बल का प्रयोग किया गया ।

इमरान खान की मौत का दावा झूठा अपने ही दावे से पलटा पाकिस्तानी पत्रकार

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत की आशंका जताने वाले पाकिस्तानी पत्रकार दावे से पलट गया है। अमेरिका में रह रहे पाकिस्तानी पत्रकार वजाहत सईद खान ने मंगलवार रात 11 बजे एक वीडियो जारी कर इमरान की मौत की आशंका जाहिर की थी। इमरान रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। इस खबर के बाद इमरान की बहनों ने भी सवाल उठाया कि उन्हें भाई से मिलने नहीं दिया जा रहा है। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने चेतावनी दी है कि अगर इमरान से मिलने नहीं दिया गया, तो समर्थक सड़कों पर उतर जाएंगे। पत्रकार वजाहत सईद खान ने इमरान की मौत का दावा करने वाले वीडियो में कहा था- रावलपिंडी स्थित सेना मुख्यालय के कम से कम तीन वरिष्ठ अधिकारियों को डर है कि इमरान खान अब जिंदा नहीं हैं। बाद में उन्होंने कहा कि यह कोई पक्की खबर नहीं, बल्कि केवल सेना के अंदर की आशंकाओं के आधार पर एक आकलन था। पत्रकार के दावे के बाद इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने कहा है कि अगर उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी गई, तो 20 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं। पार्टी ने 27 सितंबर को इस्लामाबाद तक लॉन्ग मार्च का ऐलान किया है।

इमरान खान की बहन उज्मा खान ने नवंबर 2025 में अडियाला जेल में उनसे मुलाकात की। जेल से बाहर आकर उज्मा ने बताया था कि भाई इमरान पूरी तरह ठीक हैं। दोनों के बीच करीब 20 मिनट तक मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा था- इमरान खान की सेहत बिल्कुल ठीक है, लेकिन वे बेहद गुस्से में हैं। उन्हें मेंटली टॉर्चर किया जा रहा है और इस सब के लिए आसिम मुनीर जिम्मेदार हैं। उनकी बाहरी दुनिया तक कोई पहुंच नहीं है। नवंबर 2025 की शुरुआत में ही इमरान खान से मिलने उनके समर्थक और परिवार वाले पहुंचे थे, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें इजाजत नहीं दी। इसके बाद यह अफवाह फैल गई थी कि इमरान की मौत हो गई है और पाकिस्तान सरकार इसे छिपा रही है। इसके बाद पाकिस्तान में बड़ा प्रदर्शन किया गया था, जिसे देखते हुए रावलपिंडी से लेकर इस्लामाबाद तक अलर्ट जारी कर दिया गया।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

अक्षय ने 'हैवान' में निभाया खलनायक का किरदार

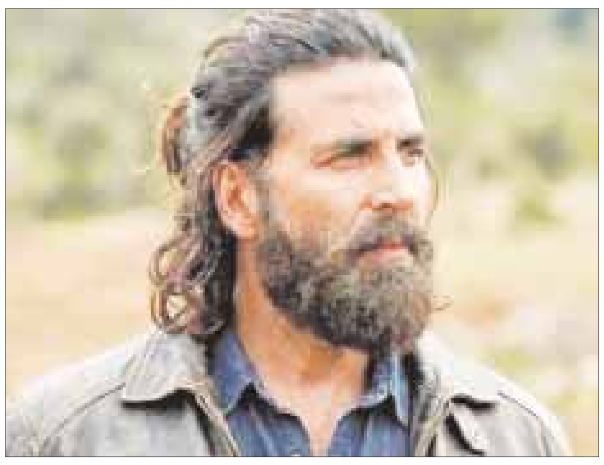

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'हैवान' का टीजर रिलीज हो गया है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में अक्षय कुमार पहली बार पूरी तरह नकारात्मक किरदार में नजर आएंगे।

टीजर में अक्षय कुमार का खौफनाक और इंटेंस अंदाज देखने को मिला है। बीनी पहने उनका लुक फिल्म में उनके किरदार के अलग अंदाज की झलक देता है।अक्षय कुमार ने अपने किरदार के बारे में कहा, जैसा कि फिल्म का नाम है, मैं 'हैवान' का किरदार निभा रहा हूं और मेरे किरदार में कोई ग्रे शेड नहीं है। वह पूरी तरह से बुरा है। मैं हमेशा से पर्दे पर एक साइको का किरदार निभाना चाहता था।उन्होंने कहा, पिछली चार-पांच फिल्मों में मैंने अलग-अलग जॉनर के किरदार निभाने की कोशिश की है,कॉमेडी, हॉरर, एक्शन और ड्रामा। लेकिन यह पहली बार है जब मैं पूरी तरह से बुरे किरदार में नजर आऊंगा। मुझे लगातार खुद को चुनौती देना पसंद है और 'हैवान' मेरे लिए वही चुनौती है। निर्देशक प्रियदर्शन ने बताया कि 'हैवान' के लिये अक्षय कुमार को नकारात्मक भूमिका में लेने का विचार कैसे आया। उन्होंने कहा कि 'भूत बंगला' के सेट पर उन्होंने अक्षय को बीनी पहने देखा था और उनका लुक उन्हें पसंद आया। प्रियदर्शन के अनुसार, जब उन्होंने 'हैवान' की कहानी पर काम किया, तब उन्होंने अक्षय को नकारात्मक किरदार में लेने के बारे में नहीं सोचा था। बाद में अक्षय ने खुद उनसे पूछा कि क्या वह यह भूमिका कर सकते हैं, जिस पर प्रियदर्शन हैरान रह गये। प्रियदर्शन ने कहा कि नकारात्मक किरदार में अक्षय कुमार को देखना दर्शकों के लिये अलग अनुभव होगा और इससे अभिनेता की क्षमता को नये अंदाज में देखने का मौका मिलेगा।

'हैवान' में अक्षय कुमार और सैफ अली खान नजर आएंगे। फिल्म की कहानी एक अंधेरी और रहस्यमयी दुनिया पर आधारित मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी 'हैवान' 11 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वीर पहाड़िया की प्रेम कीटाणु गांधी जयंती पर होगी रिलीज

स्काई फोर्स से बॉलीवुड में पदार्पण करने वाले अभिनेता वीर पहाड़िया अब फिल्म प्रेम कीटाणु में नजर आएंगे। फिल्म में वीर पहाड़िया के साथ अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल विजय भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। प्रेम कीटाणु का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है, जो सिर्फ एक बंदा काफी है और चर्चित सीरीज एस्पिरेंट्स के लिए जाने जाते हैं। यह गौरव वर्मा के नए बैनर अवनिका फिल्म्स की पहली फिल्म है, जिसे फार्स फिल्म्स के साथ मिलकर प्रस्तुत किया जा रहा है। युवाओं की आकांक्षाओं, रिश्तों और रोजमर्रा की चुनौतियों पर आधारित यह फिल्म हास्य और भावनाओं से भरपूर मनोरंजक कहानी के रूप में पेश की जाएगी। फिल्म में आधुनिक जीवन और प्रेम को एक नए नजरिए से दिखाने का प्रयास किया गया है। स्काई फोर्स में भारतीय वायुसेना के अधिकारी टी. विजया की भूमिका निभाने के बाद वीर पहाड़िया अब बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगे। देशभक्ति और एक्शन से भरपूर ड्रामा के बाद युवा और रिश्तों पर आधारित फिल्म का हिस्सा बनना उनके अलग-अलग किरदारों और जॉनर को तलाशने की कोशिश को दर्शाता है। वीर पहाड़िया की आगामी फिल्मों में महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और सिद्धांत सचदेव निर्देशित डार्क एक्शन थ्रिलर नाम टू लिव इज़ वॉर भी शामिल है। फिल्म में उनके साथ वरुण शर्मा नजर आएंगे। इसका निर्माण रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय कर रहे हैं। प्रेम कीटाणु और नाम टू लिव इज़ वॉर के जरिए वीर पहाड़िया दो बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया में नजर आएंगे। एक ओर प्रेम कीटाणु में रोमांस, हास्य और युवाओं की रोजमर्रा की जिंदगी को केंद्र में रखा गया है।

उर्मिला मातोंडकर के एक्स पति ने किया दूसरी शादी का रिसेप्शन, टूटा रंगीला गर्ल का दिल

उर्मिला मातोंडकर वैसे तो अपनी निजी जिंदगी को पब्लिक लाइमलाइट से बिल्कुल दूर रखती हैं, लेकिन हाल ही में एक्ट्रेस के एक क्रिप्टिक पोस्ट ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। बीते दिन उर्मिला के एक्स हसबैंड ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर अपनी दूसरी पत्नी निदा पर प्यार लुटाया था। मोहसिन अख्तर के लिखे कैप्शन को देखकर सोशल मीडिया पर यूजर्स ने तो उन्हें ताना मारा ही था, लेकिन अब उर्मिला मातोंडकर भी एक ऐसा क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जिसे लो उर्मिला के एक्स हसबैंड से जोड़ रहे हैं। एक्स हसबैंड मोहसिन के पोस्ट के बीच उर्मिला मातोंडकर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, मुझे महंगी चीजें बहुत पसंद हैं, जो प्यार, ईमानदारी और समय है। रंगीला एक्ट्रेस का यह रिएक्शन तब आया, जब बीते दिन मोहसिन ने अपनी दूसरी पत्नी निदा भट्ट पर प्यार लुटाते हुए कैप्शन में लिखा था, आप मेरे लिए सिर्फ मेरी पत्नी नहीं बनी, बल्कि मेरा घर, मेरी शांति और मेरी जिंदगी का सबसे प्यारा हिस्सा हो। मोहसिन ने आगे लिखा, मैं अल्लाह को धन्यवाद देता हूं कि वह मेरी जिंदगी में तुम्हें लाया। मेरा तुमसे ये वादा है कि मैं हमेशा तुम्हारे साथ खड़ा रहूंगा, हर पल इस पल का जश्न मनाऊंगा और जिंदगी के इस सफर में हमेशा तुमसे प्यार करूंगा। हम दोनों साथ में मिलकर एक खूबसूरत जीवन बनाएंगे। आपको बता दें कि मोहसिन अख्तर और 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर की पहली मुलाकात साल 2014 में मनीष मल्होत्रा की पार्टी में हुई थी और यहीं से उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत भी हुई। दोनों ने दो साल की डेटिंग के बाद 2016 में गुपचुप शादी कर फैंस को चौंका दिया। मोहसिन उर्मिला से उम्र में 10 साल छोटे थे। असली झटका तो फैंस को तब लगा जब साल 2024 में उर्मिला और मोहसिन के तलाक की खबरें सामने आईं। दोनों ने अपनी तरफ से तलाक की वजह का कोई खुलासा नहीं किया, लेकिन रेडिट पर एक यूजर ने ये दावा किया कि मोहसिन और उनके परिवार ने एक्ट्रेस पर अपना बिजनेस करने के लिए प्रॉपर्टी बेचने का दबाव डाल रहे थे। हालांकि, इन दावों में सच्चाई है या नहीं इस पर कभी भी एक्ट्रेस की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

प्रभारी मंत्री राजपूत ने की मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान एवं हर घर तिरंगा अभियान की समीक्षा

आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण पर दिया जोर

नरसिंहपुर।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंगलवार की शाम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नरसिंहपुर जिले में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान एवं हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति निलेश काकोड़िया, विधायक तेंदूखेड़ा श्री विश्वनाथ सिंह पटेल, विधायक गोटेगांव श्री महेंद्र नागेश, श्री रामसनेही पाठक और कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने प्रभारी मंत्री

श्री राजपूत को मुख्यमंत्री जनसंवाद कार्यक्रम की तैयारियों और जिले की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के संबंध में भी विस्तार से अवगत कराया। कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री जनसंवाद कार्यक्रम के साथ स्वास्थ्य शिविर, विभिन्न संस्थाओं का निरीक्षण, आधार शिविर सहित अन्य गतिविधियां भी आयोजित की जा रही है। इन गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने और उनकी समस्याओं का मौके पर निराकरण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रभारी मंत्री श्री राजपूत ने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे मुख्यमंत्री जनसंवाद कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भागीदारी करें तथा आमजन की समस्याओं को सामने लाकर उनके निराकरण में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जनसंवाद का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

हर घर तिरंगा अभियान की भी हुई समीक्षा

प्रभारी मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जिले में चल रही तैयारियों और गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा अभियान को उत्साहपूर्वक संचालित करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर द्वारा मुख्यमंत्री जनसंवाद एवं हर घर तिरंगा अभियान से संबंधित तैयारियों की जानकारी दी गई तथा कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों से प्रभारी मंत्री को अवगत कराया गया।

जयश्री नरसिंह सराफा एसोसिएशन की 10वीं वर्षगांठ पर

साधारण अधिवेशन सभा का आयोजन

नरसिंहपुर। जयश्री नरसिंह सराफा एसोसिएशन की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर सावित्री सिग्नेचर होटल में साधारण अधिवेशन सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया तथा नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान नरसिंह की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान सराफा व्यवसाय से जुड़े वरिष्ठजनों का सम्मान स्वर्णकार अयोध्यावासी समाज के अध्यक्ष राकेश सोनी, सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय कुमार सोनी, उपाध्यक्ष चंद्रभान सोनी एवं मनोज सोनी द्वारा किया गया। अधिवेशन में एसोसिएशन के अनेक सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। स्वर्णकार अयोध्यावासी समाज के अध्यक्ष राकेश सोनी ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी सदस्यों को एकजुट होकर अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन तभी मजबूत होगा, जब सभी सदस्य आपसी सहयोग और समन्वय के साथ कार्य करेंगे ।एसोसिएशन के सचिव राजकुमार सोनी ने कहा कि सराफा व्यवसाय में अनेक तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में व्यापारियों को ग्राहकों के साथ सदैव अच्छा व्यवहार रखना चाहिए और अपने व्यवसाय में पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। उपाध्यक्ष चंद्रभान सोनी एवं मनोज कुमार सोनी ने कहा कि व्यापार में ईमानदारी और विश्वास सर्वोपरि हैं। ग्राहकों का विश्वास बनाए रखना ही व्यवसाय की सबसे बड़ी पूंजी है। एसोसिएशन अध्यक्ष अजय सोनी ने कहा कि सराफा व्यापारियों को मध्यप्रदेश साहूकारी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार गिरवी का कार्य करना चाहिए। इसके लिए सभी आवश्यक दस्तावेज एवं कागजी कार्रवाई पूरी रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि व्यापारी नियमों के अनुसार कार्य करेंगे और दस्तावेज पूर्ण रखेंगे तो अनावश्यक परेशानी से बचा जा सकता है। उन्होंने सोने-चांदी के पुराने आभूषण खरीदते समय भी विशेष सावधानी बरतने की बात कही। उन्होंने सभी सदस्यों से संगठन को मजबूत बनाने और एसोसिएशन की गतिविधियों में सक्रिय सहयोग करने की अपेक्षा की। कार्यक्रम का संचालन विकास बैरागी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन दिलीप सोनी ने किया ।नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष अजय सोनी, उपाध्यक्ष चंद्रभान सोनी एवं मनोज सोनी, सचिव राजकुमार सोनी, कोषाध्यक्ष अमित सोनी (शुभ), महामंत्री अमित सोनी एवं नीरज सोनी, सहसचिव नीलेश सोनी एवं देवेश सोनी तथा संगठन मंत्री दिलीप सोनी एवं कमलेश सोनी सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। कार्यक्रम में एसोसिएशन के सभी सदस्य एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

30 दिवसीय राष्ट्रीय अभिनय नाट्य कार्यशाला का भव्य उद्घाटन समारोह का आयोजन आज

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। नगर के एनटीपीसी आडिटो रियम में आज गुरूवार दोपहर 1 बजे राष्ट्रीय अभिनय नाट्य कार्य शाला का भव्यउद्घाटन समोराह का आयोजन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय एवं रंसरोकार नाट्य समिति नरसिंहपुर के संयुक्त तत्वाधान में राव उदयप्रताप सिंह कैबिनेट मंत्री परिवहन एवं स्कूल शिक्षा विभाग एवं आशुतोष राणा प्रख्यात लेखक एवं अभिनेता के विशेष मार्गदर्शन में किया जाएगा ।30 दिवसीय राष्ट्रीय अभिनय नाट्य कार्य शाला के शुभारंभ के पूर्व नपा अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर देशभर से आए प्रतिभागियों से चर्चा की और उनका उत्साहवर्धन किया, उन्होंने सभी प्रतिभागियों को आश्वस्त किया कि आपकी जरूरतों के साथ ही सबकी सुरक्षा का ध्यान रखाजाएगा।

कार्यक्रम के संयोजक कपिल साहू ने कार्य शाला की जानकारी देते हुये बताया कि प्रतिभागियों को एनएसडी पास आउट पुनीत विक्रम त्रिवेदी और द्वारका दाहिया प्रथम सत्र काप्रशिक्षण दियाजाएगा ।नगर पालिका अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा ने 30 दिनों तक चलने वाली नाट्य कार्यशाला के भव्य उद्घाटन समारोह में दोपहर 1 बजे एनटी पीसी आडिटोरिया शनि मंदिर रोड में समस्त नगर के गणमान्यजनों, पत्रकारों, नागरिकों एवं युवाओं से उपस्थिति की अपील की है।

एनटीपीसी विंध्याचल में तिरंगा रैली से गूंजा देशभक्ति का जज्बा

सिंगरौली। राष्ट्रव्यापी 'हर घर तिरंगा अभियान 2026' के तहत एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा डॉ. बी. आर. आंबेडकर स्टेडियम में भव्य एवं उत्साहपूर्ण तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और सामूहिक गौरव की भावना को और मजबूत करना रहा। रैली का नेतृत्व श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ने किया। इस अवसर पर श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण); डॉ. बी. के. भराली, महाप्रबंधक (चिकित्सा सेवाएं); श्रीमती रूमा दे शर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) तथा श्री एच. पी. देवांगन, महाप्रबंधक (वीएसआर ओ/एच) सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। रैली में विभिन्न विभागों के प्रमुख, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि, सीआईएसएफ अधिकारी, विद्यालयों के प्राचार्य, छात्र-छात्राएं एवं एनटीपीसी कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा थामकर उत्साहपूर्वक मार्च किया और देशभक्ति के नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस दौरान 'वंदे मातरम्' के जोशीले गायन ने कार्यक्रम में देशभक्ति का उत्साह और बढ़ा दिया। विंध्याचल समुदाय के विभिन्न वर्गों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने 'हर घर तिरंगा अभियान' की मूल भावना को साकार किया ।तिरंगे के नीचे एकजुट होकर आयोजित इस रैली ने राष्ट्रीय एकता, साझा पहचान और देश के प्रति गौरव का संदेश दिया तथा प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को और प्रबल किया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तेंदूखेड़ा में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल हुए शामिल

स्कूली बच्चों, युवाओं, खिलाड़ियों और नागरिकों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

नरसिंहपुर। हर घर तिरंगा अभियानज्ज के अंतर्गत नगर परिषद तेंदूखेड़ा में देशभक्ति और राष्ट्रगौरव की भावना से ओतप्रोत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने यात्रा में शामिल होकर नागरिकों के साथ राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। नगर के विभिन्न मार्गों से निकली इस यात्रा में स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं, खिलाड़ियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों के उत्साह और देशभक्ति के जज्बे से पूरा नगर राष्ट्रप्रेम के रंग में रंगा नजर आया। यात्रा के दौरान तिरंगे की शान में जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। विशाल तिरंगे के साथ निकली यात्रा ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता, समर्पण

और राष्ट्रगौरव का संदेश दिया।

तिरंगा हमारी आन, बान और शान है- विधायक श्री पटेल- विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने कहा कि विशाल तिरंगे के साथ निकली यह यात्रा राष्ट्र के प्रति हमारी एकता, समर्पण और गौरव का अद्भुत प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में तिरंगा यात्राओं सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान है, जिसका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

विधायक श्री पटेल ने नागरिकों से आह्वान किया कि 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराएं और स्वतंत्रता दिवस के इस राष्ट्रीय पर्व को पूरे उत्साह एवं गौरव के साथ मनाएं।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं डॉ. अम्बेडकर को किया नमन- तिरंगा यात्रा के दौरान विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री रामचंद्र राय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने देश की स्वतंत्रता और राष्ट्र निर्माण में महापुरुषों के योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया ।तिरंगा यात्रा में नागरिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन का अभियान बनाने और राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया।

खेत-तालाब ने लौटाई खेतों की हरियाली, जल गंगा संवर्धन अभियान बना किसानों का सहारा

नरसिंहपुर। कभी भू-जल स्तर लगातार नीचे जाने से सिंचाई को लेकर चिंतित किसान आज अपने खेतों में संचित पानी देखकर राहत महसूस कर रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खेत-तालाब योजना के माध्यम से तैयार की गई जल संरचनाओं ने किसानों के लिए न केवल सिंचाई का स्थायी सहारा तैयार किया है, बल्कि भू-जल स्तर को बढ़ाने में भी मदद की है। जिले के ग्राम पंचायत कपूरी के किसान श्री छोटेलाल जाट और ग्राम पंचायत करताज के किसान श्री मिथलेश दुबे इसके जीवंत उदाहरण हैं।

नरसिंहपुर में सघन एड्स जागरूकता अभियान का शुभारंभ

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में जिले में सघन एड्स जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर से श्री रामसनेही पाठक ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारंभ किया। जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. देवेंद्र रिपू दमन सिंह ने बताया कि जिले में यह अभियान 12 अगस्त से 12 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान एचआईवी/एड्स से बचाव, जांच, उपचार एवं इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके अंतर्गत जिले के 7 महाविद्यालय, 76 हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल, 161 ग्राम, 25 ग्राम सभाओं तथा 25 बीएचएनडी में जागरूकता कार्यक्रम होंगे। साथ ही जिले में 20 स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

एचआईवी/एड्स से बचाव और उपचार की दी जानकारी- सीएमएचओ डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने एचआईवी/एड्स के कारण, बचाव, जांच एवं उपचार के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। समय पर जांच एवं उपचार से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जी सकता है। मुख्य रूप से असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त अथवा रक्त उत्पाद, संक्रमित सुई या सीरिंज के साझा उपयोग तथा संक्रमित मां से बच्चे में फैल सकता है।

जागरूकता ही बचाव का प्रभावी माध्यम- श्री रामसनेही पाठक ने कहा कि एड्स के प्रति जागरूकता ही इससे बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। समाज में एचआईवी/एड्स को लेकर व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना और युवाओं को सही एवं वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम ये रहे उपस्थित- कार्यक्रम में सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजकुमार चौधरी, डॉ. राजकुमार डहेरिया, प्राचार्य एमएलबी, आरएमओ डॉ. राहुल नेमा, डॉ. राजकुमार डहेरिया, डीएमडीओ जबलपुर संभाग श्री प्रशांत श्रीवास्तव, नोडल पर्सन श्री प्रशांत कुमार सोनी, इमाम मंसूरी, नीरज पाटकर, डॉ. शैलेंद्र रैकवार, वंदना कातिया, रजनी विश्वकर्मा, एनएसएस से वेदांत दुबे, चंद्र प्रकाश पाटकर, गणेश लोधी, अनीता रजक सहित महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय, एक्सीलेंस स्कूल एवं नर्सिंग महाविद्यालय के अधिकारी एवं छात्र-छात्राएं तथा जिला चिकित्सालय एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विकासखंड स्तरीय शालेय पिट्ठू प्रतियोगिता हुई संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गत दिवस स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत सत्र 2026-27 की विकासखंड स्तरीय शालेय पिट्ठू प्रतियोगिता बालक एवं बालिका वर्ग का आयोजन बीईओ सुश्री सीमा डोंगरे, विकासखंड खेल प्रभारी सत्यप्रकाश ढिमोले के मार्गदर्शन में शासकीय पीएमश्री शासकीय कन्या नवीन उ मा विद्यालय में किया गया। अंडर 19 आयु वर्ग के विभिन्न संकुलों के छात्र एवं छात्राओं ने दमदार कौशल प्रदर्शन किया । आगे होने वाली जिला स्तरीय स्पर्धा हेतु छात्र छात्राओं का चयन उनके अच्छे प्रदर्शन के आधार पर किया गया। इस आयोजन को संपन्न कराने में प्राचार्य सतीश नाईक,लेखा कौरव, चंद्रकांत साहू, राजेश गुप्ता , मीना पटेल पीटीआई विक्रम शर्मा, मुकेश पटेल,मनीष कोष्टि, आरिज़ खान आदि निर्णायक मंडल एवं खेल अधिकारियों के उत्कृष्ट संचालन के चलते प्रतियोगिता संपन्न हुई।

अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को यूपीएससी की तैयारी के लिए नई दिल्ली के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में मिलेगा अवसर

नरसिंहपुर। अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा की बेहतर तैयारी का अवसर देने के लिए राज्य शासन के जनजातीय कार्य विभाग द्वारा नई दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों से कोचिंग प्रदान करने की योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार की तैयारी के लिए निर्धारित 100 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। इस योजना के लिए पात्र एवं इच्छुक विद्यार्थियों से एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 17 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। विद्यार्थियों का चयन मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा ।विद्यार्थियों के चयन के लिए स्क्रीनिंग परीक्षा 23 अगस्त 2026 को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए भोपाल, इंदौर, जबलपुर एवं शहडोल में परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए गए हैं।

सिंगरौली पुलिस का नशे के अवैध कारोबार पर बड़ा प्रहार

91 किलो 790 ग्राम गांजा, 93 लीटर अवैध शराब एवं दो कार जब्त

पुलिस अधीक्षक स्वयं पहुंचे मौके पर, घटनास्थल का बारीकी से किया निरीक्षण

सिंगरौली।

पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत के निर्देशन, उप पुलिस महानिरीक्षक रीवा हेमंत चौहान के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सिंगरौली षियाज के.एम. के नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा के पर्यवेक्षण तथा नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर ललित बैरागी की उपस्थिति में मकरोहर क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री, भंडारण एवं तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक सिंगरौली द्वारा गठित संयुक्त पुलिस टीम को ग्राम मकरोहर क्षेत्र में बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं शराब के भंडारण एवं बिक्री के संबंध में विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। सूचना की गंभीरता को देखते

हुए संयुक्त पुलिस टीम द्वारा तत्काल योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए संबंधित स्थानों पर दबिश दी गई, जहां से बड़ी मात्रा में अवैध गांजा एवं शराब बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया ।कार्रवाई की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सिंगरौली षियाज के.एम. स्वयं मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने बरामद मादक पदार्थ, अवैध शराब एवं वाहनों के संबंध में की जा रही वैधानिक कार्रवाई की जानकारी ली तथा घटनास्थल से जुड़े प्रत्येक पहलू की सूक्ष्मता से समीक्षा की। साथ ही प्रकरण की संपूर्ण कड़ियों, मादक पदार्थ के स्रोत, परिवहन के माध्यम, आपूर्ति एवं वितरण से जुड़े व्यक्तियों के संबंध में गहन विवेचना कर संलिप्त प्रत्येक व्यक्ति के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पुलिस कार्रवाई के दौरान 91 किलो 790 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत ?18,35,800 (अठारह लाख पैंतीस हजार आठ सौ रुपए) तथा 93 लीटर अवैध शराब, जिसकी अनुमानित कीमत ?51,110 (इक्यावन हजार एक सौ दस रुपए) है, जब्त की गई।

अवैध मादक पदार्थ एवं शराब के परिवहन/तस्करी में प्रयुक्त होंडा कंपनी की कार 65526 तथा टाटा कंपनी की कार क्रमांक 47303 भी जब्त की गई। दोनों वाहनों की कुल अनुमानित कीमत ?6,00,000 (छह लाख रुपए) है ।पुलिस ने मौके से आरोपी भूपेन्द्र सिंह, पिता किशुन सिंह, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम मकरोहर, चौकी सासन, थाना बैढ़न, जिला सिंगरौली एवं सुशील सिंह, पिता राज रावण सिंह, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम मकरोहर, चौकी सासन, थाना बैढ़न, जिला सिंगरौली को गिरफ्तार किया है ।प्रकरण में कुल 04 आरोपियों की संलिप्तता सामने आई है। इनमें 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि 02 आरोपी फरार हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। साथ ही आरोपियों के आपसी संपर्क, मादक पदार्थ की आपूर्ति श्रृंखला एवं अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में विवेचना की जा रही है ।इस प्रकार सिंगरौली पुलिस ने उक्त कार्रवाई में 91 किलो 790 ग्राम गांजा, 93 लीटर अवैध शराब एवं दो कार सहित कुल ?24,86,910 (चौबीस लाख छियासी हजार नौ सौ दस रुपए) का मशरूका जब्त किया है। आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है ।सिंगरौली पुलिस द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री, भंडारण, परिवहन एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी है। मादक पदार्थों की अवैध आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े प्रत्येक स्तर तक पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई करने के लिए पुलिस की टीमें सक्रिय हैं।

सराहनीय भूमिका- उक्त संपूर्ण कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सिंगरौली द्वारा गठित संयुक्त पुलिस टीम द्वारा आपसी समन्वय, सतर्कता एवं योजनाबद्ध तरीके से की गई। कार्रवाई में उप निरीक्षक पवन सिंह, उप निरीक्षक उदय करिहार एवं चौकी प्रभारी सासन उप निरीक्षक बी.एल. बंसल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

बेलगाम ऑटो पर कौन लगाएगा लगाम

बिना परमिट-फिटनेस और मनमाने रूट पर दौड़ रहे ऑटो पर उठे सवाल

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में ऑटो संचालन की व्यवस्था को लेकर अब यातायात सुरक्षा और नियमों के पालन पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। बस ऑपरेटर एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि जिलेभर में बड़ी संख्या में ऑटो कथित रूप से बिना निर्धारित रूट, वैध परमिट, फिटनेस और जरूरी दस्तावेजों के संचालित हो रहे हैं। मनमाने तरीके से चल रहे इन वाहनों में क्षमता से अधिक यात्रियों को ठूंस-ठूंसकर बैठाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ रही है। एसोसिएशन के अध्यक्ष शुभप्रकाश मिश्र का कहना है कि ऑटो के संचालन के लिए निर्धारित रूट और दूरी की सीमा होती है, लेकिन कई ऑटो इन नियमों की अनदेखी करते हुए जहां मर्जी वहां सवारियां लेकर पहुंच रहे हैं। आरोप है कि कुछ चालकों के पास वैध लाइसेंस तक नहीं हैं, जबकि वाहनों के परमिट, फिटनेस और अन्य दस्तावेजों की भी नियमित जांच नहीं हो रही है।

नाबालिगों के हाथ में ऑटो, सुरक्षा पर सवाल

ऑटो संचालन में नाबालिगों के शामिल होने की शिकायतों ने भी चिंता बढ़ाई है। बिना पर्याप्त प्रशिक्षण और वैध लाइसेंस के वाहन चलाने की स्थिति में न केवल यात्रियों बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में परिवहन और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाकर वाहनों के साथ चालकों के दस्तावेजों की भी जांच किए जाने की जरूरत है। जिले में ऑटो से जुड़े आपराधिक घटनाक्रमों की खबरें सामने आने के बाद यात्रियों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे मामलों को देखते हुए केवल वाहन की जांच ही नहीं, बल्कि चालक का लाइसेंस, पहचान, वाहन का पंजीयन और परमिट सहित सभी वैधानिक दस्तावेजों का सत्यापन भी जरूरी है।

बस ऑपरेटर संघ ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

इन्हीं समस्याओं को लेकर कटनी बस ऑपरेटर एसोसिएशन ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर जिलेभर में संचालित ऑटो की व्यापक जांच की मांग की है। एसोसिएशन ने परमिट, फिटनेस, बीमा, चालक का लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों की जांच के साथ नियम विरुद्ध संचालित वाहनों पर कार्रवाई की मांग रखी है। एसोसिएशन के नसीम खान, मनोज चौरसिया, पंकज गुप्ता, रविन्द्र सिंह, गुल्लू शर्मा, राहुल सुहाने, मुन्ना तेजाब, रामजी पांडे, अमित दुबे, शिब्बू नायक, मनीष मिश्रा, अंकित मिश्रा का कहना है कि अनधिकृत ऑटो संचालन से बसों के यात्री प्रभावित होने के साथ बस संचालकों को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। लेकिन मामला केवल व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि यात्री सुरक्षा और यातायात अनुशासन का भी है।

संयुक्त अभियान की जरूरत

अब जरूरत इस बात की है कि जिला प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग आपसी समन्वय से जिलेभर में विशेष अभियान चलाएं। मार्ग, परमिट, फिटनेस, बीमा और लाइसेंस की जांच के साथ क्षमता से अधिक सवारी बैठाने, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने और बिना दस्तावेज संचालित वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई हो। नियमित और पारदर्शी जांच से ही ऑटो संचालन में मनमानी पर अंकुश लगाकर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

हर वार्ड में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम का संकल्पः महापौर

45.62 लाख की लागत से मुक्ति धाम का होगा विकास

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर में नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 28 स्थित मुक्ति धाम में लगभग 45 लाख 62 हजार रुपये की लागत से बाउंड्रीवाल निर्माण, मृत संस्कार हेतु शेड एवं आवश्यक मरम्मत कार्य का भूमिपूजन किया गया। महापौर प्रीति संजीव सूरी एवं क्षेत्रीय पार्षद शशिकांत तिवारी सहित जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों की गरिमामयी मौजूदगी में विधि-विधान से भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। भूमिपूजन के साथ ही मुक्ति धाम में बाउंड्रीवाल निर्माण, मृत संस्कार हेतु शेड तथा आवश्यक मरम्मत कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों से परिसर का व्यवस्थित विकास होने के साथ यहां आने वाले नागरिकों को बेहतर एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। मुक्ति धाम परिसर को अधिक सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में यह पहल की गई। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि मुक्ति धाम जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर आवश्यक सुविधाओं का बेहतर होना भी नगर विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वार्ड क्रमांक 28 में किए जा रहे इस विकास कार्य से मुक्ति धाम परिसर अधिक व्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनेगा। महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के सभी क्षेत्रों में सड़क, नाली, जलनिकासी, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि नागरिकों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। क्षेत्रीय पार्षद ने कहा कि मुक्ति धाम में बाउंड्रीवाल, मृत संस्कार हेतु शेड एवं आवश्यक मरम्मत कार्य की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। अब नगर निगम द्वारा लगभग 45.62 लाख रुपये की लागत से इन कार्यों को स्वीकृति देकर भूमिपूजन किया गया है, जिससे क्षेत्रवासियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि वार्ड की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ नगर निगम के समक्ष रखा जा रहा है और महापौर एवं निगम प्रशासन के सहयोग से लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने इस कार्य के लिए महापौर एवं नगर निगम प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्य पूर्ण होने के बाद मुक्ति धाम परिसर अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक स्वरूप में दिखाई देगा।

नायब तहसीलदार के 672 पद खाली राजस्व निरीक्षकों ने मांगी पदोन्नति

कटनी (स्वतंत्रमत)। प्रदेश में नायब तहसीलदार के बड़ी संख्या में पद रिक्त होने के बीच मध्यप्रदेश राजस्व निरीक्षक संघ ने राजस्व निरीक्षक संवर्ग के पात्र अधिकारियों-कर्मचारियों को पदोन्नति देकर नायब तहसीलदार बनाने की मांग उठाई है। संघ की जिला शाखा कटनी के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार त्रिसोलिया ने मुख्यमंत्री एवं राजस्व मंत्री के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन भेजकर इस संबंध में आवश्यक नियम संशोधन की मांग की है।

महान वह है जो बड़ा होकर, छोटा बन जाये : महाराज श्री

राजगुरु स्वामी बदरीप्रपन्नाचार्य महाराज के धर्मवचन श्रवण करने उमडी श्रद्धालुओं की भीड

कटनी (स्वतंत्रमत)

नदीपार स्थित बालाजी नगर पुरवार स्कूल के सामने विशाल पंडाल में वैकुण्ठवासी स्व भगवान दास दुबे की स्मृति में 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के धार्मिक आयोजन के पंचम दिवस कथा व्यासपीठ 1008 राजगुरु स्वामी बदरीप्रपन्नाचार्य महाराज ने 11 अगस्त को श्रीमदभागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाललीलाओं का आकर्षक वर्णन किया भगवान की मनोहारी लीलाओं को सुनकर श्रद्धालुओं भावविभोर हो गये। कथा व्यासपीठ की अमृतमयी वाणी श्रवण करने बडी संख्या में माताओं बहनों श्रद्धालुओं की भीड उमडी। कथा सायं 4 बजे से प्रारंभ हुई। कथा में मुख्य यजमान पूनाबाई दुबे रही। कथाव्यासपीठ महाराज ने भगवान के अवतार पर कथा

प्रसंग पर बताया कि बडे से छोटा बनना ही अवतार है, भगवान महान क्यों है संसार में महान उसको कहते है जो परिश्रम करके अर्जित करता है, लेकिन शास्त्रों में महान वह है जो बडा होकर छोटा बन जाये भगवान बडे होकर देवकी की कोख से जन्म लेते है वहीं कौशिल्या की कोख से राम के रूप में जन्म लेते है।

महाराज ने बताया कि भगवान के मुख्य चार अवतार बताये गये है जिसमें परम विभव अंतर्यामी

व्यूह एवं पांचवा अवतार भी अरचावतार है महाराज ने इन अवतार की विस्तार से व्याख्या की, उन्होंने बताया कृष्ण जगत का सार है, संसार में थोडी माया आ जाये तो उसका प्रचार तेजी से होता है। जीवों का काम है मोह की निद्रा में सोना। 12 अगस्त दिन बुधवार कंश वध, श्री कृष्ण रुकमणी विवाह महोत्सव 13 अगस्त दिन गुरुवार सुदामा चरित्र, व्यास पूजन कथा विश्राम, हवन आहुति के साथ कथा का समापन होगा। 14 अगस्त दिन शुक्रवार कन्या भोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 11:30 तक व ब्राह्मण भोजन व दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। युवा भाजपा नेता नीरज दुबे एवं पं. राजेश दुबे, पं. रमेश दुबे, पं. अनिल दुबे पप्पू, पं. नीरज दुबे, उमा अशोक चौथे, उषा बाजपेयी, सकुन्तला विजय त्रिपाठी, खेहलता खम्परिया, अर्चना उमेश शुक्ला, रतन कुमारी मिश्रा, बेबी रामसरोवर दुबे, राजेश दुबे, मिथलेश रमेश दुबे, कविता अनिल दुबे, संध्या नीरज दुबे, रेशु नितिन दुबे, सीमा बीरु चौथे, योग्यता अभय बाजपेयी, शिवानी आशु शुक्ला, ओम त्रिपाठी, अन्विता, प्रज्ञा, मुनमुन, अनाया, सौमान्त, सात्थिक वेद, समस्त दुबे परिवार ने नगर के समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से श्रीमदभागवत कथा श्रवण कर पुण्यलाभ अर्जित करने की अपील की है।

कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। शासकीय कन्या महाविद्यालय में 12 अगस्त 2026 को पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस. आर. रंगनाथन की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस का आयोजन प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात माँ सरस्वती एवं डॉ. एस. आर. रंगनाथन के शैलचित्र पर माल्यार्पण कर पूजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने छात्राओं को संबोधित करते हुए पुस्तकालय के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने

पुस्तकालय को ज्ञान का केंद्र बताते हुए पुस्तकों को मनुष्य का सच्चा मित्र बताया तथा छात्राओं को नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के पुस्तकालय विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें पुस्तक प्रदर्शनी, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं पुस्तक समीक्षा गतिविधि प्रमुख रहीं। इन गतिविधियों में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में पुस्तकालयाध्यक्ष ने डॉ. एस. आर. रंगनाथन के जीवन परिचय एवं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को अध्ययन एवं ज्ञानवर्धन के लिए निरंतर पुस्तकालय का उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ तथा छात्राएँ उपस्थित रहीं।

साझा काव्य संकलन काव्य पथ का प्रकाशन लोगों को जोड़ने का अभिनव प्रयास

कटनी (स्वतंत्रमत)। साहित्य सदैव समाज में चेतना जगाने का कार्य करता रहा है। वर्तमान में जब लोग जल्द सफलता पाने की दौड़ में अकेले भाग रहे है, सोशल मीडिया के प्रभाव में परस्पर दूरियों में जी रहे हैं, ऐसे समय कटनी जिले के 50 कवियों की काव्य रचनाओं के साझा संकलन का प्रकाशन अवश्य ही रचनाकारों की प्रतिभा सामने लाने के साथ उन्हें आपस में जोड़ने का कार्य करेगा। उपरोक्त आशय के उद्गार गत रविवार 9 अगस्त को साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक संस्था (दिशा) के तत्वावधान में कटनी डिग्री कालेज हाल में वरिष्ठ कवि मनोहर मनोज की अध्यक्षता, जिला चिकित्सालय कटनी के सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा के मुख्य आतिथ्य, वरिष्ठ

कवयित्री अरुणा दुबे एवं डॉ. पारस जैन के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित साझा काव्य संकलन (काव्य पथ) के लोकार्पण समारोह में वक्ताओं द्वारा व्यक्त किए गए। इस अवसर पर जिले के अनेक कवि एवं प्रबुद्ध गणमान्य जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस सत्र का संचालन कवि मुकेश त्रिपाठी द्वारा किया गया। आपके द्वारा काव्य संकलन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रस्तुत कृति (काव्य पथ) हेतु रचनाओं के संकलन एवं संपादन में रविंद्र रवि के श्रम और समर्पण की भूमिका को भी रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में रामनरेश मिश्र (विद्यार्थी) की अध्यक्षता, डॉ. सुधा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य, डॉ. सुशील खंपरिया, रमाकांत निगम, विजय बागरी विजय एवं विष्णु बाजपेई के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित कविता गोष्ठी में उपस्थित रचनाकारों द्वारा वर्षा की रिमझिम के साथ ताल मिलाते हुए मनभावन गीत ग़ज़लों की प्रतुति देकर वातावरण को काव्य रस से सराबोर किया।

मूवी थिएटर में स्पाइडरमैन देखकर झूमे सनशाइन एकेडमी रायबाड़ा के नन्हे बच्चे

कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन एकेडमी, रायबाड़ा की ओर से बच्चों के लिए एक खास मनोरंजन कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में स्कूल के प्ले ग्रुप, नर्सरी, पीपी1 और पीपी2 क्लास 1 स्ट के बच्चों को शिक्षकों के साथ सिटी मॉल के मूवी थिएटर ले जाया गया। बच्चों ने थिएटर में स्पाइडरमैन फिल्म देखी। बड़े पर्दे पर स्पाइडरमैन को देख कर बच्चे बहुत खुश हुए। स्पाइडरमैन के अलग-अलग कारनामे देखकर बच्चों में खूब उत्साह दिखाई दिया। बच्चे फिल्म के दौरान तालियाँ बजाते रहे और खूब हँसे। स्कूल की ओर से बच्चों के लिए खास व्यवस्था की गई थी। सभी बच्चों को फिल्म के समय पॉपकॉर्न और समोसे दिए गए। बच्चों ने मजे से नाश्ता किया और फिल्म का आनंद लिया। थिएटर में बच्चों ने अपने दोस्तों और शिक्षकों के साथ अच्छा समय बिताया। यह दिन बच्चों के लिए बहुत खास और यादगार रहा। बच्चों के चेहरों पर पूरे समय खुशी नजर आई। फिल्म खत्म होने के बाद बच्चे बहुत उत्साहित थे। बच्चों ने कहा, हमें स्पाइडरमैन फिल्म बहुत अच्छी लगी। हमने बहुत मजा किया। स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ-साथ एक नया अनुभव भी देते हैं। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों में खुशी, आत्मविश्वास और मिल-जुलकर रहने की भावना बढ़ाते हैं। सनशाइन एकेडमी का यह खास दिन बच्चों के लिए खुशियों और यादों से भरा रहा। इस कार्यक्रम में स्कूल की वाईस प्रिंसिपल मैम शबनम अख़्तर की उपस्थिति बनी रही स्कूल की इंचार्ज नाज़नींन मैम की देख रेख में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संस्कार भारती संस्था ने भव्यता पूर्वक मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

कला गुरु सम्मान व कलाकारों की विविध प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कटनी (स्वतंत्रमत)

गुरु पूर्णिमा महोत्सव के मुख्य अतिथि संदीप जयसवाल विधायक कटनी व कार्यक्रम की अध्यक्षता सतना से पधारे मणिकांत माहेश्वरी ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में अरुण कुमार शर्मा जयपुर से भगवान दास माहेश्वरी कटनी धनराज गुप्ता सतना से रहे। अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया सर्वप्रथम अतिथि सम्मान में संस्था के अध्यक्ष अशोक तिवारी, महामंत्री राजेश बरसैंया, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष हीरामणि वरसैंया, नवीन गुप्ता, पूनम गुप्ता ने मंचाशीन अतिथियों को पुष्पमाला तिलक बंधन करके स्वागत किया। पूर्व महापौर आशा कोहली उपस्थित रहीं संस्था के ध्येय गीत की प्रस्तुति संस्था सदस्य अनीता सरिया, माया तिवारी, गीता वरसैंया, शालिनी सोनी और अमित श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की। तत्पश्चात गणेश वंदना कुमारी अजंता मित्रा द्वारा प्रस्तुत की गई। इस श्रृंखला में शिव आराधना नमामि शमीशान की बेहतरीन प्रस्तुति कथक नृत्य द्वारा पूर्वी जैन द्वारा की गई, कथक नृत्य की प्रस्तुति के कनिका जैन के द्वारा की गई। तत्पश्चात महाकौशल प्रांत की विरासत का वर्णन करते हुए एक राई लोक नृत्य महर्षि विद्यालय के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसमें महाकौशल प्रांत की विरासत का वर्णन है। पन्ना का

हीरा पनागर का पान कटनी का चूना छतरपुर की ज्वान। सम्मान की श्रृंखला मीरा भार्गव को उनकी साहित्यिक उपलब्धि गीत एवं कविता लेखन पुस्तक मीरा मुक्तामणि पर मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी द्वारा सम्मानित करने की घोषणा करने पर संस्कार भारती संस्थान ने मीरा भार्गव का सम्मान अतिथियों के द्वारा शाल श्रीफल और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया यह संस्था के लिए गौरव का पल था क्योंकि मीरा दीदी एक जानी-मानी हस्ती है और संस्कार भारती संस्था की मातृशक्ति प्रमुख है, गुरु सम्मान के रूप में गायत्री जैन का सम्मान उनकी संगीत साधना के लिए किया गया वह बहुत ही लंबे समय से रेडियो दूरदर्शन में अपनी संगीत की प्रस्तुतियां देती रही हैं सुगम संगीत का प्रशिक्षण बच्चों को भी दिया है संगीत के क्षेत्र में लबे साधना उन्होंने संगीत के क्षेत्र में की है अतः उनका सम्मान शाल श्रीफल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्कार भारती संस्था के माध्यम से तत्पश्चात इस आयोजन में कटनी नगर के जाने-माने कलाकार कला गुरु की उपस्थिति दे रही है विवेक विश्वकर्मा, आशा विश्वकर्मा, विवेक विश्वकर्मा संगीत कृष्ण कला विद्यालय के विवेक विश्वकर्मा और कथक नृत्य की आशा विश्वकर्मा तबला पर रजनीश शर्मा नाथ विद्या में शहर के जाने-माने कल गुरुओं जिनकी के शिष्यों के माध्यम से परिस्थितियों दी गई गायन में की प्रस्तुति विवेक विश्वकर्मा कृष्ण कला विद्यालय के बच्चों ने गायन की प्रस्तुति थी तो वही पूजा गुप्ता ने सुंदर तांडव नृत्य गायन की प्रस्तुति दी आशा विश्वकर्मा के बच्चों ने बहुत ही सुंदर कब तक नृत्य कब तक मृत्यु की प्रस्तुति दी जिसको देखकर लोग मंत्र मुक्त हो गए उसके बाद तनिष्क दुबे द्वारा एक लोकगीत गया गया और अंत में गायत्री जैन के द्वारा एक सुंदर कृष्ण भक्ति वाला भजन प्रस्तुत किया गया बच्चों को पुरस्कार और सर्टिफिकेट प्रदान किए गए रात्रि भोज

के बाद कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम गीत के साथ हुआ वंदे मातरम गीत की प्रस्तुति कुमारी तेज गुप्ता द्वारा की गई गुरु सम्मान की श्रृंखला में गायत्री जैन संगीतकार गायन जो की लंबी आरसे से रेडियो और भोपाल दूरदर्शन में अपनी गायकी की प्रस्तुत देती आ रही है वह संगीत का प्रशिक्षण भी देती रही है संगीत साधना का लंबा सफर तय किया है ऐसी गायत्री जैन का गुरु सम्मान किया गया संस्कार भारती संस्था परिवार के सभी सदस्यों पदाधिकारी ने साल श्री फल व सम्मान पत्र देकर तालिओं की गड़गड़ाहट के साथ सम्मानित किया। कार्यक्रम में कटनी के अन्य कला गुरु भी उपस्थित रहे, विवेक विश्वकर्मा गायन, आशा विश्वकर्मा, कथक हिम्मत गोस्वामी, नाट्य रजनीश शर्मा तबला आदि की उपस्थिति रही तत्पश्चात सांस्कृतिक प्रस्तुति में वैष्णवी व नंदनी विश्वकर्मा ने गायन प्रस्तुत किया कुमारी तोयजा गुप्ता द्वारा बहुत ही सुंदर शिव तांडव स्त्रोत का गायन किया गया कथक नृत्य की धमाकेदार प्रस्तुति आशा विश्वकर्मा की शिषयाओं पूर्वी जैन, अनिका, तनिष्का, आराध्या, इशिका, भाव्या, सतेयनशा द्वारा दी गई जो अद्भुत थी और अंत में तनिष्क दुबे का लोकगीत गायन और गायत्री जैन द्वारा कृष्ण भक्ति भजन प्रस्तुत किया गया सभी कलाकारों को शील्ड व प्रमाण पत्र अतिथियों के द्वारा देकर के उनकी कला साधना की प्रशंसा करते हुए उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। श्याम निषाद, शशि निषाद, रोनक खंडेलवाल की विषेश उपसथिति रही। रमेश खंडेलवाल, सुशील तिवारी आदि समस्त संस्था सदस्यों की गरिमा पूर्ण उपस्थित व पूर्ण सहयोग ने कार्य क्रम को सफल बनाया मंत्री राजेश बरसैंया ने सभी अतिथियों कलाकारों गुरु जनों उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। अंत में वंदे मातरम् गीत कुमारी तोयजा गुप्ता के द्वारा प्रस्तुत किया गया रात्रि भोज के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

एफआईएच हॉकी विश्वकप में 15 से 30 अगस्त तक16 टीमें नये प्रारूप में करेगी मुकाबला

नयी दिल्ली (वार्ता)। बेल्जियम और नीदरलैंड की मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले एफआईएच हॉकी विश्वकप 2026 में महिला और पुरुष वर्ग की 16- 16 टीमें नये प्रारूप में मुकाबला करेंगी। दोनों वर्ग के लिए अलग-अलग टूर्नामेंट होंगे। दोनों टूर्नामेंट की 16- 16 हॉकी टीमों को चार-चार टीमों वाले चार पूल में बांटा गया है। पिछले टूर्नामेंट के उलट - जहां ग्रुप विनर सीधे क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुँचते थे और दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें बाकी आठ जगहों के लिए क्रॉसओवर मैच खेलती थीं। एफआई हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में कोई क्वार्टरफ़ाइनल मैच नहीं होगा, जिससे टीमों के लिए खिताब जीतने का एक नया रास्ता बनेगा।

एफआईएच हॉकी विश्वकप 2026 का पहला फेज- पूल स्टेज - 15-20 अगस्त तक चलेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत पूल स्टेज से होगी, जिसमें हर प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 16 टीमों को चार-चार टीमों वाले चार पूल - पूल ए,बी,सी और और में बांटा जाएगा। प्रत्येक टीम अपने पूल में दूसरी टीमों के साथ एक-एक बार खेलेगी, यानी हर टीम तीन-तीन मैच खेलेगी। नतीजों से हर पूल में टीमों की पहली से चौथी तक की पोज़िशन तय होगी।

दूसरे फेज में: क्रॉसओवर पूल मैच 21-24 अगस्त तक होंगे। ग्रुप स्टेज खत्म होने के बाद, टीमों को पहले फेज में उनकी पोज़िशन के आधार पर फिर से चार नए पूल - पूल ई, एफ, जी और एच में बांटा जाएगा। प्रत्येक टीम उन विरोधियों के खिलाफ़ तीन और मैच खेलेगी जिनका सामना उन्होंने शुरुआती फ़ेज़ में नहीं किया था। इसके अलावा, पहले फेज में अपने पूल से आगे बढ़ने वाली दूसरी टीम के खिलाफ़ टीम का नतीजा दूसरे फेज में भी गिना जाएगा।

तीसरे फेज में: क्लासिफ़िकेशन मैच और सेमीफ़ाइनल 27 और 28 अगस्त होगा। इसके बाद पूल ई, एफ, जी और एच की रैंकिंग से 5वें से 16वें स्थान के लिए क्लासिफ़िकेशन मैच तय होंगे, जबकि पूल ई और एफ की टॉप दो टीमें सेमी-फ़ाइनल में पहुँचेंगी। पदक मुकाबले 29 और 30 अगस्त को होंगे। एफआईएच हॉकी महिला वर्ल्ड कप 2026 का समापन नीदरलैंड में 29 अगस्त को कांस्य पदक मैच और फ़ाइनल के साथ होगा। वहीं, एफआईएच हॉकी पुरुष विश्वकप 2026 का समापन बेल्जियम में 30 अगस्त को कांस्य पदक मैच और उसके बाद फ़ाइनल के साथ होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, इससे चीज़ें काफी बदल जाती हैं। मुझे क्वार्टर-फ़ाइनल पसंद हैं क्योंकि इससे टूर्नामेंट रोमांचक मोड़ पर पहुँचता है। क्वार्टर-फ़ाइनल से कुछ भी हो सकता है, और हमने अतीत में ऐसा देखा भी है। लेकिन फ़ॉर्मेट बदल गया है और हमें उसके हिसाब से ढलना होगा। इसमें पूल फ़ेज़ पर बहुत ज़ोर दिया गया है। तो ज़ाहिर है, जो दो टीमें आगे बढ़ती हैं... और फिर पूल में टॉप करने वाली टीम अपने पॉइंट्स आगे ले जाती है। अगर दोनों के बीच कोई विजेता होता है, या मैच ड्रॉ होता है, तो दोनों को एक-एक पॉइंट मिलता है। लेकिन दूसरे राउंड में पॉइंट ले जाने से बहुत बड़ा फ़र्क पड़ता है।

प्रग्नानंद ने सिंकफील्ड कप में सिंदारोव को हराया, वैशाली का मैच ड्रा रहा

सेंट लुईस (अमेरिका) (वार्ता)।

भारतीय ग्रैंड मास्टर आर प्रग्नानंधा ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए सिंकफील्ड कप के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ जीत दर्ज की। वहीं महिला वर्ग में विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर्स आर वैशाली का बिबिसारा असौबायेवा के साथ हुआ मुकाबला ड्रा रहा। छह घंटे तक चले इस मुकाबले दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी की स्थिति में ही रहा, लेकिन उज्बेकिस्तान के सिंदारोव ने 82वीं चाल में एक गलती कर दी और प्रग्नानंद ने उसका सटीक जवाब दिया, जिसके बाद उज्बेक खिलाड़ी ने 13 चालों के बाद हार मान ली।

यह मुकाबला 95 चलों तक चला। इस जीत के साथ, प्रग्नानंद के 2 राउंड में 1.5 अंक हो गए हैं, जो फैबियानो कारुआना, वेस्ली सो, लेवोन अरोनियन और मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के बराबर है, और ये पांचों खिलाड़ी शुरुआती रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। सेंट लुइस में आयोजित केर्न्स कप में भारतीय महिला टीम के लिए दूसरा दिन अच्छा नहीं रहा, क्योंकि दूसरे दौर में तीनों खिलाड़ियों ने मिलकर सिर्फ आधा अंक हासिल किया।

विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर आर वैशाली का मुकाबला बिबिसारा असौबायेवा से ड्रॉ रहा, लेकिन दिव्या देशमुख एलिस ली से हार गईं और कोनेरू हम्पी टैन झोंगयी से हार गईं।

हम्पी और वैशाली दोनों के दो राउंड में 0.5 अंक हैं, जबकि दिव्या के पास 1 अंक है। अग्रणी खिलाड़ी झोंगयी और ली दोनों ने पहले दो राउंड में दो-दो जीत हासिल की हैं और बाकी खिलाड़ियों से एक अंक की बढ़त बनाए हुए हैं।

सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर रहाणे करेंगे टेस्ट कमेंट्री की शुरुआत

मुंबई (वार्ता) भारत के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे 15 से 27 अगस्त तक होने वाले भारत के श्रीलंका दौरे के दौरान सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर टेस्ट कमेंट्री में अपना करियर शुरु करने जा रहे हैं। रहाणे ने हाल ही में अपने 18 साल के क्रिकेट करियर को अलविदा कहा है।अब वह कमेंट्री बॉक्स में एक नई भूमिका निभाएंगे और दो मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने अनुभव और नज़रिए को सामने रखेंगे। इस सीरीज का प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा और इसे सोनी लिव पर प्रसारित किया जाएगा। भारत के लिए 85 टेस्ट मैच खेलने वाले रहाणे ने 5,077 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। रेड-बॉल क्रिकेट, मैच की स्थितियों और खेल की बारीकियों की उनकी गहरी समझ प्रसारण में एक नया आयाम जोड़ेगी। वह अहम पलों, रणनीतियों और मुकाबलों का विश्लेषण करेंगे ताकि फैंस को यह बेहतर ढंग से समझ आ सके कि टेस्ट मैच कैसे आकार लेता है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के स्पोर्ट्स और इंटरनेशनल के चीफ रेवेन्यू ऑफिसर और बिजनेस हेड, राजेश कौल ने कहा, अजिंक्य रहाणे हमेशा से अपने संयम, मज़बूती और खेल की गहरी समझ के लिए जाने जाते रहे हैं। जब वह सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और सोनी लिव पर टेस्ट कमेंट्री में पर्दापण करेंगे, तो दर्शकों को उस फॉर्मेट पर उनका नज़रिया सुनने को मिलेगा जिसे वह बहुत अच्छी तरह समझते हैं।

फिनलैंड में होगा आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप

यूरोप सब-रीजनल क्वालिफायर के फाइनल राउंड

हेलसिंकी (वार्ता)। आईसीसी पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप यूरोप सब-रीजनल क्वालिफायर का फाइनल राउंड शुक्रवार को फिनलैंड में शुरू हो रहा है। इसमें 10 देश 14 से 21 अगस्त तक हिस्सा लेंगे और 2027 में होने वाले टी-20 पुरुष विश्व कप यूरोप क्वालिफ़ायर में जगह बनाने का प्रयास करेंगे। टीमो को दो ग्रुप में बांटा जायेगा और ग्रुप की विजेता टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। जीतने वाली टीम अगले साल होने वाले यूरोप क्वालिफ़ायर में अपनी जगह पक्की करेगी और ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2028 के लिए ग्लोबल क्वालिफायर में पहुंचने का मौका भी हासिल करेगी। मेजबान फिनलैंड ग्रुप एक में बुल्गारिया, आइल ऑफ़ मैन, लक्ज़मबर्ग और स्पेन के साथ होगा। ग्रुप 2 में चेकिया, जर्मनी, ग्रीस, इज़राइल और पुर्तगाल शामिल हैं।

फिनलैंड ने पहली बार 2022 में आईसीसी सब-रीजनल क्वालिफ़ायर की मेज़बानी की थी, यह टूर्नामेंट देश में क्रिकेट के विकास को दिखाने और यूरोप के कुछ प्रमुख उभरते हुए क्रिकेट देशों का स्वागत करने का एक बड़ा मौका है।

इन उम्मीदों को तब और बल मिला जब आईसीसी ने फ़िनलैंड के हर मैच के लिए फ़िनिश भाषा में कमेंट्री की सुविधा दी। साथ ही, पहली बार आईसीसी टीवी और वाईएलई एरिना (फ़िनिश पब्लिक ब्रॉडकास्टर की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग और कैच-अप सर्विस) पर भी कमेंट्री उपलब्ध होगी। इस टूर्नामेंट के सभी मैच आईसीसी टीवी पर दुनिया भर में लाइव स्ट्रीम किए जाएंगे। इसके साथ ही फ़िनिश आईसीसी के पोर्टफोलियो में शामिल होने वाली 10वीं कमेंट्री भाषा बन गई है। मैदान पर, स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह की नज़रें पुर्तगाल के कप्तान के तौर पर मोइसेस हेनरिक्स के पहले मैच पर होंगी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी (39 साल) अपने जन्मस्थान वाले देश के लिए डेब्यू करने जा रहे हैं। फ़िनलैंड का यह टूर्नामेंट यूरोप भर में सब-रीजनल क्वालिफ़ायर के समर सीज़न को पूरा करेगा। इससे पहले मई में साइप्रस और जुलाई में डेनमार्क में टूर्नामेंट हुए थे। जर्सी ने साइप्रस में सब-रीजनल क्वालिफ़ायर ए जीतकर पहली क्वालिफ़िकेशन जगह पक्की की थी, जबकि डेनमार्क ने अपने घरेलू मैदान पर सब-रीजनल क्वालिफ़ायर बी जीतकर दूसरी जगह हासिल की थी।

श्रीलंका ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम का ऐलान किया

कोलंबो (वार्ता)।

श्रीलंका ने शनिवार से गाले में शुरू होने वाले भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए धनंजय डी सिल्वा की कप्तानी में 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। चयनकर्ताओं ने निरोशन डिकवेला को टेस्ट टीम में जगह दी है। उन्होंने आखिरी बार 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ इस फॉर्मेट में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व किया था। बल्लेबाज पासिंदु सूरियाबंदारा को भी टीम में शामिल किया गया है और घरेलू सर्किट में शानदार प्रदर्शन के बाद वे अपने टेस्ट डेब्यू की दौड़ में हो सकते हैं। एक और युवा खिलाड़ी दाएं हाथ के ऑफ-स्पिनर केशरा नुवानथा हैं, जो घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड बनाने के बाद टेस्ट डेब्यू कर सकते हैं। कामिंदु मेंडिस टीम के उप कप्तान होंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका को भी टीम में वापस बुलाया गया है; उन्होंने 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ अपना एकमात्र टेस्ट मैच खेला था। उनकी वापसी से श्रीलंका के तेज गेंदबाजी आक्रमण को और मजबूती और विविधता मिलेगी।

टाटा संस का चेयरमैन पद छोड़ेंगे एन. चंद्रशेखरन

मुंबई (वार्ता)। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने अगले साल फरवरी में मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने के बाद पद छोड़ने का फैसला किया है। श्री चंद्रशेखरन ने बुधवार सुबह टाटा संस के निदेशकमंडल को अपने फैसले के बारे में सूचित किया। उन्होंने मीडिया को जारी एक बयान में कहा, मैंने टाटा संस के निदेशकमंडल को सूचित किया है कि मैंने 20 फरवरी 2027 को अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद पुनर्नियुक्ति के लिए अपना नाम आगे नहीं रखने का निर्णय लिया है। मैंने निदेशकमंडल से अनुरोध किया है कि वह जल्द ही उत्तराधिकारी का

निर्णय करे, ताकि नेतृत्व का उचित और सुचारु हस्तांतरण सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से श्री चंद्रशेखरन का कार्यकाल पांच साल के लिए बढ़ाने की सिफारिश की थी। इस प्रस्ताव को 24 फरवरी 2026 को टाटा संस के निदेशकमंडल के समक्ष रखा गया था लेकिन बोर्ड के एक सदस्य के समर्थन न देने के कारण यह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका था। श्री चंद्रशेखरन ने बयान में कहा कि सर्वसम्मत समर्थन के अभाव में उन्होंने इस निर्णय को टालने का विकल्प चुना था। उन्होंने कहा, च्चनिदेशकमंडल की उस बैठक को छह महीने बीत चुके हैं और आज तक इस विषय पर कोई निर्णय नहीं हो पाया है। टाटा संस एक बहुत बड़ी संस्था है और कई महत्वपूर्ण रणनीतिक परियोजनाएं इस समय अपने निर्णायक क्रियान्वयन चरण में हैं। इसलिए न केवल फरवरी 2027 के बाद समूह का नेतृत्व करने के लिए एक नये व्यक्ति का समय पर चयन आवश्यक है, बल्कि नेतृत्व को लेकर स्पष्टता कर्मचारियों, निवेशकों, साझेदारों और अन्य हितधारकों के लिए भी महत्वपूर्ण है।

टाटा संस के चेयरमैन ने कहा कि उन्होंने टाटा समूह में अपने पेशेवर जीवन के 40 वर्ष पूरे कर लिए हैं। पिछले एक दशक से टाटा संस का नेतृत्व करना उनके लिए बहुत बड़े सम्मान और गहन जिम्मेदारी का विषय रहा है। उन्होंने सभी हितधारकों के सहयोग और समर्थन के लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त किया।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने जॉर्जीना रोड्रिगेज से शादी की

लिस्बन (वार्ता)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने यहां एक नागरिक समारोह में अपनी लंबे समय से प्रेमिका रहीं जॉर्जिना रोड्रिगेज से शादी कर ली है। मैड्रिड में मिलने के बाद से 2016 से साथ रह रहे इस जोड़े ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपनी अंगूठियों को दिखाते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। 41 वर्षीय रोनाल्डो ने अपने क्लब अल नासर के 2026-27 सऊदी प्रो लीग अभियान शुरू होने से ठीक चार दिन पहले शादी की । इस जोड़े ने पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन से लगभग 20 मील पश्चिम में स्थित कैस्केस में शादी की।

वस्तु निर्यात दूसरी तिमाही में 131 अरब डॉलर के पार पहुंचने की संभावना: एग्जिम बैंक

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारत के निर्यात-आयात बैंक (एग्जिम बैंक) ने अनुमान लगाया है कि देश का कुल वस्तु निर्यात चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 131 अरब डॉलर के पार पहुंच जायेगा। एग्जिम बैंक की बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि दूसरी तिमाही में वस्तु निर्यात 17.6 प्रतिशत बढ़कर 131.2 अरब डॉलर रहने की संभावना है। इस अवधि में गैर-तेल निर्यात में 20.3 प्रतिशत और गैर-तेल तथा गैर-रत्न एवं आभूषण निर्यात में 20.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। गैर-तेल निर्यात

113.8 प्रतिशत और गैर-तेल तथा गैर-रत्न एवं आभूषण निर्यात 105.8 अरब डॉलर रहने की संभावना जतायी गयी है। कुल वस्तु निर्यात, गैर-तेल निर्यात तथा गैर-तेल एवं गैर-रत्न-आभूषण निर्यात की वृद्धि का अनुमान एग्जिम बैंक द्वारा प्रत्येक तिमाही में जारी किया जाता है। ये अनुमान संबंधित तिमाही के लिए मई, अगस्त, नवंबर और फरवरी के पहले पखवाड़े में जारी किये जाते हैं। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद निर्यात में यह बढ़ोतरी निर्यात बाजारों के भौगोलिक विविधीकरण में वृद्धि तथा प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के साथ हाल में किये गये व्यापार समझौतों से उत्पन्न अनुकूल संभावनाओं के कारण संभव होगी।

इसके अलावा, साझेदार देशों में मजबूत मांग भी देश के निर्यात को समर्थन दे रही है। एग्जिम बैंक का कहना है कि देश का निर्यात परिदृश्य सकारात्मक है।

खुदरा महंगाई जुलाई में उच्चतम स्तर 4.45 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली (वार्ता)। सोने-चांदी के गहनों के साथ ही खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से जुलाई में खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर बढ़कर 4.45 प्रतिशत पर पहुंच गयी। यह कम से कम 19 महीने का उच्चतम स्तर है। नयी सीरीज के आधार पर जनवरी 2025 से अब तक के जारी आंकड़ों में खुदरा महंगाई की दर इतने ऊंचे स्तर पर कभी नहीं रही। इस साल जून के संशोधित आंकड़ों में खुदरा महंगाई की दर 4.38 प्रतिशत और पिछले साल जुलाई में 3.35 प्रतिशत दर्ज की गयी थी। खाद्य खुदरा महंगाई की दर भी जून के 5.32 प्रतिशत से बढ़कर 5.52 प्रतिशत दर्ज की गयी। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में खाने-पीने की चीजों की कीमत एक साल पहले की तुलना में 5.24 प्रतिशत और पान, तंबाकू तथा नशीले पदार्थों की महंगाई दर 4.79 प्रतिशत रही। रेस्त्रां और आवासीय सेवाओं की महंगाई दर 7.72 प्रतिशत रही। परिवहन सेवाओं की महंगाई दर 4.43 प्रतिशत दर्ज की गयी। एक साल पहले की तुलना में इस साल जुलाई में चांदी के गहने 110 प्रतिशत, अदरक 84 प्रतिशत, लहसुन 35 प्रतिशत, प्याज 23 प्रतिशत और सोने, हीरे तथा प्लेटिनम के गहने 33 प्रतिशत महंगे हुए।

वहीं आलू की कीमत 17 प्रतिशत, वाहनों की सात प्रतिशत और भिंडी की छह प्रतिशत घटी है। मटर और टमाटर के दाम में सालाना पांच प्रतिशत की गिरावट रही। एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर शहरी क्षेत्र से अधिक रही। शहरी क्षेत्रों में महंगाई दर 3.96 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 4.84 प्रतिशत रही।

रुपया तीन पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता) अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी से बुधवार को डॉलर की तुलना में रुपया दो दिन की गिरावट से उबरने में कामयाब रहा। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया तीन पैसे चढ़ा और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.33 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा पांच पैसे गिरकर 95.36 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। यह चार पैसे नीचे 95.40 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 95.43 रुपये प्रति डॉलर तक कमजोर हुआ। हालांकि दोपहर बाद शुरू हुई डॉलर क बिकवाली से 95.24 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत होने के बाद अंत में तीन पैसे मजबूत बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी से रुपये को समर्थन मिला। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा आज 0.5 प्रतिशत लुढ़ककर 88.50 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर गया। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में 0.1 प्रतिशत की गिरावट ने भी रुपये की बढ़त में योगदान दिया।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट

आईटी सेक्टर में बिकवाली

मुंबई (वार्ता)। आईटी सेक्टर के दबाव में घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट देखी गयी और प्रमुख सूचकांक करीब दो सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सुबह 109 अंक ऊपर खुला, लेकिन खुलते ही लाल निशान में उतर गया। एक समय यह 656 अंक टूट गया था। अंत में पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 187.90 अंक (0.24 प्रतिशत) नीचे 77,966.35 अंक पर बंद हुआ। यह 30 जुलाई के बाद का इसका निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी सपाट खुलने के बाद गिरावट में चला गया। यह 35.75 अंक यानी 0.15 प्रतिशत टूटकर 24,435.95 अंक पर रहा जो इसका 31 जुलाई के बाद का

निचला स्तर है। वृहत बाजार में दबाव कम रहा।

निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.24 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.18 प्रतिशत उतर गया। सेक्टरों से संबंधित सूचकांकों में निफ्टी आईटी समूह का सूचकांक 1.54 प्रतिशत की गिरावट में रहा। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, स्वास्थ्य, एफएमसीजी और ऑटो समूहों के सूचकांक भी नीचे बंद हुए। सार्वजनिक बैंक समूह का सूचकांक 2.05 प्रतिशत और मीडिया का 1.05 प्रतिशत की बढ़त में रहा। धातु समूह में भी लिवाली का जोर रहा।

एनएसई में जिन 3,476 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,867 के शेयर लाल निशान में और 1,504 के हरे निशान में रहे। अन्य 105 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 के शेयर लाल निशान में रहे। टीसीएस का शेयर 3.71 प्रतिशत उतर गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 1.67 फीसदी, टाटा स्टील में 1.57, एलएंडटी में 1.19, इटरनल में 1.18, इंफोसिस में 1.03 और आईटीसी में 0.97 प्रतिशत की गिरावट रही। बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, मारुति सुजुकी, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनीलिवर और इंडिगो के शेयर भी लाल निशान में बंद हुए। भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 1.31 प्रतिशत और भारती एयरटेल का 1.16 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी तेजी रही।

वैश्विक स्तर पर जापान का निक्केई 0.83 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.32 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। हांगकांग का हैंग सेंग 0.83 प्रतिशत फिसल गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.26 प्रतिशत की बढ़त में था जबकि ब्रिटेन का एफटीएसई 0.28 प्रतिशत की गिरावट में है।

अहमदाबाद निवेश संवाद में मध्यप्रदेश को मिले 8 हजार 635 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने गुजरात के उद्योगपतियों को दिया मध्यप्रदेश में 2027 में होने वाली जीआईएस में भागीदारी का आमंत्रण

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित निवेश संवाद के दौरान मध्यप्रदेश को विभिन्न क्षेत्रों में 8 हजार 635 करोड़ रुपये के निवेश प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों से 5 हजार 785 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। निवेश संवाद में गुजरात के अहमदाबाद, सूरत, भावनगर, राजकोट और वडोदरा सहित प्रमुख औद्योगिक केंद्रों से 500 से अधिक उद्योगपतियों, निवेशकों एवं कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों ने सहभागिता की और मध्यप्रदेश में निवेश के प्रति विशेष रुचि दिखाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को अहमदाबाद में आयोजित मेगा निवेश संवाद (इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश) में देशभर से आए प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को संबोधित किया।

मध्यप्रदेश में निवेश हमेशा से ही फायदे का सौदा रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश व्यापार-व्यवसाय, नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना-विस्तार और बिजनेस एक्सटेंशन के लिए असीम संभावनाओं की धरती है। मध्यप्रदेश में निवेश हमेशा से ही फायदे का सौदा रहा है। मुख्यमंत्री ने देशभर के निवेशकों का प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश में निवेश करने वालों को हमारी सरकार हर संभव सुविधा, सुरक्षा और सहयोग उपलब्ध कराएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए देश में चल रहे विकास यज्ञ का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की नई औद्योगिक नीतियों को देश के उद्योग जगत से सराहना मिल रही है।

बिजली, पानी और जमीन की चिंता करने की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों को बिजली, पानी और जमीन की चिंता करने की जरूरत नहीं है। औद्योगिक भूमि रियायती दरों पर लीज पर उपलब्ध है, पर्याप्त वाटर बैंक और सरप्लस बिजली है तथा प्लग एंड प्ले जोन विकसित किए जा रहे हैं। लगभग 19 हजार एकड़ में 48 नए इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

मध्यप्रदेश और गुजरात हैं जुड़वा भाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश और गुजरात के बीच औद्योगिक संभावनाओं एवं उच्च कोटि के परस्पर सहयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों ही राज्य जुड़वा भाईयों की तरह हैं।गुजरात के पास तकनीक, व्यापार और औद्योगिक अनुभव है, वहीं मध्यप्रदेश के पास प्रचुर जल, लैंड बैंक और देश के मध्य में स्थित होने का लॉजिस्टिक्स एडवांटेज है।

ऑटोमोबाइल क्षेत्रों के लिए मध्यप्रदेश में व्यापक अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात के पेट्रोकेमिकल, रसायन, टेक्सटाइल, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों के लिए मध्यप्रदेश में व्यापक अवसर हैं। बीना में विशाल पेट्रोकेमिकल रिफाइनरी, उज्जैन में 360 एकड़ में विकसित हो रहा अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस पार्क, धार और नवसारी में पीएम मित्रा पार्क तथा पीथमपुर का मजबूत ऑटोमोबाइल आधार दोनों राज्यों की औद्योगिक साझेदारी की संभावनाओं को और मजबूत करते हैं।

मां नर्मदा के दो बेटे औद्योगिक विकास के लिए बढ़ रहे हैं साथ-साथ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के काल से गुजरात की धरती देश को समृद्धि देती आई है। गुजरात ने महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुष हमें दिए हैं। अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में भारत दुनिया का अग्रणी देश बनने की ओर अग्रसर है।

क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कर सुगम यातायात करें सुनिश्चित : सिंह

लोक निर्माण मंत्री ने भोपाल की सड़कों की स्थिति की समीक्षा कर दिए सुधार के निर्देश

भोपाल (स्वतंत्र मत)। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने वर्षाकाल के कारण भोपाल में विभाग की क्षतिग्रस्त सड़कों और विभिन्न स्थानों पर हुए गड्ढों को गंभीरता से लेते हुए उनकी तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण नागरिकों को आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सड़कों को सुरक्षित और सुगम बनाए रखना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री श्री सिंह ने भोपाल की सड़कों की स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्य अभियंता ब्रिज एवं मुख्य अभियंता भोपाल को निर्देशित किया कि वे आज ही शहर की प्रमुख सड़कों, पुलों और यातायात की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों का गहन निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान क्षतिग्रस्त हिस्सों और गड्ढों को चिह्नित कर तत्काल सुधार कार्य प्रारंभ कराया जाए। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि वर्षा के कारण जहां डामरीकरण अथवा स्थायी मरम्मत तत्काल संभव नहीं है, वहां क्विक सेट सीमेंट, पेवर ब्लॉक अथवा अन्य उपयुक्त तकनीक का उपयोग कर गड्ढों को तुरंत भरा जाए। सुधार कार्य इस प्रकार किया जाए कि नागरिकों को शीघ्र राहत मिले और वाहनों का सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों के सुधार कार्य में किसी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

क्षतिग्रस्त सड़कों की नियमित निगरानी की जाए और बारिश के दौरान पुनः गड्ढे होने पर त्वरित कार्रवाई के लिए मैदानी अमले को सतर्क रखा जाए। प्रमुख मार्गों के साथ ही आंतरिक और संपर्क सड़कों की स्थिति पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सड़क मरम्मत केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। प्रत्येक सुधार कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए और संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर कार्य की निगरानी करें अन्यथा होगी कड़ी कार्यवाही।

आज हटा में निकलेगी हर घर तिरंगा यात्रा

हटा (स्वतंत्र मत)। हर घर तिरंगा अभियान एवं स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हटा में आज 13 अगस्त गुरुवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। रैली में शामिल होने वाले प्रतिभागियों का एकत्रीकरण सुबह 9 बजे शासकीय पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में होगा जबकि रैली सुबह 9:30 बजे प्रारंभ होगी।

कार्यालयों में सभी अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनकर दफ्तरो में आये : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार 14 अगस्त को तेंदूखेड़ा सहित अन्य चिंहित स्थानो पर आयोजित कार्यक्रमों में स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तदान शिविर, पीएम सम्मान निधि और फार्मर आईडी के प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। यहां पर समग्र ईकेवाईसी, आधार अपडेशन आदि भी किए जाए। इस आशय के निर्देश कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने समय सीमा बैठक में दिए। उन्होंने इस दौरान गत शुक्रवार को संपत्र अभियान के प्रथम केम्प और अधिकारियों के ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण की समीक्षा कर आगामी कैम्प से ऑनलाइन एंट्री और फोटो अपलोड सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे, अपर कलेक्टर राकेश मोहन त्रिपाठी खासतौर पर मौजूद रहे।

कलेक्टर ने नगरीय निकायों और जनपदो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से कहा पीओपी से मूर्ति न बने, संबंधितों की बैठक बुलाकर उन्हें अवगत करा दिया जाए। उन्होंने इको फ्रेंडली अनुरूप मूर्ती निर्माण के संबंध में बताया जाए और सुनिश्चित कराया जाए। इस संबंध में शीघ्र बैठके भी करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अधिकारियो से कहा गया कार्यालयों में सभी अधिकारी कर्मचारी अनिवार्य रूप से दोपहिया वाहनधारी हेलमेट पहनकर आएं। कलेक्टर ने कहा कलेक्ट्रेट कार्यालय में अनिवार्य कर दिया गया है।उन्होंने मध्यान्ह भोजन के संबंध में संबंधित अधिकारियों से कहा मीनू के अनुरूप एमडीएम मिले सुनिश्चित किया जाए। इसमें लापरवाही कतई बर्दाश्त नही की जायेगी। कलेक्टर ने हर घर तिरंगा अभियान के संबंध मे चर्चा करते निर्देशानुसार प्लानिंग करने के निर्देश दिए। संबल कार्ड की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये। बैठक के दौरान नॉन अटैण्ड सीएम हेल्पाईन की समीक्षा कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गये। इस अवसर पर सभी एसडीएम और जिला अधिकारी तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी मौजूद रहे।

दस्तक अभियान में बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा को मिल रही गति

घर-घर स्क्रीनिंग के साथ बीमारी की पहचान, उपचार और पोषण पर जोर

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय ने बताया कि जिले में 5 वर्ष तक के बच्चों को दस्त, निमोनिया एवं अन्य बाल्यकालीन बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दस्तक अभियान 14 जुलाई से निरंतर संचालित किया जा रहा है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर बच्चों की प्रारंभिक स्क्रीनिंग के परिणाम अनुसार बीमारी की पहचान, उपचार, पोषण एवं आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दे रहे हैं। बीमारी की समय पर पहचान कर बच्चे को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 46110 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई है।

समस्या की पहचान और त्वरित प्रबंधन-जिला टीकाकरण अधिकारी डॉण् विक्रांत चौहान ने बताया कि अभियान में 1851 डायरिया के मामलों की पहचान कर समुचित उपचार सेवा के साथ परिवारों को ओआरएस एवं जिंक के उपयोग, पर्याप्त तरल पदार्थ और स्तनपान जारी रखने की समझाइश दी गई।

अभियान के तहत 5 साल तक के बच्चों के परिवार में भेंट कर अब तक 37726 ओआरएस पैकेट उपलब्ध कराए गए हैं। अभियान के तहत 678 ग्रामों में स्क्रीनिंग दौरान एनीमिक पाये गये 28890 बच्चों को आईएफए की चिकित्सकीय खुराक दी गई। साथ ही बच्चों को संक्रमण से सुरक्षित रखनेए शारीरिक वृद्धि विकास एवं आखों की सेहत को बनाए रखने में उपयोगी विटामिन ए की खुराक 40666 बच्चों को पिलाई गई है। गंभीर बीमारी एवं कुपोषण की स्थिति में समय पर उपचार एवं रेफरल सुनिश्चित किया जा रहा है। चिकित्सकीय जटिलता वाले गंभीर कुपोषित 140 मामलों की पहचान कर 109 बच्चों के एनआरसी रेफरलध्प्रवेश की कार्यवाही कर 92 बच्चों को एनआरसी में भर्ती कर मानक अनुसार उपचार सेवा दी जा रही है। दस्तक अभियान के तहत निमोनिया के लक्षण पाये गये 14 बच्चों को समुचित उपचार सेवा दी गई। बैक्टीरियल संक्रमण वाले चिन्हित 15 बच्चों में से 7 को विशेष नवजात ईकाई में भर्ती कर उपचारित किया गया।

श्रीदेव जागेश्वरनाथ का जलाभिषेक अमावस्या पर उमड़ा सैलाब

दमोह (स्वतंत्र मत)। श्रीदेव जागेश्वर नाथ जी मंदिर परिसर में चल रहे 11 दिवसीय लघु रुद्रात्मक रुद्राभिषेक के सातवें दिवस मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक आचार्य रामकृपाल पाठक शास्त्री के मार्गदर्शन में भगवान श्रीदेव जागेश्वर नाथ जी का देश के विभिन्न पवित्र तीर्थों एवं जलस्रोतों सहित 12 नदियों के जल से विधिविधानपूर्वक गंगा, यमुना, सरस्वती, नर्मदा, गोदावरी, कावेरी, कृष्णा, सिंधु, सोन, ताप्ती, महानदी, सरयू मड़कोलेश्वर संगम सहित विभिन्न पवित्र नदियों तथा समुद्र और इमरती कुंड के पावन जल को एकत्रित कर यज्ञ मंडप में स्थित यज्ञशाला में भगवान शिव का लघु रुद्रात्मक रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। साथ ही मंदिर ट्रस्ट के गोवर्धन धेनु पर्वत पर वृक्षारोपण किया गया।

जनजाति विभाग के छात्रावासों के अंशकालीन कर्मचारी 10 माह से वेतन को तरस रहे

रक्षाबंधन पर भी घर में चूल्हा जलना मुश्किल बच्चों की फीस भी नहीं भर पा रहे

दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह जिले के मध्य प्रदेश स्थाई कर्मचारी कल्याण संघ के जिला अध्यक्ष संतोष सिंह उर्फ बबलू ठाकुर ने बताया कि जनजाति कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावासों में सैकड़ों अंशकालीन कर्मचारी पदस्थ हैं। इन्हें विगत 10 माह से वेतन नहीं मिला है। वेतन न मिलने के कारण कर्मचारी और उनके परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। बच्चों की स्कूल फीस भरना तक दुर्लभ हो गया है। एक तरफ शासन शिक्षा को अपना ध्येय रखकर कार्य कर रही है। वहीं दूसरी तरफ वेतन भुगतान न होने से कर्मचारियों के बच्चे शिक्षा से वंचित होने की कगार पर हैं। कर्मचारियों ने बताया कि वे संघ के माध्यम से कई बार कलेक्टर महोदय से गुहार लगा चुके हैं। जनजाति जिला संयोजक को भी अनेक बार ज्ञापन दिए गए लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा उनकी कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। सबसे दुखद यह है कि निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों को अनावश्यक मानसिक रूप से परेशान किया जाता है किंतु मानदेय के संबंध में कोई ध्यान नहीं दिया जाता।

तिरंगे की छटा से अद्भुत नजर आएगा बड़ा तालाब

सैकड़ों नावों से निकलेगी नौका तिरंगा यात्रा

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में निकाली जा रही तिरंगा यात्राओं की श्रृंखला में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 13 अगस्त को विशाल नौका तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में यह यात्रा सुबह 11 बजे बोट क्लब, बड़े तालाब से प्रारंभ होगी। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि इस भव्य आयोजन में सैकड़ों नावें तिरंगे के साथ शामिल होंगी और हजारों देशभक्त नागरिक तिरंगा यात्रा का हिस्सा बनेंगे। बड़े तालाब का जल क्षेत्र तिरंगे की छटा से सराबोर होगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर पूरे देश में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। भोपाल की बड़ी झील के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच नौका तिरंगा यात्रा का आयोजन भोपाल के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगा।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नभ से लेकर जल तक हर जगह तिरंगा लहराए, यही हमारा लक्ष्य है। भारत माता वैभव परम तक पहुंचे और देश का प्रत्येक नागरिक देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो, इसी उद्देश्य से यह भव्य यात्रा आयोजित की जा रही है।

मंत्री विश्वास सारंग ने किया आयोजन स्थल का निरीक्षण

नौका तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर मंत्री विश्वास सारंग ने जिला प्रशासन, खेल विभाग के अधिकारियों, पुलिस एवं एसडीआरएफ के अधिकारियों के साथ बोट क्लब एवं बड़े तालाब क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को सुरक्षा, यातायात, नावों के संचालन, गोताखोरों एवं एसडीआरएफ की तैनाती, पार्किंग, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन में शामिल होने वाले नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण की जाएं।

सैकड़ों नावों पर लहराएगा तिरंगा

नौका तिरंगा यात्रा में विभिन्न नावों पर राष्ट्रीय ध्वज के साथ प्रतिभागी शामिल होंगे। बड़े तालाब के जल क्षेत्र में तिरंगे से सजी सैकड़ों नावों का भव्य दृश्य देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना को प्रदर्शित करेगा। आयोजन में युवाओं, खिलाड़ियों, सामाजिक संगठनों एवं बड़ी संख्या में आम नागरिकों की सहभागिता रहेगी।

देश में पहली बार तालाब के बीच बनेगा फ्लोटिंग तिरंगा

भोपाल के बड़े तालाब में देशभक्ति का अनूठा और भव्य नजारा देखने को मिलेगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश में पहली बार तालाब के बीच फ्लोटिंग तिरंगा तैयार किया जाएगा। बड़ी संख्या में नावों और तिरंगे के साथ विशेष फॉर्मेशन तैयार कर जल सतह पर विशाल तिरंगे का स्वरूप प्रदर्शित किया जाएगा। यह अनूठा आयोजन देशभक्ति, एकता और राष्ट्रगौरव का संदेश देगा तथा भोपाल के बड़े तालाब से निकलने वाली नौका तिरंगा यात्रा का प्रमुख आकर्षण बनेगा। मंत्री श्री सारंग ने प्रदेशवासियों से इस ऐतिहासिक और भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया है।

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका जबलपुर में भवन क्रमांक LIG-66 श्रीमति पार्वती सोनी पति श्री शम्भू सोनी के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 15.11.2010 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्रीमति पार्वती सोनी पति श्री शम्भू सोनी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 16.06.2026 के माध्यम से श्री आजाद कुमार जैन पिता स्व. श्री दयाराम जैन एवं श्रीमति मीना जैन पति श्री आजाद कुमार जैन को विक्रय किया है। अतः श्री आजाद कुमार जैन पिता स्व. श्री दयाराम जैन एवं श्रीमति मीना जैन पति श्री आजाद कुमार जैन द्वारा उक्त भूखण्ड उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र. 07 अधारताल, जबलपुर (म.प्र.)

क्र./सं.अधि/05/एमईएमपी नं. 95/2026/27
दिनांक 03/08/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति वर्षा देवी पति श्री चन्द्रेश कुमार राठौर ने भवन/खसरा क्रमांक 2564/ I NC खसरा नं. 262/4/1 का भाग संपत्ति कर/पिन नंबर 1000431761 विक्रेतागण/पंजीकृत गृहस्वामी श्री नरेश कुमार करोसिया पिता रामप्रसाद करोसिया के भाग पर वार्ड निर्मलचंद जैन के कुल प्लाट में से विक्रय प्लाट रकवा 1700 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 952 आरसीसी व.फु. पर विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय क्रमांक 07 में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-07, नगर पालिक निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27/81
दिनांक 06/08/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति आशा तिवारी पति श्री महेन्द्र कुमार तिवारी ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मीबाई के भवन क्रमांक ख.नं. 298 भीटा कजरवारा सम्पत्ति के पिन क्रमांक 9000073900 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 900 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री त्रिलोक सिंह यादव पिता श्री साधुराम यादव का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27/75
दिनांक 05/08/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री (1) अंगद सिंह पिता परशराम सिंह (2) श्रीमति गुड़िया कुमारी पति अंगद सिंह ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मीबाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 114 माँ नर्मदा सिटी होम्स सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004474947 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 690 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री शमूएल लाल पिता श्री हरवंश लाल का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27/74
दिनांक 05/08/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजकुमार लालवानी पिता श्री हरीराम लालवानी ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाषचंद्र बैनर्जी के भवन क्रमांक 634/बी-2 प्रेस्टीज टाउन प्लाट नं. 6/11 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000400571 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 1161 व.फु. प्रथम तल 1161 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय के आधार पर निगम में दर्ज श्री आई बी वेट का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27/93
दिनांक 07/08/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति रश्मि डांगे पति स्व. वीरेन्द्र डांगे ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम पंडित जवाहरलाल नेहरू के भवन क्रमांक 819 हरिजन बस्ती उषा मित्रा मार्ग ब्यौहार बाग जबलपुर सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000429153 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 350 व.फु. (सीमेन्ट टीन) पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, हक त्याग पत्र के आधार पर निगम में दर्ज स्व. श्री देवनारायण डांगे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

मदनमहल पुलिस की कार्रवाई, एक पिस्टल व एक कारतूस जब्त

पिस्टल लेकर घूम रहे दो बदमाश गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मदनमहल थाना क्षेत्रांतर्गत नरसिंह मंदिर के पीछे टपरिया बस्ती में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को पुलिस ने धर दबोचा। जिनके पास से एक पिस्टल व एक कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्राईम ब्रांच की टीम ने मुखबिर की सूचना पर नरसिंह मंदिर के पीछे टपरिया बस्ती में दबिश दी। जहां से आकर्ष सिंह उर्फ लड्डू ठाकुर पिता स्व. रमेश सिंह ठाकुर उम्र 25 वर्ष निवासी भगवती मंदिर के बाजू महानद्दा चिमनी प्लांट मदनमहल व आयुष जैन उर्फ कल्लू पिता प्रमोद जैन उम्र 19 वर्ष निवासी सैनिक सोसायटी शारदा चौक गढ़ा को हिरासत में लिया।

राहगीरों ने दी पुलिस को सूचना, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही टीम

पुलिया के पास मिला नवजात का शव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाना क्षेत्र स्थित उदय नगर नंबर दो में 16 नंबर पुलिया के पास एक नवजात शिशु का शव मिला है। झाड़ियों के पास लावारिस हालत में पड़े शव को देखकर राहगीरों और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही रांझी थाना पुलिस की एफआरवी टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। रांझी थाने के उपनिरीक्षक सीताराम बाकोड़े ने बताया कि व्हीकल फैक्ट्री के सुरक्षा गार्डों ने पुलिया के पास नवजात का शव पड़ा देखा था। उनकी सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा की कार्रवाई कर जांच शुरु कर दी है।

मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा से ही प्राप्त होगा लक्ष्य

हितकारिणी वुमेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में नव-प्रवेशित छात्राओं के लिए इंडक्शन-कम-ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी वुमेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शासी निकाय के अध्यक्ष संदीप गोलछा के मार्गदर्शन व प्रेरणा से नव-प्रवेशित छात्राओं के लिए इंडक्शन-कम-ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं वंदना के साथ हुआ । इसके पश्चात नव-प्रवेशित छात्राओं का तिलक लगाकर एवं स्वागत गीत के माध्यम से आत्मीय स्वागत किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को महाविद्यालय के संस्थापक आदरणीय कुंवर लक्ष्मी चंद के व्यक्तित्व एवं शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण से परिचित कराया । उन्होंने छात्राओं को महाविद्यालय के विजन एवं मिशन, शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ, विभिन्न प्रयोगशालाओं तथा महाविद्यालय की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी दी उन्होंने महाविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए इसके एनपीटीईएल एक्टिव लोकल चैप्टर बनने की उपलब्धि का उल्लेख किया । साथ ही नव-प्रवेशित छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आप जिस लक्ष्य को लेकर प्रवेशित हुए हैं उसे पूरी कर्तव्य निष्ठा एवं पूर्णत: मेहनत व लगनशीलता द्वारा प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहें तभी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर पायेंगे। कार्यक्रम में विजयश्री एजुकेशनल इंस्टीट्यूट से विभाग अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, प्रो. रैना तिवारी मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं । महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने पौधा भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया । उनके व्याख्यान का विषय फ्रॉम टीचर टू लर्निंग डिजाइनर शेपिंग क्लासरूम फॉर 2030 रहा ।

ऑनलाइन एवं डिजिटल टूल्स के उपयोग के बारे में जानकारी

अपने व्याख्यान में प्रो. रैना तिवारी ने छात्राओं को बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ऐआई) एवं आधुनिक तकनीक को अपनाकर शिक्षक स्वयं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप 'लर्निंग डिजाइनर' के रूप में विकसित कर सकते हैं । उन्होंने भविष्य की कक्षा एवं शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए चार प्रमुख सिद्धा तों पर प्रकाश डाला जिसमे प्रथम, एक्सपेरिमेंटल लर्निंग, द्वितीय, पर्सनलाइज्ड लर्निंग विथ ऐआई ऐआई एस योर को-टीचर, तृतीय, भारतीय ज्ञान परंपरा + ग्लोबल स्किल्स ग्लोबल क्लासरूम डिजाईन, तथा चतुर्थ, स्टोरी एंड गेम बेस्ड लर्निंग शामिल हैं । उन्होंने छात्राओं को शिक्षण विधियों को अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाने, डिजिटल कंटेंट तैयार करने तथा पारंपरिक पेन-पेपर टेस्ट से आगे बढ़कर विद्यार्थियों के आकलन के लिए विभिन्न ऑनलाइन एवं डिजिटल टूल्स के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी । उन्होंने कहा कि भविष्य का शिक्षक केवल विषय-वस्तु का प्रसार करने वाला नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को डिजाइन करने वाला लर्निंग डिजाइनर होगा । कार्यक्रम को मनोरंजक एवं सहभागितापूर्ण बनाने के लिए नव-प्रवेशित छात्राओं हेतु म्यूजिकल कप गेम का आयोजन भी किया गया । प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रुति तिवारी, द्वितीय स्थान नश्रा फिरदौस एवं तृतीय स्थान वर्षा ककोदिया ने प्राप्त किया, जबकि सांत्वना पुरस्कार प्राची थावरे को प्रदान किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. निरुपमा पाठक ने मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. रैना तिवारी सहित सभी प्राध्यापकों एवं छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम का मंच संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. रश्मि शुक्ला द्वारा किया गया । कार्यक्रम ने नव-प्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराने के साथ-साथ तकनीक, ऐआई, नवाचार, भारतीय ज्ञान परंपरा एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से भविष्य के शिक्षक के रूप में स्वयं को तैयार करने की दिशा में प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की उप-प्राचार्य डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, श्रीमती जया सामदेकर, डॉ. निधि माथुर, ऋषभ भट्ट, लाइब्रेरियन श्रीमती ज्योति शर्मा एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, अविनाश लखेरा, श्रीमती प्रेमलता चौबे, विजय दहायत, प्रीति नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

बिना पंजीयन चल रहा पैथ केयर डायग्नोस्टिक सेंटर सील

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने राइट टाउन की कार्रवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राइट टाउन स्थित पेथ केयर डायग्नोस्टिक सेंटर का पंजीयन समाप्त होने के बावजूद संचालन किए जाने का मामला सामने आया है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की जिला स्तरीय जांच टीम ने बुधवार को सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। अनियमितताएं मिलने पर टीम ने सेंटर को तत्काल सील कर दिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी के मार्गदर्शन में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अमिता जैन, डॉ. रत्नेश नामदेव, डॉ. तुषार गुप्ता, जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील और विकास श्रीवास्तव की टीम ने मदन महल स्टेशन रोड, राइट टाउन स्थित सेंटर का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सेंटर का पंजीयन दस्तावेज मिला, लेकिन उसकी वैधता मार्च 2026 में ही समाप्त हो चुकी थी। जांच दल के अनुसार पंजीयन के नवीनीकरण के लिए भी अब तक कोई प्रक्रिया शुरू नहीं की गई थी। निरीक्षण के दौरान सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों की शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण योग्यता से संबंधित आवश्यक प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत नहीं किए जा सके। मौके पर लैब हेड लकी सिंह, लैब टेक्नीशियन आरती नेमा और सेल्स मैनेजर अनिल गुप्ता मौजूद मिले। सेंटर में पैथोलॉजिस्ट डॉ. अमिता त्रिवेदी के कार्यरत होने की जानकारी मिली। जांच दल ने उन्हें कार्रवाई में सहयोग के लिए फोन किया, लेकिन वे टीम के समक्ष उपस्थित नहीं हुईं।

तीन दिन में पेश करने होंगे दस्तावेज

जांच दल ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों की उपस्थिति में सेंटर को तत्काल सील कर दिया। साथ ही सेंटर से संबंधित पंजीयन, स्टाफ की शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण योग्यता सहित सभी आवश्यक दस्तावेज तीन दिन के भीतर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई के बाद बिना वैध पंजीयन संचालित हो रहे अन्य पैथोलॉजी सेंटरों पर भी जांच की संभावना बढ़ गई है।

रुपये न देने पर युवक पर ब्लेड से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खमरिया पुलिस ने बताया कि वीरू उर्फ प्रहलाद कोल उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम ठूठा थाना पाटन वर्तमान पता मोहनिया परिसर परियट मजदूरी करने पिपरिया आया था। बीती शाम काम न लगने पर वह एक दुकान में चाय पी रहा था। उसी समय मोनू पटेल उर्फ पुरूषोत्तम पटैल पहुंचा और उससे शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगा। पैसे देने से मना करने पर मोनू पटेल गाली गलौज करते हुये हाथ मुक्कों से मारपीट करने लगा तथा ब्लेड से हमला कर वीरू की आंख के पास चेहरे में चोट पहुँचाते हुये जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

मोबाईल हैक कर 1.89 लाख रुपये हड़पे

नौ माह पहले हुई ऑनलाईन धोखाधड़ी पर प्रकरण दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एक युवक के खाते में बबीता नामक युवती ने एक रुपये भेजे, जिसके बाद युवक का मोबाईल हैक हो गया और उसके खाते से एक लाख 89 हजार रुपये आईएमपीएसआर के माध्यम से ट्रांसफर हो गये। अचरज की बात तो ये है उक्त वारदात नौ माह पूर्व नवंबर 2025 को हुई थी। जिसकी शिकायत पीड़ित ने बीती रात गोहलपुर थाने में दर्ज करायी।

पुलिस ने बताया कि गोहलपुर नई बस्ती निवासी 35 वर्षीय तनवीर अहमद ने घर के सामने किराना दुकान का संचालन करता है। जिनका खात यूनियन बैंक शाखा अधारताल में है। 3 नवंबर 2025 की रात उनके खाते में किसी बबीता कुमारी ने एक रुपया भेजा, जिसके आधे घंटे बाद उन्होंने अपने मोबाईल के फोन-पे से मैसेज चैक किया तो उनका मोबाईल हैक हो गया। उसके दूसरे दिन 4 नवंबर 2025 को उनके खाते से तीन बार में एक लाख 89 हजार रुपये आईएमपीएसआर के माध्यम से निकाल लिये गये। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

करोड़ों का आसामी निकला वन मंडल में पदस्थ बाबू

अब तक ढाई करोड़ की संपत्ति उजागर, ईओडब्ल्यू टीम कर रही जांच, बैंक खाते और लॉकर खुलना बाकी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पश्चिम वनमंडल मंडला में पदस्थ बाबू श्रेतांक चौरसिया करोड़ों का आसामीं निकला। बुधवार सुबह आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरों (ईओडब्ल्यू) जबलपुर की टीम ने आरोपी बाबू के घर पर रेड मारी। जहां से जांच टीम ने ढाई करोड़ की अनुपातहीन संपत्ति होने का खुलासा किया है, जबकि देरशाम सर्च कार्रवाई जारी रहीं है। जिसमें आरोपी बाबू के परिजनों के बैंक खाते और लॉकर खुलना शेष है। जिससे उक्त बेनामी संपत्ति और अधिक होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि ईओडब्ल्यू की टीम को जांच के दौरान श्वेतांक चौरसिया की आय से 290 प्रतिशत अधिक सम्पत्ति मिली है। उनकी वैधानिक आय करीब 55.60 लाख रुपए आंकी गई है। तलाशी में सामने आई संपत्तियों के बाद यह अंतर करीब 400 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। बैंक के 4 खातों के साथ लॉकर और एफडी की भी जांच की जा रही है। ईओडब्ल्यू की कार्रवाई में दो डीएसपी स्वर्णजीत सिंह धामी और मंजीत सिंह, तीन इंस्पेक्टर और टीम के अन्य सदस्यगण शामिल रहे।

डेढ़ करोड़ का मकान और 50 लाख की दुकान

जांच टीम को क्लर्क श्वेतांक चौरसिया के पास कई गुना संपत्ति होने की जानकारी मिली है। जिसमें उनका आवासीय आवास जिसकी कीमत डेढ़ करोड़ आंकी गई है। इसके अलावा एक पचास लाख रुपये की दुकान का भी जानकारी जांच एजेंसी को लगी है। वहीं जांच में दुकान के सौदे में 45 से 50 लाख रुपए का नगद भुगतान किये जाने की बात भी सामने आई है, जिसके दस्तावेज और भुगतान के स्त्रोतों की जांच की जा रहीं है। जांच एजेंसी ने डेढ़ करोड़ के मकान और पचास लाख की दुकान के अलावा आरोपी के घर से पांच लाख रुपये की नगदी। 25 लाख रुपये का घरेलू सामान, 85 ग्राम सोने के जेवर करीब तेरह लाख रुपये के व 2.8 किलों ग्राम चांदी के जेवर कीमती डह लाख रुपये, एक फोर व्हीलर गाड़ी कीमती आठ लाख रुपये, दो मोटर साइकिल कीमत डेढ़ लाख रुपये की बरामद की है।

बैंक खातों की जानकारी एकत्रित कर रही जांच टीम

जांच एजेंसी ने बताया कि आरोपी श्वेतांक चौरसिया एवं परिजनों के नाम पर विभिन्न बैंक शाखाओं में 5 खाते संचालित है। वहीं बैंक में जमा राशि की जानकारी जुटाई जा रही है। जांच अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की कुल 2.48 करोड़ रूपये की अनुपातहीन संपत्ति उजागर हुई है । इसके अलावा लॉकर खोला जाना शेष है। जिससे उक्त संपत्ति और भी बढने् की संभावना है।

बाईक की टक्कर से मोटर साइकिल सवार घायल

कुंडम के राजा इमलई क्षेत्र की घटना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कुंडम थानातंर्गत राजा इमलई एसबीबाई के पास बीती रात एक तेज रफ्तार बाईक चालक ने मोटर साइकिल सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। जिससे दोनों को गंभीर चोटे आ गई। जिन्हें उपचार के लिये जबलपुर भिजवाया गया है।

पुलिस ने बताया कि सिहोरा निवासी 38 वर्षीय रेकम साहू बरेला में रहकर ठेकेदारी करता है। जिनके साथ उनका रिश्तेदार मुंशीलाल साहू व मजदूर धर्मेन्द्र कुमार मरावी व अरविंद मरावी भी काम करते है। बीती रात चारों दो मोटर साइकिलों से कुंडम-बघराजी होते हुए सिहोरा जा रहे थे। जैसे ही वे राजा इमलई में एसबीआई बैंक के समीप पहुंचे, तभी बाईक क्रमांक एमपी 20 जेडएस-2045 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मुंशीलाल की मोटर साइकिल में टक्कर मार दी। जिससे मुंशीलाल व धर्मेन्द्र दोनों गिर गये और उन्हें चोटे आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com**, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**